मासिक करंट अफेयर्स

यूपीएससी और पीसीएस परीक्षाओं के लिए

अक्टूबर 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.10.2019

1. **<u>नीति आयोग ने स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक (एस.ई.क्यू.आई.) जारी किया है।</u>**

- स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक, नीति आयोग द्वारा एक सहयोगी प्रक्रिया के माध्यम से विकसित किया गया था, इसमें मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, विश्व बैंक और क्षेत्र विशेषज्ञों जैसे प्रमुख हितधारक शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा क्षेत्र में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (यू.टी.) के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है।
- सूचकांक का उद्देश्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनकी ताकत और कमजोरियों की पहचान करने और अपेक्षित पाठ्यक्रम सुधार और नीतिगत हस्तक्षेप करने के लिए एक मंच प्रदान करके शिक्षा नीति पर परिणामी रूप से ध्यान केंद्रित करना है।
- इस सूचकांक में 30 महत्वपूर्ण संकेतक शामिल हैं जो गुणवत्ता शिक्षा के वितरण का मूल्यांकन करते हैं।
- इन संकेतकों को नीचे वर्गीकृत किया गया है:
- श्रेणी 1: परिणाम
- डोमेन 1: शिक्षण परिणाम
- डोमेन 2: पहुँच परिणाम
- डोमेन 3: परिणामों हेतु बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ
- डोमेन 4: न्यायसम्य परिणाम
- श्रेणी 2: शासन प्रक्रिया सहयोगी परिणाम
- शासन प्रक्रिया, सहायता परिणामों की श्रेणी में छात्र और शिक्षक उपस्थिति प्रणाली, कुछ को नाम देने के लिए शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता जैसे संकेतक शामिल थे।
- सूचकांक के लिए डेटा तीन श्रेणियों: बड़े राज्य, छोटे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एकत्र किया गया था।

सूचकांक के निष्कर्ष

- वर्ष 2016-17 के लिए केरल ने 76.6 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है और उत्तर प्रदेश ने 36.4 प्रतिशत के साथ सबसे कम स्कोर किया है।
- छोटे राज्यों में, मणिपुर (68.8 प्रतिशत) शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरकर सामने आया है, जब कि अरुणाचल प्रदेश (24.6 प्रतिशत) श्रेणी में अंतिम स्थान पर आया है।
- राजस्थान ने 72 प्रतिशत के साथ बड़े राज्यों में दूसरा स्थान हासिल किया है, इसके बाद कर्नाटक और आंध्र प्रदेश ने क्रमश: 70 प्रतिशत और 69 प्रतिशत के साथ स्थान प्राप्त किए हैं।
- केंद्र शासित प्रदेशों में, चंडीगढ़ (82.9 प्रतिशत) शीर्ष स्थान पर रहा है जब कि लक्षद्वीप सबसे निचले (31.9 प्रतिशत) स्थान पर रहा है।

नोट:

- पश्चिम बंगाल ने नीति आयोग के अभ्यास में भाग नहीं लिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>राजोआना की सजा को रोकने हेतु एक प्रक्रिया चल रही है: एम.एच.ए.</u>**

- पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की मौत की सजा पर रोक लगाने की प्रक्रिया “चल रही है”।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति

संविधान का अनुच्छेद 72 राष्ट्रपति को उन व्यक्तियों को क्षमा देने का अधिकार देता है, जिन्हें उन सभी मामलों में किसी भी अपराध में लिप्त और दोषी पाया गया है:

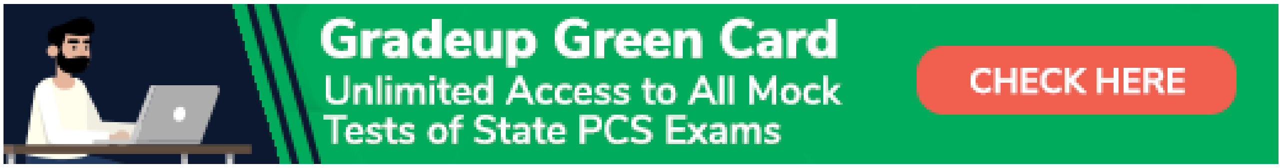

- संघीय कानून के खिलाफ अपराध के लिए सजा या दंड
- कोर्ट-मार्शल (सैन्य अदालत) द्वारा दी गई सजा या दंड तथा
- सजा, मौत की सजा
- राष्ट्रपति की क्षमा करने की शक्ति, न्यायपालिका से स्वतंत्र होती है, यह कार्यकारी शक्ति है।
- राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति में निम्नलिखित शामिल हैं:
- **क्षमा:** यह सजा और दोषसिद्धि दोनों को समाप्त कर देता है और अपराधी को सभी सजाओं, दंडों और अयोग्यताओं से पूरी तरह से मुक्त कर देता है।
- **रूपांतरण:** यह सजा के किसी रूप का उससे कम सख्त रूप के साथ प्रतिस्थापन को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, मौत की सजा को कठोर कारावास की सजा में बदला जा सकता है, जिसे बदले में साधारण कारावास में बदला जा सकता है।
- **छूट:** इसका तात्पर्य सजा के रूप को बदले बिना उसकी अवधि में कमी कर देना है। उदाहरण के लिए, दो वर्ष के कठोर कारावास की सजा को एक वर्ष के कठोर कारावास में बदला जा सकता है।
- **स्थगन:** यह अपराधी की शारीरिक विकलांगता अथवा किसी महिला अपराधी की गर्भावस्था जैसे कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के कारण दी जाने वाली वास्तविक सजा के स्थान पर कम सजा देने को दर्शाता है।
- **दंड निलंबन:** इसका तात्पर्य तात्कालिक अवधि के लिए एक सजा (विशेष रूप से मौत की) के निष्पादन पर रोक है। इसका उद्देश्य अपराधी को राष्ट्रपति से माफी मांगने या रोक प्राप्त करने में सक्षम करना है।

नोट:

- संविधान के अनुच्छेद 161 के अंतर्गत, एक राज्य के राज्यपाल के पास भी क्षमा करने की शक्ति होती है लेकिन राज्यपाल की क्षमा करने की शक्ति, राष्ट्रपति की क्षमा करने की शक्ति की तुलना में दो प्रकार से भिन्न होती है:
- राष्ट्रपति, कोर्ट-मार्शल (सैन्य अदालतों) द्वारा दी गई सजा को क्षमा कर सकते हैं जब कि राज्यपाल ऐसा नहीं कर सकते हैं।
- राष्ट्रपति, मौत की सजा को माफ कर सकते हैं, जब कि राज्यपाल ऐसा नहीं कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल के भूमि-हमले संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।</u>**

- डी.आर.डी.ओ. ने ओडिशा के बालासोर जिले के चांदीपुर तट से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल के भूमि-हमले संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।
- 290 कि.मी. की मारक क्षमता वाली इस मिसाइल को जमीन से और समुद्र आधारित प्लेटफॉर्म से भी दागा जा सकता है।

सम्बंधित जानकारी

ब्रह्मोस मिसाइल

- इसे भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है और यह भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं में सक्रिय है।
- हाल ही में, 290 किलोमीटर सीमा की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के भूमि-हमले संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है, जिसमें भारतीय प्रणोदन प्रणाली, एयरफ्रेम, बिजली की आपूर्ति और प्रमुख स्वदेशी घटक शामिल थे।
- इस मिसाइल को जमीन के साथ-साथ समुद्र आधारित प्लेटफॉर्म भी दागा जा सकता है।

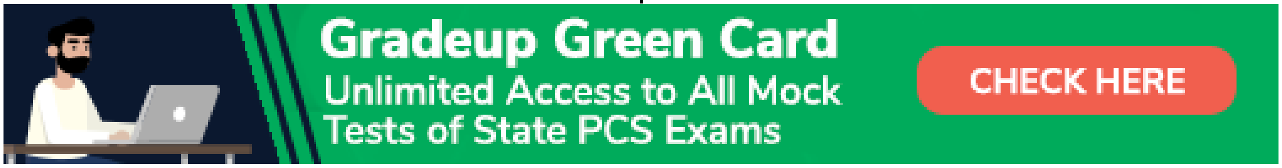

- इस मिसाइल का वर्धित स्वदेशी उपकरणों के साथ परीक्षण किया गया है और यह भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक संस्करण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>सालार दे उयूनी: दुनिया का सबसे बड़ा लीथियम भंडार है।</u>**

- दक्षिण अमेरिका के सबसे गरीब देशों में शामिल बोलीविया, विश्व के सबसे बड़े लीथियम भंडारों में से एक है, सालार डी उयूनी के नीच स्थित है।
- दुनिया का सबसे बड़ा नमक फ्लैट, सालार डी उयूनी है, यह दुनिया की सबसे बडे लीथियम भंडारों में से एक है, कुल वैश्विक भंडार का लगभग 17 प्रतिशत है।
- बोलीविया के लीथियम भंडार में पड़ोसी चिली के मुकाबले चार गुना अधिक मैग्नीशियम होता है।

संबंधित जानकारी

लीथियम

- यह एक नरम, चांदीनुमा-सफेद क्षार धातु है। मानक परिस्थितियों में, यह सबसे हल्की धातु और सबसे हल्का ठोस तत्व है।
- सभी क्षार धातुओं के समान लीथियम अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और ज्वलनशील है और इसे खनिज तेल में संग्रहित किया जाना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>भारत समेत 20 देशों ने ऑनलाइन माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- हाल ही में फ्रांस, ब्रिटेन और भारत सहित 20 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में ऑनलाइन माध्यम से फर्जी समाचार के प्रसार को रोकने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- हस्ताक्षरकर्ता देशों ने, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और कनाडा भी शामिल थे, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आर.एस.एफ.) द्वारा शुरू किए गए एक समझौते के अंतर्गत इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट की गई, विविध और विश्वसनीय जानकारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।
- इस समझौते ने वर्तमान सूचना अराजकता से बचने के लिए विश्वसनीय सामग्री और बहुलवाद को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट प्रदाताओं की जिम्मेदारी को रेखांकित किया है।

संबंधित जानकारी

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स

- यह पेरिस में स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी, गैर-सरकारी संगठन है जो सूचना की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित मुद्दों पर राजनीतिक वकालत करता है।
- इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।

प्रकाशन

- रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स प्रेस विज्ञप्ति, तथ्य-खोज रिपोर्ट और आवधिक प्रकाशन जारी करता है।
- इसके प्रमुख प्रकाशन: वर्ल्ड प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, प्रेस स्वतंत्रता और प्रेस स्वतंत्रता बैरोमीटर हैं।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019

- वार्षिक रिपोर्ट, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स विश्लेषण में 180 देशों में भारत 140वें स्थान पर है, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत दो स्थान नीचे गिर गया है।
- विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019, में नार्वे शीर्ष स्थान पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

6. **<u>वैज्ञानिकों ने उत्तर प्रदेश में 'प्राचीन नदी' की खुदाई की है।</u>**

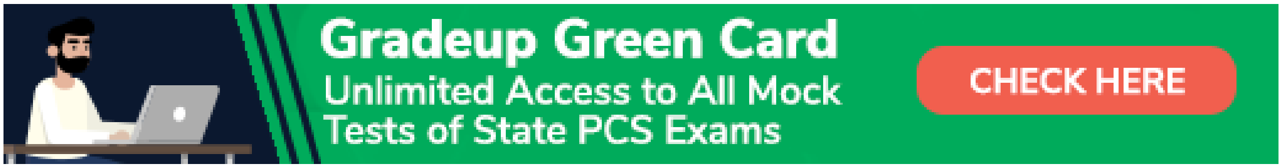

- केंद्रीय जल मंत्रालय ने गंगा और यमुना नदियों को जोड़ने वाले प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) में एक पुरानी, सूख चुकी नदी की खुदाई की है।
- मंत्रालय द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में वर्णित "प्राचीन दफन नदी", लगभग 4 कि.मी. चौड़ी, 45 कि.मी. लंबी है और यह मिट्टी की 15-मीटर मोटी परत के नीचे दबी हुई है।
- नई खोजी गई नदी एक दफन पेलियोचैनल है जो प्रयागराज में वर्तमान गंगा-यमुना संगम से लगभग 26 कि.मी. दक्षिण में दुर्गापुर गांव में यमुना नदी में मिलती है।
- पैलियोचैनल खोज की उत्पत्ति, सात सदस्यीय समिति की वर्ष 2016 की रिपोर्ट का अनुसरण करती है, जिसकी अध्यक्षता जल संसाधन मंत्रालय द्वारा संचालित जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र के प्रोफेसर के.एस. वाल्दिया ने की थी।
- इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि पेलियोचैनल के सबूतों ने सुझाव दिया है कि पौराणिक सरस्वती नदी वास्तव में मौजूद थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>केरल के मुख्यमंत्री ने महिला उद्यमियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम शुरू किया है।</u>**

- केरल के मुख्यमंत्री ने हडल केरल 2019 के दूसरे संस्करण में विंग-वुमेन राइज़ टुगेदर का केरल संस्करण लॉन्च किया है।
- यह देश में महिला उद्यमियों की क्षमता विकास के लिए उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) के स्टार्ट अप इंडिया द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य इनक्यूबेशन, निवेशकों और विभिन्न व्यावसायिक सहायता सेवाओं तक पहुँच प्रदान करके आकांक्षी और स्थापित महिला उद्यमियों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है।
- केरल स्टार्टअप मिशन (के.एस.यू.एम.) के साथ लेट्स वेंचर को सभी दक्षिणी राज्यों में इस कार्यक्रम के संचालन हेतु इन्वेस्ट इंडिया द्वारा जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संबंधित जानकारी

इन्वेस्ट इंडिया

- यह भारत की आधिकारिक संस्था है जो निवेश, संवर्धन और सुविधा हेतु समर्पित है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करती है।
- इसे औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघ और भारत की राज्य सरकारों के मध्य एक संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था।
- यह एक विदेशी निवेशक को क्षेत्र-विशिष्ट और राज्य-विशिष्ट जानकारी प्रदान करता है, विनियामक अनुमोदन में तेजी लाने में मदद करता है और हैंड होल्डिंग सेवाएं प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>आई.एम.डी.: भारत में यह 25 वर्षों में सबसे बरसाती मानसून रहा है।</u>**

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान होने वाली वर्षा को "सामान्य से ऊपर" कहा जाता है और यह 25 वर्षों का सबसे बरसाती मानसून रहा है।
- एजेंसी के अनुसार, इस वर्ष जून से सितंबर के दौरान भारत में हुई कुल वर्षा 968 मि.मी. दर्ज की गई है, जो कि दीर्घ अवधि के औसत (एल.पी.ए.) की कुल वर्षा का 110 प्रतिशत थी, जो पिछली बार वर्ष 1994 में हुई थी।

संबंधित जानकारी

मानसून की दीर्घ अवधि औसत

- मौसम के लिए एल.पी.ए. की गणना वर्ष 1951-2010 तक 50 साल की अवधि में चार महीने

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

के मानसून के मौसम के दौरान हुई बारिश के आधार पर की जाती है।

- यह समग्र रूप से देश के लिए औसतन 89 से.मी. काम करता है।
- यह जून से सितंबर के महीनों के दौरान दर्ज औसत वर्षा होती है, जिसकी गणना 50-वर्ष की अवधि के दौरान की जाती है।
- प्रत्येक वर्ष मानसून के मौसम के लिए मात्रात्मक वर्षा की भविष्यवाणी करते हुए इसे एक मानदंड के रूप में रखा जाता है।
- जब आई.एम.डी. वर्षा की श्रेणी का अनुमान लगाता है तो यह देश, क्षेत्र या महीने के लिए हो सकती है, पूर्वानुमान 50 साल की अवधि के लिए इन मानकीकृत आंकड़ों पर आधारित होता है।

पांच वर्षा वितरण श्रेणियां

- सामान्य या निकट सामान्य: जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत एल.पी.ए. का +/-10% रहता है अर्थात एल.पी.ए. के 96-104% के बीच वर्षा होती है।
- सामान्य से नीचे: जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत एल.पी.ए. के 10% से कम रहता है तो यह एल.पी.ए. की 90-96% वर्षा होती है।
- सामान्य से ऊपर: जब वास्तविक वर्षा एल.पी.ए. की 104-110% होती है।
- कमी: जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत एल.पी.ए. के 90% से कम होता है।
- अधिकता: जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत एल.पी.ए. के 110% से अधिक होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

03.10.2019

1. **<u>स्टेशनों की स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट</u>**

- रेल मंत्री ने 'स्टेशनों की स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट' जारी की है, जिसमें गैर-उपनगरीय और उपनगरीय स्टेशन 2019 का स्वच्छता मूल्यांकन शामिल है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- शीर्ष तीन सबसे स्वच्छ रेलवे स्टेशन, पश्चिमी राज्य राजस्थान के हैं जिसमें जयपुर पहले स्थान पर, जोधपुर दूसरे स्थान पर और दुर्गपुरा तीसरे स्थान पर है।
- उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे शीर्ष तीन रेलवे जोन हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- राज्य सभा टी.वी.

2. **<u>दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सी.40 शिखर सम्मेलन में स्वच्छ वायु घोषणा का समर्थन किया है।</u>**

- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कोपेनहेगन में सी.40 शिखर सम्मेलन के दौरान "स्वच्छ वायु शहरों की घोषणा" लांच करने वाले विश्व के 20 नेताओं में से एक होंगे।
- स्वच्छ वायु शहरों की घोषणा, वायु को स्वच्छ करने की दिशा में छोटी और दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं का एक समूह है।

संबंधित जानकारी

सी.40 शहर जलवायु नेतृत्वकर्ता समूह

- सी.40 शहर जलवायु नेतृत्वकर्ता समूह (सी40), पूरे विश्व के 94 शहरों का एक समूह है जो दुनिया की आबादी के बारहवें हिस्से और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह शहरी नागरिकों के स्वास्थ्य, कल्याण और आर्थिक अवसरों को बढ़ाकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जलवायु जोखिम को कम करने वाली शहरी कार्रवाईयों का संचालन करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने पर केंद्रित है।
- इसकी स्थापना अक्टूबर, 2005 में लंदन में हुई थी।

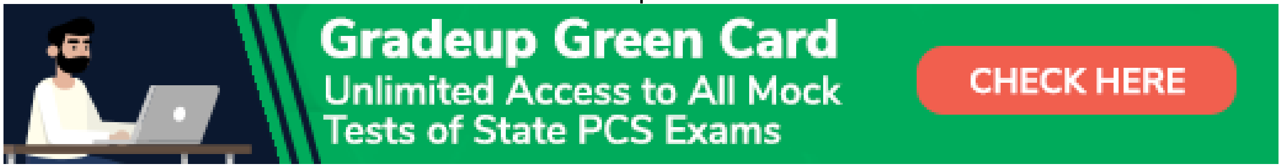

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **राष्ट्रीय मानसून मिशन**

- हाल ही में, भारतीय मौसम विभाग द्वारा राष्ट्रीय मानसून मिशन के अंतर्गत तैनात किया गया युग्मित पूर्वानुमान मॉडल, अगस्त-सितंबर 2019 के दौरान प्राप्त अतिरिक्त वर्षा का अनुमान लगाने में विफल रहा है।
- इस वर्ष, भारत में सामान्य से 10% अधिक मानसून वर्षा (या 887 मि.मी. के लंबी अवधि के औसत एल.पी.ए. की 110%) हुई है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय मानसून मिशन (एन.एम.एम.)

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विभिन्न कालक्रमों पर मानसूनी वर्षा के लिए अत्याधुनिक गतिशील पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने की दृष्टि से वर्ष 2012 में एन.एम.एम. का शुभारंभ किया था।
- इस मिशन के निष्पादन और समन्वय की जिम्मेदारी पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान की है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका की जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली को उपर्युक्त उद्देश्य के लिए मूल मॉडलिंग प्रणाली के रूप में पहचाना गया है क्यों कि यह वर्तमान में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ युग्मित मॉडलों में से एक है।
- अत्याधुनिक युग्मित महासागर-वायुमंडलीय मॉडल बनाने के उद्देश्य निम्न हैं-
- विस्तारित श्रेणी से मौसमी कालक्रम पर मानसूनी वर्षा के पूर्वानुमान में सुधार करना (16 दिन से एक मौसम तक)
- निम्न से मध्यम श्रेणी के कालक्रम (15 दिनों तक) पर तापमान, वर्षा और चरम मौसमी घटनाओं के पूर्वानुमान में सुधार करना

युग्मित पूर्वानुमान मॉडल

- "जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली" (सी.एफ.एस.) नामक अमेरिकी मॉडल को अमेरिका स्थित राष्ट्रीय पर्यावरण पूर्वानुमान केंद्र (एन.सी.ई.पी.) द्वारा विकसित किया गया है।
- अमेरिका के एन.सी.ई.पी. की जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (सी.एफ.एस.) को मूल मॉडलिंग प्रणाली के रूप में पहचाना गया है जो लंबी श्रेणी के पूर्वानुमान (भारतीय मानसून की मौसमी भविष्यवाणी) प्रदान करने के लिए समुद्र, वायुमंडल और भूमि से डेटा को एकत्र करने में मदद करती है।
- यह वर्तमान में उपलब्ध युग्मित मॉडलों में से सर्वश्रेष्ठ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **ग्रामीण भारत ने स्वयं को खुले में शौच मुक्त घोषित किया है।**

- हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि ग्रामीण भारत और उनके गांवों ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर स्वयं को खुले में शौच मुक्त घोषित किया है।
- यह स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के अंतर्गत किया गया था।
- उन्होंने वर्ष 2022 तक एकल-उपयोग प्लास्टिक को समाप्त करने के उद्देश्य के साथ एक दूसरे अभियान की भी घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

स्वच्छ भारत मिशन

- यह मिशन 2 अक्टूबर, 2014 को लॉन्च किया गया था, जिसमें दो उप-मिशन शामिल हैं-
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (एस.बी.एम.-जी.): जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाएगा
- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी): जिसे शहरी क्षेत्रों में लागू किया जाएगा

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

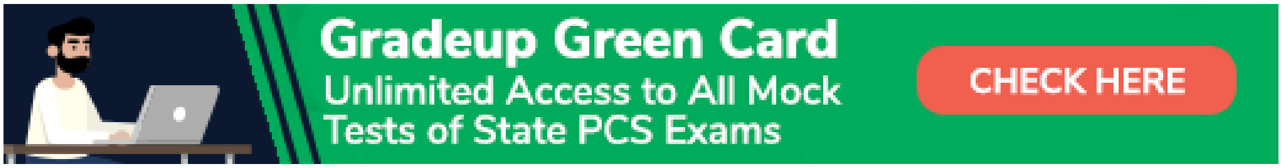

- यह स्वच्छता तक पहुंच में सुधार करने के माध्यम से वर्ष 2019 तक ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच को समाप्त करना चाहता है।
- यह समुदायों को स्थायी स्वच्छता प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित और स्वच्छता के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता पैदा करने का भी प्रयास करता है।
- यह मिशन 2 अक्टूबर, 2014 को सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने, स्वच्छता में सुधार करने और 2 अक्टूबर, 2019 तक देश में खुले में शौच को समाप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- एस.बी.एम.-जी. के अंतर्गत, एक गांव ओ.डी.एफ. तब होता है जब:
- गाँव में किसी स्थान पर किसी प्रकार मल न दिखाई दे।
- प्रत्येक घर के साथ ही सार्वजनिक/ सामुदायिक संस्थानों में मल-निस्तारण के लिए सुरक्षित प्रौद्योगिकी विकल्पों का उपयोग किया जाना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>बाथुकम्मा महोत्सव</u>**

- हाल ही में, तेलंगाना में नौ दिवसीय पुष्प महोत्सव 'बथुकम्मा' शुरू हुआ है।

संबंधित जानकारी

महोत्सव के संदर्भ में जानकारी

- यह तेलंगाना का राज्य त्योहार है जो शरथ रूथू की शुरुआत का प्रतीक है।
- प्रत्येक परिवार के स्वास्थ्य और उपलब्धियों के लिए देवी की प्रार्थना करने हेतु यह महोत्सव मनाया जाता है।
- महोत्सव के दौरान, फूलों को एक बड़े प्लाट में शंक्वाकार आकृति में सात परतों में व्यवस्थित और सजाया जाता है और इस व्यवस्थापन को बाथुकम्मा कहते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>मो सरकार पहल शुरू की गई है।</u>**

- ओडिशा के मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती के अवसर पर एक नई शासन पहल 'मो सरकार' शुरू की है।
- 'मो सरकार' कार्यक्रम का उद्देश्य, विभिन्न उद्देश्यों के लिए सरकारी कार्यालयों में आने वाले लोगों को सम्मान के साथ सेवा प्रदान करना है।
- यह देश में इस प्रकार का पहला कार्यक्रम है।
- सरकारी अधिकारियों के व्यवहार और व्यावसायिकता पर प्रतिक्रिया प्राप्त करके शासन प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से सरकारी कार्यालयों में आने वाले लोगों के फोन नंबर यादृच्छिक रूप से एकत्र किए जाएंगे।
- कर्मचारियों को फीडबैक के आधार पर अच्छे या बुरे के रूप में रैंक किया जाएगा और अच्छी रैंक वाले लोगों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन मिलेगा और खराब रैंक वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- एच.टी.

7. **<u>सी.बी.डी.टी. ने प्रलेखन पहचान संख्या लॉन्च की है।</u>**

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.डी.टी.) की प्रलेखन पहचान संख्या (डी.आई.एन.) प्रणाली, पहले दिन डी.आई.एन. के साथ लगभग 17,500 संचारों के उत्पादन के साथ अस्तित्व में आई है।

संबंधित जानकारी

प्रलेखन पहचान संख्या

- डी.आई.एन. प्रणाली, आयकर (आई.टी.) विभाग से संबंधित सभी प्रकार के संचारों पर लागू होगी, फिर चाहे वह अन्य चीजों के मध्य जांच,

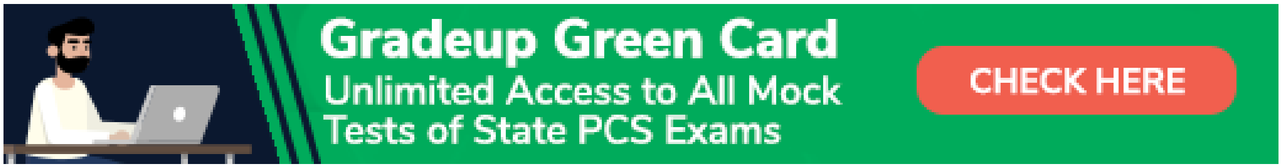

मूल्यांकन, सुधार, अपील और दंड से संबंधित क्यों न हो।

- अब से सी.बी.डी.टी. के साथ प्रत्येक संचार- यह एक नोटिस, पत्र, आदेश और समन या कोई अन्य पत्राचार हो- के पास एक डी.आई.एन. होना चाहिए, इसे केवल तब छूट मिल सकती है यदि यह निर्दिष्ट असाधारण परिस्थितियों में शामिल है।
- असाधारण परिस्थितियों में मैन्युअल रूप से जारी किए गए किसी भी संचार को जारी करने के 15 दिनों के भीतर सिस्टम पोर्टल पर अपलोड और विनियमित करना होगा।

लाभ

- यह प्रणाली कर प्रशासन में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।
- यह विकास, करदाताओं की नकली नोटिस और पत्रों का पता लगाने में भी मदद करेगा क्यों कि नोटिस, विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर सत्यापन योग्य होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>सशस्त्र बल न्यायाधिकरण</u>**

- केंद्र ने कहा है कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजेंद्र मेनन को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करने का इच्छुक था।

संबंधित जानकारी

न्यायाधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम, 2007 के अंतर्गत स्थापित भारत में सैन्य न्यायाधिकरण है, जो तीनों सशस्त्र सेनाओं के कर्मियों के लिए प्रभावी निवारण तंत्र प्रदान करता है।
- इसे सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम, 2007 के अंतर्गत वर्ष 2009 में एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।
- ए.एफ.टी. की प्रमुख पीठ नई दिल्ली में स्थित है जिसमें (अक्टूबर, 2019) 11 क्षेत्रीय पीठ मौजूद हैं।
- इसका उद्देश्य निम्न के अधीन व्यक्तियों के विषय में नियुक्तियों और सेवा की शर्तों पर शिकायतों को स्थगित करना है:
- सेना अधिनियम, 1950
- नौसेना अधिनियम, 1957
- वायु सेना अधिनियम, 1950
- यह उपर्युक्त अधिनियमों के अंतर्गत आयोजित कोर्ट-मार्शल के आदेशों के खिलाफ भविष्य में अपील करने का अधिकार प्रदान करता है।

संरचना

- सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की संरचना में न्यायिक सदस्य होते हैं जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं।
- प्रशासनिक सदस्य, सशस्त्र बलों के वे सेवानिवृत्त सदस्य होते हैं जो तीन वर्ष या उससे अधिक की अवधि के लिए मेजर जनरल/ समकक्ष या उससे ऊपर की रैंक पर सेवारत रहे हैं।

नोट:

- असम राइफल्स और तटरक्षक बल सहित अर्धसैनिक बल, न्यायाधिकरण के दायरे से बाहर होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

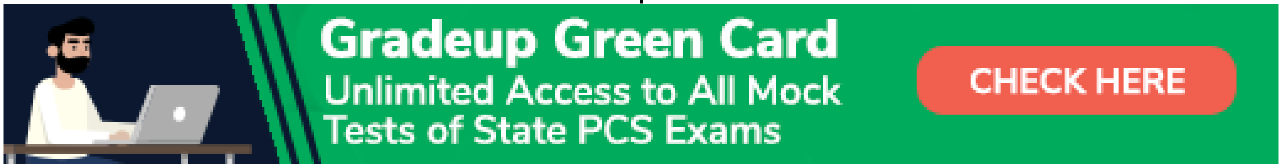

04.10.2019

1. **<u>राजस्थान, डी.एम.एफ. मनी के साथ न्यूमोकोनियोसिस कोष का निर्माण करेगा।</u>**

- राजस्थान ने न्यूमोकोनियोसिस कोष के निर्माण की घोषणा की है, जिसे जिला खनिज फाउंडेशन (डी.एम.एफ.) द्वारा प्रमुखता से वित्तपोषित किया जाएगा।
- इस कोष का उपयोग बीमारी पर एक व्यापक नीति के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।
- न्यूमोकोनियोसिस, एक फेफड़े की बीमारी है, जो अधिकतर खनन और निर्माण क्षेत्रों में काम करने वाले और मिट्टी, सिलिका, कोयले की धूल और अभ्रक के संपर्क में रहने वाले श्रमिकों को प्रभावित करती है। इस बीमार में एस्बेस्टोसिस, सिलिकोसिस और कोयला श्रमिकों के न्यूमोकोनियोसिस शामिल हैं।
- राजस्थान, भारत के प्रमुख खनन राज्यों में से एक है, जहां 33,000 से अधिक खदान के पट्टे हैं, जो देश में सबसे अधिक है। इनमें से अधिकांश बलुआ पत्थर की खदानें और स्रोत हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>प्रकाश पोर्टल</u>**

- PRAKASH (आपूर्ति सामंजस्य के माध्यम से पॉवर रेल कोयला उपलब्धता) पोर्टल को केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री और कोयला एवं खनन मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया है।
- इस पोर्टल का उद्देश्य सभी हितधारकों अर्थात विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया, रेलवे और बिजली उपयोगिताओं के बीच कोयला आपूर्ति हेतु बेहतर समन्वय लाना है।
- यह ऊष्मीय ऊर्जा संयत्रों में कोयले की पर्याप्त उपलब्धता और इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने में मदद करेगा।
- यह पोर्टल बिजली संयंत्रों के लिए पूर्णतय: कोयला आपूर्ति श्रृंखला के मानचित्रण और निगरानी में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है-
- आपूर्ति के अंत में कोयला स्टॉक (खानों)
- कोयले की मात्रा/ योजनाबद्ध रेक
- पारगमन में कोयले की मात्रा और
- बिजली उत्पादन स्टेशनों पर कोयले की उपलब्धता
- प्रकाश पोर्टल को एन.टी.पी.सी. और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.), रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) और कोयला कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों के स्रोतों के डेटा द्वारा विकसित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>भारत-मालदीव संयुक्त युद्धाभ्यास "एकुवेरिन-19"</u>**

- भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा बल के मध्य संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास एकुवेरिन के दसवें संस्करण का आयोजन महाराष्ट्र के पुणे में औंध सैन्य स्टेशन में किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा बल वर्ष 2009 के बाद से धिवेही भाषा में एकुवेरिन नाम युद्धाभ्यास का आयोजन कर रहे हैं, जिसका अर्थ मित्र होता है।
- यह एकांतर रूप से भारत और मालदीव में आयोजित किया जाता है और यह युद्धाभ्यास संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के अंतर्गत एक अर्ध-शहरी वातावरण में आतंकवाद विरोधी और आतंकवाद-रोधी अभियानों को अंजाम देने के लिए दोनों सेनाओं के मध्य अंतरकार्यकारिता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

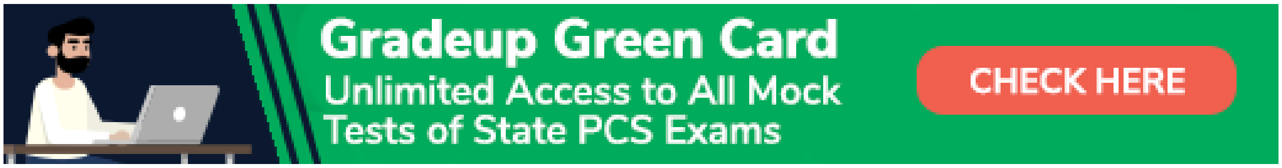

4. **<u>उपभोक्ता ऐप</u>**

- उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री ने 'उपभोक्ता ऐप' लॉन्च किया है, जो पूरे राष्ट्र में प्रत्येक उपभोक्ता की हथेली पर उपभोक्ता शिकायत निवारण हेतु वन-स्टॉप समाधान है।
- इस एप्लीकेशन का उद्देश्य मोबाइल फोन के माध्यम से पूरे राष्ट्र में प्रत्येक उपभोक्ता की हथेली पर उपभोक्ता शिकायत निवारण हेतु वन-स्टॉप समाधान प्रदान करना है।
- पंजीकृत उपभोक्ताओं को उनकी शिकायत के संदर्भ में एस.एम.एस./ ई-मेल के माध्यम से एक यूनिक नंबर के साथ सूचित किया जाएगा जिसे उपभोक्ता द्वारा ट्रैक किया जा सकता है।
- यहां पर सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाएगा और जो शिकायतें सरल प्रकृति की होंगी उनका 20 दिनों के भीतर समाधान किया जाएगा।
- जटिल प्रकार की शिकायतों को 60 दिनों के भीतर समाधान किया जाएगा।
- यदि 60 दिनों के बाद शिकायत का समाधान नहीं किया जाता है तो उपभोक्ता को उपभोक्ता फोरम जाने की सलाह दी जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>नोमैडिक एलीफैंट 2019</u>**

- हिमाचल प्रदेश के बकलोह में भारत और मंगोलियाई संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण युद्धाभ्यास के 14वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है।
- नोमैडिक एलीफैंट-XIV का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के अंतर्गत आतंकवाद विरोधी और आतंकवाद-रोधी अभियानों में सैनिकों को प्रशिक्षित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>आंध्र प्रदेश में ग्राम सचिवालय प्रणाली</u>**

- हाल ही में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर काकीनाडा के निकट करापा गांव में ग्राम सचिवालय प्रणाली का अनावरण किया है।
- नई प्रणाली के अंतर्गत, प्रत्येक 2,000 की आबादी के लिए एक ग्राम सचिवालय की स्थापना की गई है, जिसमें से प्रत्येक में पुलिस, राजस्व आदि जैसे विभिन्न विभागों के एक दर्जन से अधिक गाँव के अधिकारी शामिल हैं।
- इसके पीछे का विचार, यह सुनिश्चित करना है कि इनकी सेवाएं लोगों तक पहुंचे और इसके अतिरिक्त मौजूदा पंचायती राज प्रणाली को मजबूत करना भी है।
- ये संस्थाएं लोगो को उनके दरवाजे पर 500 से अधिक प्रकार की सेवाएं प्रदान करके सरकार और लोगो के मध्य एक सेतु का काम करेंगी।

संबंधित जानकारी

अम्मा वोदी योजना

- यह योजना जून, 2019 में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई थी, जिसे पढ़ाई के मध्य में स्कूल छोड़ने की दर की जांच करने और राज्य द्वारा संचालित स्कूलों में प्रवेश को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- अम्मा वोदी योजना में यह प्रावधान किया गया है कि यदि माताएं अपने बच्चों को स्कूल या कॉलेज में भेजती है तो उन्हें सालाना 15000 रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।
- यह धनराशि सरकार द्वारा पात्र माताओं को प्रदान की जाएगी।
- इसके पहले, अम्मा वोदी योजना में हाईस्कूल तक की शिक्षा तक छात्रों का समर्थन किया जाता था और अब इसका इंटरमीडिएट तक विस्तार कर दिया जाएगा।
- इसमें उन सभी छात्रों को शामिल किया गया है जो सरकारी, सामाजिक कल्याण आवासीय और

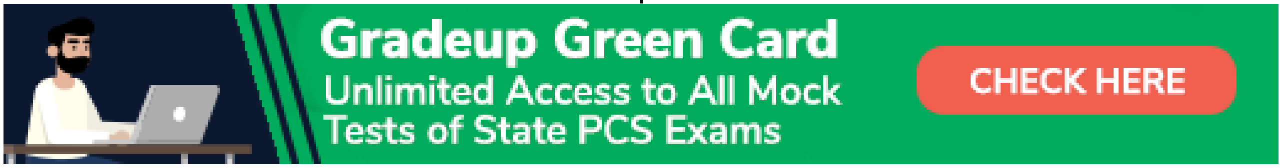

निजी कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, जिसका उद्देश्य राज्य की निरक्षरता दर को कम करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>एलीफेंट एंडोथेलियोट्रॉपिक हर्पेसवायरस</u>**

- हाल ही में, भुवनेश्वर के नंदन कानन चिड़ियाघर में 6 और 10 वर्ष की मध्य के उम्र के चार बछड़ों की मौत हुई है, इसके बाद ई.ई.एच.वी. के कारण इस सप्ताह चंदाका वन में पांचवें हाथी की मौत हो गई है।
- एलीफेंट एंडोथेलियोट्रॉपिक हर्पेसवायरस, एक से बारह वर्ष के आयु वर्ग के युवा हाथियों के लिए घातक है।
- यदि प्रजनन करने से पहले एक युवा हाथी की मृत्यु हो जाती है तो यह संबंधित भूगोल में समग्र रूप से प्रजातियों की आबादी को प्रभावित करता है।

संबंधित जानकारी

एलीफेंट एंडोथेलियोट्रॉपिक हर्पेसवायरस

- यह एक प्रकार का दाद विषाणु है जो युवा एशियाई हाथियों में अत्यधिक घातक रक्तस्रावी बीमारी का कारण बन सकता है।
- जब ई.ई.एच.वी. हो जाता है तो हाथी बड़े पैमाने पर आंतरिक रक्तस्राव से और ऐसे लक्षणों से मर जाता है जो बहुत की कम स्थितियों में दिखाई देते हैं।
- यह बीमारी सामान्यत: घातक होती है, जिसमें 28-35 घंटे का कम समयांतराल होता है।
- जानवरों या मनुष्यों में हर्पेसवायरस के लिए कोई सही इलाज नहीं है क्यों कि हर्पीस वायरस छिप जाते हैं।

नोट:

- हर्पेसवायरस, डी.एन.ए. विषाणु का एक बड़ा परिवार है जो मनुष्यों सहित जानवरों में संक्रमण और कुछ बीमारियों का कारण बनता है।
- इस परिवार के सदस्यों को हर्पेसविरस के रूप में भी जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>मनुष्य, ज्वालामुखियों से अधिक प्रदूषण फैलाते हैं: अध्ययन</u>**

- डीप कार्बन वेधशाला द्वारा किए गए दशकों के अध्ययन के अनुसार, मानव गतिविधियां पृथ्वी पर उपस्थित सभी ज्वालामुखियों की तुलना में प्रत्येक वर्ष 100 गुना अधिक ग्रह-वार्मिंग कार्बन का मंथन करती है।

संबंधित जानकारी

- डीप कार्बन वेधशाला, वैज्ञानिकों की एक 500-मजबूत अंतर्राष्ट्रीय टीम है, जो इस पर पेपरों की श्रृंखला जारी करती है कि प्राकृतिक और मानवजनित प्रक्रियाओं द्वारा किस प्रकार कार्बन को संग्रहीत, उत्सर्जित और पुन: अवशोषित किया जा सकता है।
- उन्होंने पाया है कि मानव निर्मित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में ज्वालामुखियों के योगदान में भारी वृद्धि हुई है- जो गैस से बाहर निकलते हैं और उन्हें वर्तमान वार्मिंग दरों के लिए एक प्रमुख जलवायु परिवर्तन योगदानकर्ता के रूप में माना जाता है।
- वर्ष 2018 में केवल मानव निर्मित उत्सर्जन ने 37 गीगाटन के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया था।
- तुलनात्मक रूप से, ज्वालामुखियों द्वारा प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली CO2 लगभग 0.3 और 0.4 गीगाटन तक पहुँचता है जो मानव निर्मित उत्सर्जन से लगभग 100 गुना कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

9. **<u>परिचय (पहचान): एक कानूनी सहायता क्लीनिक</u>**

- हाल ही में, देश के पांच लॉ स्कूलों ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एन.आर.सी.) से बाहर निकाले गए लोगों की विदेशी न्यायाधिकरण (एफ.टी.) के समक्ष अपील करने में मदद करने हेतु संयुक्त

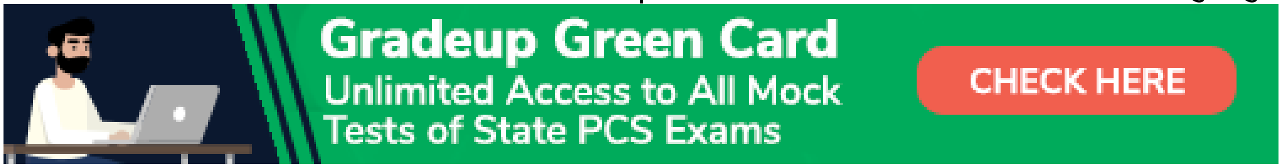

रूप से परिचय (पहचान) नामक एक कानूनी सहायता क्लीनिक शुरू किया है।

- ये लॉ स्कूल असम का राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय और न्यायायिक अकादमी, पश्चिम बंगाल का राष्ट्रीय न्यायायिक विज्ञान विश्वविद्यालय, हैदराबाद की राष्ट्रीय कानूनी अध्ययन एवं अनुसंधान अकादमी, दिल्ली का राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय और ओडिशा का राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय हैं।
- परिचय का मुख्यालय असम के गुवाहाटी में स्थित है।
- परिचय अपील का मसौदा तैयार करने में वकीलों की सहायता करेगा, कानून के प्रासंगिक सवालों पर शोध करने, वकीलों और पैरालीगलों को प्रशिक्षित करने और एफ.टी. के कामकाज पर प्रलेखन उत्पन्न करने में मदद करेगा।
- समुदायों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए परिचय, नागरिक समाज के साथ भी सहयोग करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. **<u>स्वचालित रियल टाइम प्रदर्शन स्मार्ट-बोर्ड</u>**

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एम.ई.आई.टी.वाई.) ने एक स्वचालित रीयल-टाइम प्रदर्शन स्मार्ट-बोर्ड का उद्घाटन किया है जिसे एम.ई.आई.टी.वाई. द्वारा विकसित किया गया है।
- यह नागरिकों के लाभ के लिए विभिन्न स्तरों पर संचालित विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों/ योजनाओं के परिणाम और प्रभावों की प्रभावी निगरानी और माप करने में मदद करता है।
- यह प्रदर्शन स्मार्ट-बोर्ड केंद्र, राज्य या जिला विशिष्ट परियोजनाओं के लिए एक सिंगल विंडो एक्सेस है, जिसे एम.ई.आई.टी.वाई. द्वारा लागू किया गया है।
- यह एम.ई.आई.टी.वाई. की महत्वपूर्ण और उच्च प्राथमिकता कार्यक्रमों/ योजनाओं के लिए रियल टाइम, गतिशील विश्लेषणात्मक परियोजना निगरानी प्रदान करेगा।
- यह पारदर्शिता को भी बढ़ावा देगा और काम करने में सुगमता को बढ़ाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

07.10.2019

1. **<u>मध्यप्रदेश अपना सातवां टाइगर रिजर्व प्राप्त करने के लिए तैयार है।</u>**

- मध्य प्रदेश, अपना सातवां टाइगर रिजर्व प्राप्त करने के लिए तैयार है, जिसका निर्माण रातापानी वन्यजीव अभयारण्य से किया जाना प्रस्तावित किया गया है, यह रातापानी टाइगर रिजर्व के रूप में जाना जाएगा।
- रातापानी वन्यजीव अभयारण्य, मध्य प्रदेश के रायसेन और सिहोर जिलों के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- मध्य प्रदेश में अन्य छह टाइगर रिजर्व निम्न हैं:
- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, संजय दुबरी टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व, बोरी-सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व हैं।
- मध्य प्रदेश को भारतीय बाघ राज्य के रूप में भी जाना जाता है।

संबंधित जानकारी

टाइगर रिजर्व के संदर्भ में जानकारी

- टाइगर रिज़र्व, वे संरक्षित क्षेत्र हैं जिनका उद्देश्य बाघों के निवास स्थान में शिकार के आधार के साथ ही बाघों की एक व्यवहार्य आबादी सुनिश्चित करने हेतु निवास स्थानों का संरक्षण करना है।

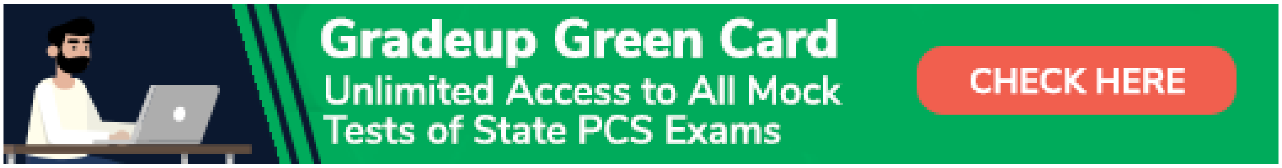

- इन्हें वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत स्थापित किया गया था।
- प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत स्थापित किया जाने वाला पहला टाइगर रिजर्व, उत्तराखंड में स्थित जिम कॉर्बेट है।
- वर्ष 2005 में स्थापित राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, भारत में प्रोजेक्ट टाइगर और टाइगर रिज़र्व के प्रबंधन की देखरेख करता है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एन.टी.सी.ए.)

- यह केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है।
- इसे वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 द्वारा संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था, जिसने वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में संशोधन किया था।
- यह टाइगर रिजर्वों के संरक्षण हेतु एक संवैधानिक आधार प्रदान करके बाघों के संरक्षण के लिए प्रशासनिक के साथ ही पारिस्थितिक चिंताओं को भी संबोधित करता है।

नोट:

- अखिल भारतीय बाघ अनुमान रिपोर्ट 2018 के अनुसार, मध्य प्रदेश में सबसे अधिक बाघ हैं, उसके बाद कर्नाटक और उत्तराखंड में सबसे अधिक बाघ हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>इक्वाडोर, बड़े निर्यात राजस्व की तलाश में वर्ष 2020 में ओपेक छोड़ देगा।</u>**

- इक्वाडोर, पेट्रोलियम निर्यातक देश संगठन के सबसे छोटे सदस्यों में से एक है, इसने कहा है कि वह ओपेक को राजकोषीय समस्याओं के कारण छोड़ देगा।

संबंधित जानकारी

पेट्रोलियम निर्यातक देश संगठन के संदर्भ में जानकारी (ओपेक)

- यह एक स्थायी, अंतर सरकारी संगठन है।
- इसका गठन वर्ष 1960 में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा बगदाद सम्मेलन में किया गया था।
- इसका मुख्यालय ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित है।
- इसका उद्देश्य विश्व बाजार में तेल की कीमतों को निर्धारित करने के प्रयासों और उतार-चढ़ाव से बचने के प्रयास में तेल की आपूर्ति का प्रबंधन करना है जो उत्पादक और खरीददार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकता है।
- इसकी विधियों के अनुसार, ओपेक की सदस्यता किसी भी देश के लिए खुली है जो तेल का पर्याप्त निर्यातक है और संगठन के आदर्शों को साझा करता है।
- पांच संस्थापक सदस्यों के बाद ओपेक ने वर्ष 2019 तक 11 अतिरिक्त सदस्य देशों को जोड़ा है।
- शामिल होने के क्रम में ये देश: कतर (1961), इंडोनेशिया (1962), लीबिया (1962), संयुक्त अरब अमीरात (1967), अल्जीरिया (1969), नाइजीरिया (1971), इक्वाडोर (1973), गैबॉन (1975), अंगोला (2007), भूमध्य गिनी (2017) और कांगो (2018) हैं।
- हालांकि, कतर ने 1 जनवरी, 2019 को अपनी सदस्यता समाप्त कर दी थी और इंडोनेशिया ने 30 नवंबर, 2016 को अपनी सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था, अत: वर्ष 2019 तक इस संगठन में 14 राष्ट्र शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>मंत्रिमंडल ने नई रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- मंत्रिमंडल ने चुनिंदा सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण में तेजी लाने के दृष्टिकोण से रणनीतिक विनिवेश की एक नई प्रक्रिया को मंजूरी प्रदान की है।
- नए परिवर्तन निम्न हैं:

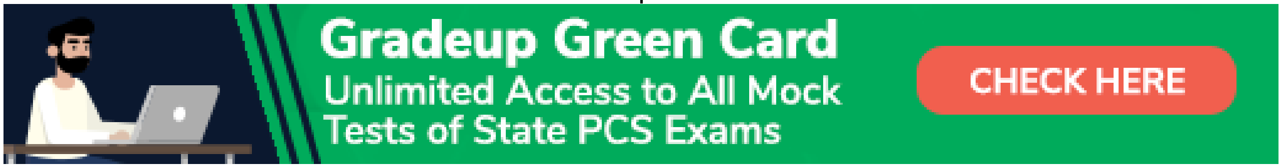

- नई नीति के अंतर्गत, वित्त मंत्रालय के अंतर्गत निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डी.आई.पी.ए.एम.) को रणनीतिक विनिवेश बिक्री के लिए नोडल विभाग बनाया गया है।
- वर्तमान में, रणनीतिक बिक्री के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की पहचान नीति आयोग द्वारा की जाती है लेकिन नई नीति के अनुसार डी.आई.पी.ए.एम. और नीति आयोग अब संयुक्त रूप से रणनीतिक विनिवेश के लिए पी.एस.यू. की पहचान करेंगे।
- डी.आई.पी.ए.एम. सचिव, अब संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों के सचिव के साथ विनिवेश पर अंतर-मंत्रालयी समूह की सह-अध्यक्षता करेंगे।

संबंधित जानकारी

विनिवेश के संदर्भ में जानकारी

- इसे एक संगठन या सरकार की संपत्ति या सब्सिडियरी को बेचने या परिसमापन करने की कार्रवाई के रूप में परिभाषित किया गया है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यू.) के संदर्भ में विनिवेश का अर्थ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकारी बिक्री/ अपनी हिस्सेदारी (शेयर) को कम करना है, जिसमें इसकी अधिक हिस्सेदारी है।
- विनिवेश को एक बजटीय अभ्यास के रूप में किया जाता है जिसके अंतर्गत सरकार चयनित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश हेतु वार्षिक लक्ष्यों की घोषणा करती है।
- सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 1.05 लाख करोड़ का विनिवेश लक्ष्य निर्धारित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- ई.टी.

4. **<u>पेड्डापल्ली, देश का सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ जिला है।</u>**

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के हिस्से के रूप में देश में आयोजित किए गए वार्षिक सर्वेक्षण के दौरान पेड्डापल्ली जिला देश में "समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ जिले" के रूप में उभरकर सामने आया है।
- पेड्डापल्ली जिला, भारतीय राज्य तेलंगाना के उत्तरी क्षेत्र में स्थित एक जिला है।

संबंधित जानकारी

- देश में 690 जिलों और 17,400 गांवों में किए गए सर्वेक्षण में पेड्डापल्ली जिला, समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ जिले के रूप में उभरकर सामने आया है।
- इससे पहले इस जिले ने स्वच्छ सुंदर शौचालय (साफ और स्वच्छ शौचालय) और 1.35 लाख व्यक्तिगत स्वच्छता शौचालयों के निर्माण और इसके उपयोग के साथ खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) जिले की श्रेणी में दो राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>ड्रोन द्वारा सुदूर क्षेत्रों में दवाओं की आपूर्ति करने का विचार, तेलंगाना का है।</u>**

- तेलंगाना सरकार ने राज्य भर के समुदायों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने हेतु प्रयास के रूप में रक्त और चिकित्सा नमूनों जैसे आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति के अंतिम-मील वितरण के लिए ड्रोन का उपयोग करने हेतु एक ढांचे को अपनाया है।
- इस ढांचे को विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.) और अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप हेल्थनेट ग्लोबल लिमिटेड द्वारा सह-डिज़ाइन किया गया है।
- यह परियोजना डब्ल्यू.ई.एफ. की "मेडिसिन फ्रॉम द स्काई" पहल का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए स्रोत सामग्री विकसित करना है जो ड्रोन डिलीवरी के साथ आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करने और अन्य प्रतिस्पर्धी डिलीवरी मॉडल के साथ इस मॉडल की तुलना करने के लिए है।

संबंधित जानकारी

ड्रोन के संदर्भ में जानकारी

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

- ड्रोन, एक विमान है जो बिना पायलट के संचालित होता है और इसे मानवरहित हवाई यान (यू.ए.वी.) के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- इसके तीन सबसेट: रिमोटली पॉयलट विमान (आर.पी.ए.), ऑटोनॉमस विमान और मॉडल विमान हैं।
- एक आर.पी.ए. को वजन के आधार पर पाँच प्रकारों: नैनो, माइक्रो, लघु, मध्यम और बड़े में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- आर.पी.ए., ऐसे विमान हैं जो दूरस्थ पायलट स्टेशनों से संचालित होते हैं।
- नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डी.जी.सी.ए.), नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में विनियामक निकाय के रूप में कार्य करता है, जो हवाई परिवहन को विनियमित करने और नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं, हवाई सुरक्षा और हवाई योग्यता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु जिम्मेदार है।

नोट:

- रवांडा में, बिना देरी के और निर्धारित अंतराल पर चिकित्सा आपूर्ति देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ड्रोन से संबंधित परीक्षण परियोजनाओं को लागू किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- एच.टी.

6. **<u>आर्कटिक जलवायु (मोजैक) मिशन का अध्ययन करने के लिए बहुआयामी ड्रिफ्टिंग वेधशाला</u>**

- हाल ही में, केरल के 32 वर्षीय ध्रुवीय शोधकर्ता, विष्णु नंदन आर्कटिक जलवायु अभियान के अध्ययन के लिए बहुआयामी ड्रिफ्टिंग वेधशाला में सवार दुनिया के 300 वैज्ञानिकों में से एकमात्र भारतीय होंगे।

संबंधित जानकारी

मोजैक मिशन के संदर्भ में जानकारी

- इस मिशन का उद्देश्य आर्कटिक पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करना और यह अध्ययन करना है कि यह दुनिया के बाकी हिस्सों को कैसे प्रभावित कर सकता है।
- यह इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आर्कटिक अभियान है, जो पूरे वर्ष के लिए उत्तरी ध्रुव पर इस पैमाने का अध्ययन करने हेतु इस प्रकार का पहला मिशन है।
- इस मिशन को राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन, ऊर्जा विभाग, राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन और नासा जैसे अमेरिकी संस्थानों से धन प्राप्त हुआ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>विश्व कवि सम्मेलन</u>**

- हाल ही में, भारत के उपराष्ट्रपति ने भुवनेश्वर में 39वें विश्व कवि सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया है।

संबंधित जानकारी

39वें विश्व कवि सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- विश्व कवि सम्मेलन की स्थापना वर्ष 1969 में अमादो एम.युजान, कृष्णा श्रीनिवास, लो लुटोर और टिन-वेन चुंग द्वारा की गई थी।
- यह पहली बार वर्ष 1969 में मनीला में आयोजित किया गया था।
- इस वर्ष की थीम "कविता के माध्यम से अनुकंपा" थी।
- यह अंग्रेजी, स्पेनिश और चीनी भाषाओं में आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>ई-अपशिष्ट क्लीनिक</u>**

- भोपाल नगर निगम और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भोपाल में देश का पहला ई-अपशिष्ट क्लीनिक स्थापित करने हेतु साझेदारी की है।

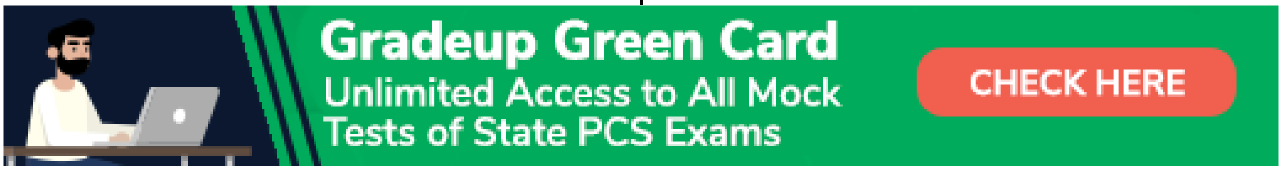

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।
- इस क्लीनिक की परिकल्पना ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुपालन में की जा रही है।
- इससे घरेलू और वाणिज्यिक दोनों इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट का पृथक्करण, प्रसंस्करण और निपटान हो सकेगा।

संबंधित जानकारी

ई-अपशिष्ट के संदर्भ में जानकारी

- इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट/ ई-अपशिष्ट के अंतर्गत इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बारे में बताया गया है।
- सामग्री बहाली या निपटान के माध्यम से प्रयोग की जा चुकी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री को नवीनीकरण, निरस्तीकरण, पुन: बिक्री, निस्तारण पुनर्चक्रीकरण हेतु नियुक्त किया गया है, उसे ई-कचरे के रूप में माना जाता है।
- विकासशील देशों में ई-अपशिष्ट के अनौपचारिक प्रसंस्करण से मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव और पर्यावरण प्रदूषण हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

09.10.2019

1. **राफेल लड़ाकू विमान**

- रक्षा मंत्री ने फ्रांस में भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) के लिए निर्मित आर.बी.-001 नामक पहला राफेल लड़ाकू विमान औपचारिक रूप से प्राप्त किया है, हालाँकि विमानों का पहला बैच भारत में मई, 2020 में ही आएगा।
- भारत ने सितंबर, 2016 में 59,000 करोड़ रुपये के सौदे में फ्रांस को 36 राफेल लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया था, जिनके सितंबर, 2022 तक भारत आने की उम्मीद है।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

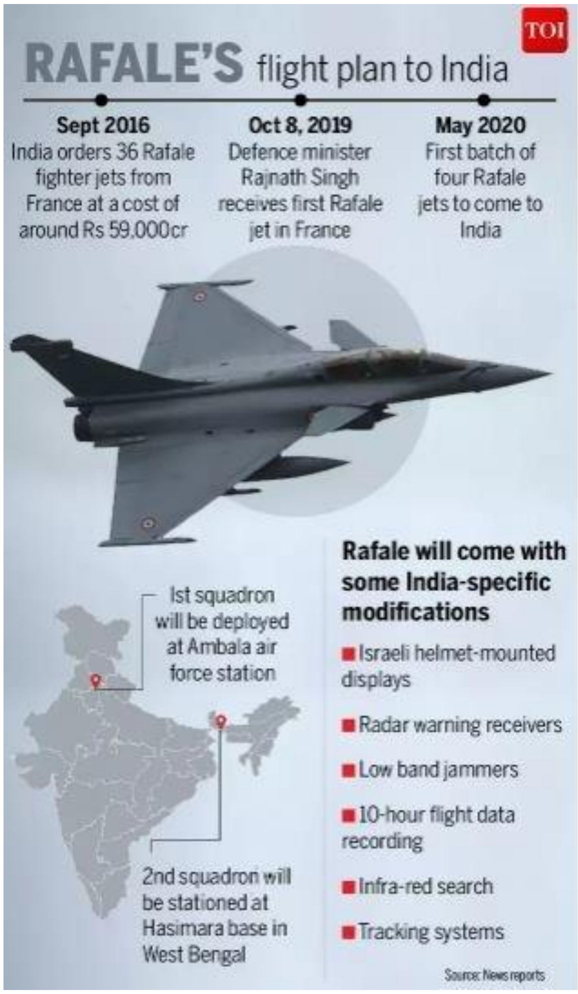

संबंधित जानकारी

डसॉल्ट राफेल लड़ाकू विमान

- यह एक फ्रांसीसी ट्विन-इंजन, कैनार्ड डेल्टा विंग, बहुभूमिका लड़ाकू विमान है जिसे डसॉल्ट एविएशन द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है।
- यह गहन हमलें, एंटी-शिप हमले और परमाणु निवारण मिशन करने का इरादा रखता है।
- राफेल का उपयोग अफगानिस्तान, लीबिया, माली, इराक और सीरिया पर युद्ध में किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>गंगा आमंत्रण अभियान</u>**

- जल शक्ति मंत्री ने एक महीने लंबा समन्वेषी ओपेन-वाटर राफ्टिंग एवं कायाकिंग अभियान, गंगा आमंत्रण अभियान लांच किया है, जो उत्तराखंड में देवप्रयाग से लेकर पश्चिम बंगाल में गंगासागर तक लगभग 2500 कि.मी. का क्षेत्र कवर करता है।

इसके संदर्भ में जानकारी

- यह राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा इस प्रकार का पहला प्रयास है कि पूरी नदी में रॉफ्ट किया जा सके।
- यह भारतीय सशस्त्र बलों की तीन सेनाओं से तैराकों और राफ्टरों की नौ-सदस्यीय टीम है, जिसकी अगुवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओपन-वाटर तैराक विंग कमांडर परमवीर सिंह करेंगे।
- यह नदी के कायाकल्प और जल संरक्षण के संदेश को व्यापक पैमाने पर फैलाने के लिए साहसिक खेल गतिविधि के माध्यम से किया गया अब तक का सबसे बड़ा सामाजिक अभियान है।
- यह पांच गंगा घाटी राज्यों को कवर करेगा, जिनके नाम उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल हैं जो ऋषिकेश, हरिद्वार, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी, पटना, सोनेपुर और कोलकाता में रूकते हैं।
- यह अभियान गंगा नदी द्वारा सामना की जा रही पारिस्थितिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करेगा।
- इस अभियान का नमामि गंगे के सभी हितधारकों के साथ-साथ गंगा किनारे स्थित निर्वाचन क्षेत्रों के सांसदों, गंगा प्रहरी, गंगा विचारमंच के सदस्यों और अन्य द्वारा समर्थन किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>ई-दंतसेवा</u>**

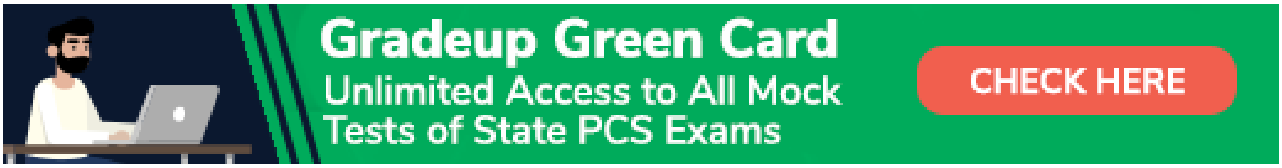

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने ई-दंतसेवा वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।
- यह मुख संबंधी स्वास्थ्य सूचना और ज्ञान प्रसार पर अब तक का पहला राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है।
- ई-दंतसेवा में राष्ट्रीय मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम, सभी दंत चिकित्सा सुविधाओं और कॉलेजों की विस्तृत सूची, सूचना, शिक्षा और संचार (आई.ई.सी.) सामग्री के संदर्भ में जानकारी शामिल है।
- इसमें 'सिम्पटम चेकर' नामक एक यूनिक फीचर है, जो दंत/ मुख संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षण, इनसे बचाव के तरीके, उपचार के तरीके और उपयोगकर्ता को उसकी निकटतम उपलब्ध दंत चिकित्सा सुविधा (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनो) का पता लगाने हेतु जानकारी प्रदान करता है।
- यह वेबसाइट सामान्य आबादी की आसान पहुँच के लिए सुविधा का जी.पी.आर.एस. मार्ग/ चित्र/ उपग्रह चित्र भी प्रदान करती है।
- विकसित की गई आई.ई.सी. सामग्री का उद्देश्य माता और बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में प्रचलित मिथकों और गलत धारणाओं को खत्म करना है और गर्भावस्था एवं प्रारंभिक बचपन के वर्षों के दौरान दंत चिकित्सक के पास जाने के लिए भी प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रीय मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम

- इसे वर्ष 2014 में पेश किया गया था।
- नई दिल्ली के एम्स में स्थित दंत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.), एन.ओ.एच.पी. के राष्ट्रीय कार्यान्वन उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- राष्ट्रीय मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए अनुसंधान और अन्य गतिविधियों के लिए परामर्श एवं समर्थन प्रदान करने में केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. <u>**कपास तकनीकी सहायता कार्यक्रम**</u>

- केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने घोषणा की है कि भारत इस क्षेत्र के लिए अपने कपास तकनीकी सहायता कार्यक्रम (टी.ए.पी.) के दूसरे चरण में पांच और अफ्रीकी देशों को शामिल करेगा।

संबंधित जानकारी

कपास तकनीकी सहायता कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- भारत ने वर्ष 2012 से 2018 तक छह अफ्रीकी देशों अर्थात बेनिन, बुर्किना फासो, चाड, मलावी, नाइजीरिया और युगांडा में कपास के लिए एक तकनीकी सहायता कार्यक्रम (टी.ए.पी.) कार्यान्वित किया है।
- पांच वर्षीय लंबे दूसरे चरण में, इस कार्यक्रम को आकार और क्षेत्र में बढ़ाया जाएगा और इसे पांच अतिरिक्त देशों जैसे माली, घाना, टोगो, ज़ाम्बिया और तंजानिया में प्रस्तावित किया जाएगा।
- कपास टी.ए.पी. कार्यक्रम अब सी.4 (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली) सहित 11 अफ्रीकी देशों को शामिल करेगा।
- तकनीकी सहायता कार्यक्रम (टी.ए.पी.) निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को शामिल करता है-
- कपास का उत्पादन बढ़ाना (क्षेत्र विस्तार और उत्पादकता वृद्धि)
- विस्तार एवं समर्थन सेवा क्षमता में सुधार करना
- आर. एंड डी./ गुणवत्ता नियंत्रण को बढ़ाना
- विपणन/ वितरण अवसंरचना
- कपास अवशेष आधारित मूल्य संवर्धन उद्योग का सुदृढ़ीकरण/ विकास करना
- टेक्सटाइल और कपड़ों में पतन की ओर जा रहे उद्योग का निर्माण/ सुदृढ़ीकरण करना

विश्व कपास दिवस

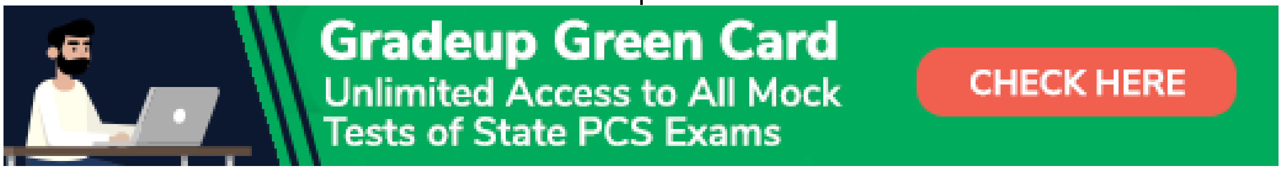

- पहली बार, विश्व कपास दिवस 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर, 2019 तक जिनेवा में मनाया जा रहा है।
- इसे विश्व व्यापार संगठन द्वारा संयुक्त राष्ट्र, एफ.ए.ओ., यू.एन.सी.टी.ए.डी. (संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन), अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र और अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति के सहयोग से आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य कपास के फायदों का जश्न मनाना है, जो प्राकृतिक रेशे के रूप में इसके गुणों से लेकर इसके उत्पादन, परिवर्तन, व्यापार और उपभोग से लोगो को होने वाले लाभों तक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **<u>भारत वर्ष 2022 तक ट्रांस-फैट मुक्त हो जाएगा: एफ.एस.एस.ए.आई.</u>**

- केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने 'ट्रांस फैट-फ्री' प्रतीक चिन्ह लॉन्च किया है।
- इस प्रतीक चिन्ह को एफ.एस.एस.ए.आई. के 'ईट राइट इंडिया' अभियान को गति प्रदान करने हेतु लांच किया गया है, यह एक अभियान है जो देश में ट्रांस-फैट को समाप्त करने के लिए है।
- वे खाद्य आउटलेट जो ट्रांस-फैट मुक्त वसा/ तेल का उपयोग करते हैं और खाद्य पदार्थों में 0.2 ग्रा./100 ग्रा. से अधिक औद्योगिक ट्रांस-फैट नहीं रखते है, वे इस प्रतीक चिन्ह को प्रदर्शित कर सकते हैं।
- एफ.एस.एस.ए.आई. का लक्ष्य वर्ष 2022 तक खाद्य आपूर्ति पर औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस-फैट को कम करके दो प्रतिशत से भी कम करना है।
- ट्रांस-फैट, वसा का सबसे खराब रूप है जो उच्च स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।
- औद्योगिक ट्रांस-फैट का उपयोग वनस्पति वसा/ तेल, वनस्पती, मार्जरीन और अधिक शेल्फ लाइफ वाले पके हुए खाद्य पदार्थों में किया जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित वैश्विक लक्ष्य से एक साल बाद वर्ष 2022 तक भारत ट्रांस-फैट को खत्म करने का लक्ष्य रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>एशिया पर्यावरणीय प्रवर्तन पुरस्कार</u>**

- वरिष्ठ भारतीय वन सेवा अधिकारी रमेश पांडे को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा प्रतिष्ठित एशिया पर्यावरणीय प्रवर्तन पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- वह 13 नवंबर को बैंकॉक में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन केंद्र में पुरस्कार प्राप्त करेंगे।

संबंधित जानकारी

एशिया पर्यावरणीय प्रवर्तन पुरस्कार

- यह पुरस्कार सीमापार पर्यावरणीय अपराध का मुकाबला करने के लिए एशिया में सार्वजनिक संगठनों और व्यक्तियों द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धियों की पहचान करता है।
- 2019 के पुरस्कार को यू.एन.डी.पी., संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स एवं अपराध कार्यालय, इंटरपोल, यू.एस.ए.आई.डी., फ्रीलैंड फाउंडेशन और स्वीडन सरकार के साथ साझेदारी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- एच.टी.

7. **<u>भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2019</u>**

- एक कनाडाई-अमेरिकी ब्रह्मांड विज्ञानी जेम्स पीबल्स और दो स्विस वैज्ञानिकों मिशेल मेयर और डिडियर क्विलोज़ ने इस वर्ष भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीता है।
- उन्हें यह पुरस्कार ब्रह्मांड के विकास की खोज करने और उस छिद्रान्वेषी प्रश्न के निहितार्थ कि: क्या जीवन, पृथ्वी पर ही मौजूद है, के साथ एक

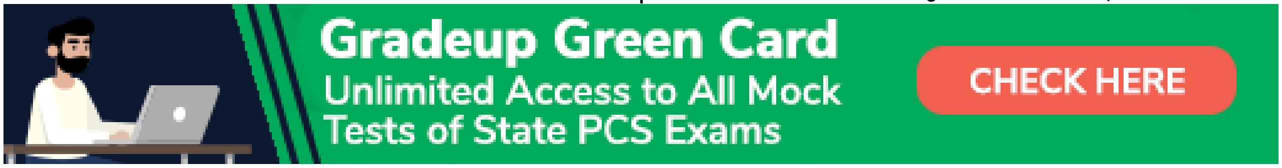

नए प्रकार के ग्रह की खोज करने हेतु प्रदान किया गया है।

- कनाडा में जन्मे, जेम्स पीबल्स, 84, प्रिंसटन विश्वविद्यालय में एक सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त प्रोफेसर थे, उन्होंने ब्रहमांड विज्ञान में अपनी सैद्धांतिक खोजों के लिए यह पुरस्कार जीता है।
- स्विस ज्योतिषी मिशेल मेयर, 77 और डिडिएर क्विलोज़, 53, दोनो ही जिनेवा विश्वविद्यालय के हैं, उन्हें एक एक्सोपलैनेट की खोज करने हेतु सम्मानित किया गया है, यह ग्रह हमारे सौरमंडल के बाहर स्थित है, जो एक सूर्य के समान तारे की परिक्रमा करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –एस.एंड टी.

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार 2019</u>**

- फिजियोलॉजी या चिकित्सा के लिए 2019 का नोबेल पुरस्कार विलियम जी कैलिन, जे.आर., पीटर जे रैटक्लिफ और ग्रेग एल सेमेंजा वैज्ञानिकों को दिया गया है।
- उन्हें "किस प्रकार कोशिकाएं समझती हैं और ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए अनुकूल है" की खोज के लिए संयुक्त रूप से पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- यह हमारी समझ के इस आधार को स्थापित करने में मदद करेगा कि ऑक्सीजन का स्तर कोशिकीय चयापचय और शारीरिक कार्य को कैसे प्रभावित करता है।
- इस शोध ने "एनीमिया, कैंसर और कई अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए नई रणनीतियों का वादा करने का मार्ग प्रशस्त किया है।"
- यह इस श्रेणी का 110वां पुरस्कार है जिसे वर्ष 1901 से सम्मानित किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस; पेपर 3 –एस.एंड टी.

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>हिंदु-कुश-हिमालयी (एच.के.एच.) क्षेत्र</u>**

- भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.), चीन और पाकिस्तान की मौसम संबंधी एजेंसियों के साथ मिलकर हिंदु-कुश-हिमालयी (एच.के.एच.) क्षेत्र के देशों को जलवायु पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान करने में सहयोग करेगा।

संबंधित जानकारी

एच.के.एच. क्षेत्र

- एच.के.एच. क्षेत्र अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, किर्गिस्तान, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान तक फैला हुआ है।
- इसे [उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बाद] तीसरा ध्रुव माना जाता है और जलवायु के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।
- तीसरा ध्रुव, जिसमें विशाल क्रायोस्फेरिक क्षेत्र स्थित हैं, वह भी ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर बर्फ का दुनिया का सबसे बड़ा भंडार है।

क्रायोस्फीयर

- अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आई.पी.सी.सी.) की पांचवीं आकलन रिपोर्ट के अनुसार, क्रायोस्फीयर बर्फ, नदी और झील बर्फ, समुद्री बर्फ, ग्लेशियर, बर्फ की परतों और बर्फ की चादरें और जमी हुई जमीन से मिलकर बना है।
- यह सतह के ऊर्जा बजट, जल चक्र, प्राथमिक उत्पादकता, सतह गैस विनिमय और समुद्र स्तर पर इसके प्रभाव के माध्यम से पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।
- क्रायोस्फीयर, जलवायु परिवर्तनशीलता का एक प्राकृतिक समन्वयक है और जलवायु परिवर्तन के सबसे दृश्य हस्ताक्षरों में से एक प्रदान करता है।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना

- सरकार ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए जून, 2008 में राष्ट्रीय जलवायु

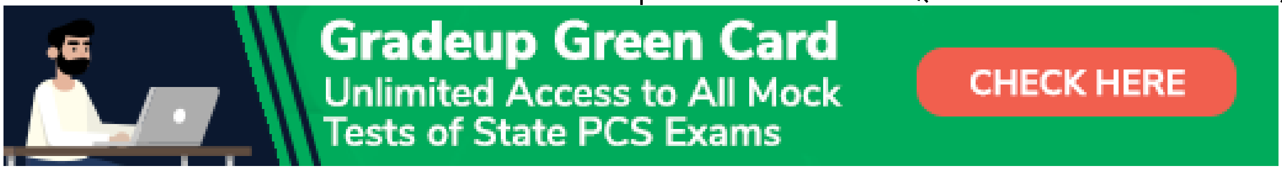

परिवर्तन कार्य योजना (एन.ए.पी.सी.सी.) लांच की थी।

- एन.ए.पी.सी.सी. में सौर ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता में सुधार, स्थायी आवास, पानी, स्थायी हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखना, हरित भारत, सतत कृषि और जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों के आठ मिशन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. **<u>राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण</u>**

- व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण जारी किया गया है जो सरकार द्वारा किया गया अब तक का पहला राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण है।

सर्वेक्षण के निष्कर्ष

- शहरी भारत में बच्चों में कुपोषण स्तनपान के अपेक्षाकृत खराब स्तर, आयरन के उच्च प्रसार और विटामिन डी की कमी के साथ-साथ मोटापे के कारण होता है।
- देश के ग्रामीण हिस्सों में वृद्धि रूकने, कम वजन और दुग्ध उत्पादों की बर्बादी और कम खपत से पीड़ित बच्चों का प्रतिशत अधिक है।
- सर्वेक्षण से पता चलता है कि 12 से 15 महीने के 83% बच्चों का स्तनपान जारी रखा गया है, इस आयु वर्ग के अधिकांश बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों का स्तनपान (85 प्रतिशत), शहरी क्षेत्रों (76%) के बच्चों की तुलना में अधिक है।
- स्तनपान, घरेलू संपत्ति के व्युतक्रमानुपाती है और इस प्रवृत्ति को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में कामकाजी माताएं शामिल हो सकती हैं जिन्हें अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।
- शहरी क्षेत्रों (40.6%) में रहने वाले बच्चों और किशोरों में भी अपने ग्रामीण समकक्षों (29%) की तुलना में आयरन की कमी का अधिक प्रसार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

10.10.2019

1. **<u>2019 वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में भारत 10 स्थान फिसलकर 68वें स्थान पर पहुंच गया है।</u>**

- विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.) ने वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक 2019 जारी किया है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- वर्ष 2019 में सिंगापुर, दुनिया की सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बन गया है, अमेरिका दूसरे स्थान पर, हांगकॉग तीसरे स्थान पर और नीदरलैंड और जर्मनी क्रमश: चौथे और पांचवे स्थान पर हैं।
- चीन, 28वें स्थान पर था और यह ब्रिक्स राष्ट्रों में सर्वोच्च स्थान पर था।
- इस क्षेत्र में वियतनाम ने अधिकतम सुधार दर्शाया है और 67वें स्थान पर रहा है।

भारत का स्थान

- भारत, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में वर्ष 2018 में 58वें स्थान से 10 स्थान नीचे खिसककर वर्ष 2019 में 68वें स्थान पर आ गया है, जो ब्राजील (भारत से भी निचले स्थान अर्थात 71वें स्थान पर है) के साथ ब्रिक्स के सबसे खराब प्रदर्शनकर्ता देशों में से एक है।
- सूचकांक ने सीमित रूप से आई.सी.टी. (सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी) को अपनाने, खराब स्वास्थ्य स्थितियों और निम्न स्वस्थ जीवन प्रत्याशा को कारणों के रूप में चिह्नित किया है।
- समग्र रैंकिंग में, भारत के बाद उसके कुछ पड़ोसी देश शामिल हैं, जिनमें श्रीलंका 84वें स्थान पर,

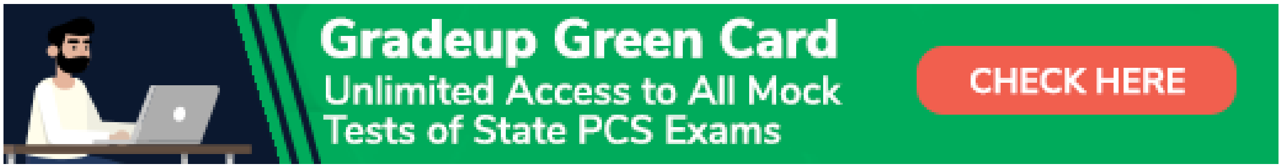

बांग्लादेश 105वें स्थान पर, नेपाल 108वें स्थान पर और पाकिस्तान 110वें स्थान पर है।

संबंधित जानकारी

वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक

- वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक, विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी किया जाता है।
- इसे वर्ष 1979 में लॉन्च किया गया था।
- यह 12 स्तंभों में आयोजित 103 संकेतकों के माध्यम से 141 अर्थव्यवस्थाओं की प्रतिस्पर्धा परिदृश्य को स्थान प्रदान करता है।

रिपोर्ट में प्रतिस्पर्धा के बारह स्तंभ हैं, ये स्तंभ निम्न हैं:

a. संस्थान
b. उपयुक्त बुनियादी ढाँचा
c. स्थायी मैक्रोइकॉनॉमिक ढांचा
d. अच्छा स्वास्थ्य और प्राथमिक शिक्षा
e. उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण
f. कुशल उत्पाद बाजार
g. कुशल श्रम बाजार
h. विकसित वित्तीय बाजार
i. मौजूदा प्रौद्योगिकी का दोहन करने की क्षमता
j. बाजार का आकार- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों
k. सबसे अधिक परिष्कृत उत्पादन प्रक्रियाओं का उपयोग करके नए और विभिन्न उत्पादों का उत्पादन करना
l. नवाचार क्षमता

विश्व आर्थिक मंच

- इसे वर्ष 1971 में गैर-लाभकारी संगठन के रूप में स्थापित किया गया था और इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है।
- डब्ल्यू.ई.एफ. का उद्देश्य वैश्विक, क्षेत्रीय और उद्योग एजेंडों को आकार देने के लिए व्यापार, राजनीतिक, अकादमिक और समाज के अन्य नेताओं को शामिल करके विश्व की स्थिति में सुधार करना है।
- डब्ल्यू.ई.एफ. द्वारा प्रकाशित कुछ सबसे महत्वपूर्ण रिपोर्टें निम्न हैं-
  (a) वैश्विक लिंग अंतर रिपोर्ट
  (b) वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट
  (c) वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन रिपोर्ट

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>नेविगेशन और सूचना (GEMINI) हेतु गगन सक्षम नाविक उपकरण: आपदा चेतावनी उपकरण</u>**

- हाल ही में, केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने नेविगेशन और सूचना (GEMINI) के लिए गगन सक्षम नाविक उपकरण लॉन्च किया है।

(GEMINI) के संदर्भ में जानकारी

- इसे भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा विकसित किया गया है।
- यह एक गगन प्रणाली-सक्षम उपकरण है जो आपदा की चेतावनी, संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र और महासागर राज्यों के मछुआरों को पूर्वानुमान पर निर्बाध और प्रभावी आपातकालीन सूचना और संचार का प्रसारण करेगा।
- यह उपकरण तब भी आपदा चेतावनी से संबंधित जानकारी प्रदान करने में भी मदद करेगा जब मछुआरे तट से 10 से 12 किलोमीटर दूर चले जाएंगे।
- GEMINI डिवाइस, गगन उपग्रह से डेटा प्राप्त करती है और डेटा को ब्लूटूथ संचार के माध्यम से एक मोबाइल को प्रेषित करती है।
- INCOIS डिकोड द्वारा एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है और यह नौ क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी प्रदर्शित करता है।

पृष्ठभूमि

- गगन उपग्रह प्रणाली, वर्ष 2017 में ओखी चक्रवात के बाद विकसित की गई थी, जब मछुआरे चक्रवात के आने से पहले गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए बाहर गए हुए थे और

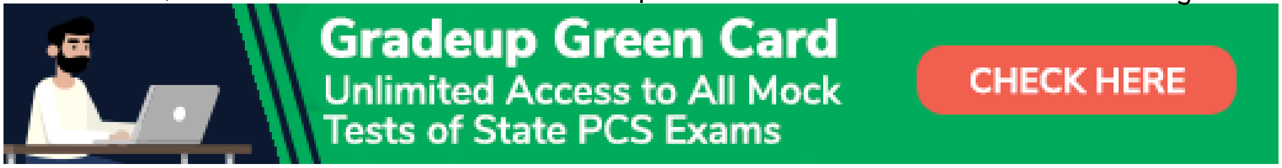

उन्हें विकासशील चक्रवात के बारे में सूचित नहीं किया जा सका था।

- इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.) के अंतर्गत स्वायत्त निकाय भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के द्वारा विकसित किया गया है।
- यह तीन भू-समकालिक उपग्रहों (GSAT-8, GSAT-10 और GSAT-15) से युक्त गगन प्रणाली के साथ मछुआरों को पी.एफ.जेड., ओ.एस.एफ. और आपदा चेतावनियां प्रसारित करने के लिए गगन (जी.पी.एस. सहायता प्राप्त भू-संवर्धित नेविगेशन) उपग्रह प्रणाली का उपयोग करता है।
- गगन के पद-चिन्ह पूरे हिंद महासागर को चौबीसों घंटे कवर करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. भारत देश सहयोग रणनीति 2019-2023</u>**

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने डब्ल्यू.एच.ओ. भारत देश सहयोग रणनीति 2019-2023: एक परिवर्तन का समय' लॉन्च किया है।

देश सहयोग रणनीति

- देश सहयोग रणनीति, अपने स्वास्थ्य क्षेत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत सरकार के साथ काम करने के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. रणनीतिक रोडमैप प्रदान करती है।
- देश के साथ डब्ल्यू.एच.ओ के रणनीतिक सहयोग हेतु पहचाने गए चार क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

1. सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज पर प्रगति में तेजी लाना
2. स्वास्थ्य के निर्धारकों को संबोधित करके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना
3. स्वास्थ्य आपात स्थितियों के खिलाफ जनसंख्या की बेहतर ढंग से रक्षा करना
4. स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के वैश्विक नेतृत्व को बढ़ाना

- भारत सी.सी.एस., सबसे पहले में से एक है जो स्वयं को नए अपनाए गए डब्ल्यू.एच.ओ. के 13वें कार्य कार्यक्रम और उसके तीन बिलियन लक्ष्यों, सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) और डब्ल्यू.एच.ओ. दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र की आठ प्रमुख प्राथमिकताओं से पूर्णतया संरेखित करता है।
- यह 2018-2022 के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास ढांचे के काम को अधिकृत कर रहा है।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) क्षेत्रीय समिति के सदस्य देशों ने 2023 तक अत्यधिक संक्रामक रोगों खसरा और रूबेला (दोनों विषाणुजनित रोग हैं) को खत्म करने का संकल्प लिया है।

दक्षिण पूर्व एशिया हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. क्षेत्रीय समिति

- यह दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक शासी निकाय है, जिसमें क्षेत्र के सभी 11 सदस्य राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- क्षेत्र में स्वास्थ्य विकास में प्रगति की समीक्षा करने हेतु प्रत्येक वर्ष इनकी बैठक होती है।
- यह सदस्य राज्यों के लिए स्वास्थ्य के मुद्दों पर संकल्प तैयार करने के साथ ही विश्व स्वास्थ्य सभा के प्रस्तावों के क्षेत्रीय निहितार्थों पर भी विचार करता है।
- इसके सदस्य देश: बांग्लादेश, भूटान, कोरिया गणराज्य, भारत, इंडोनेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

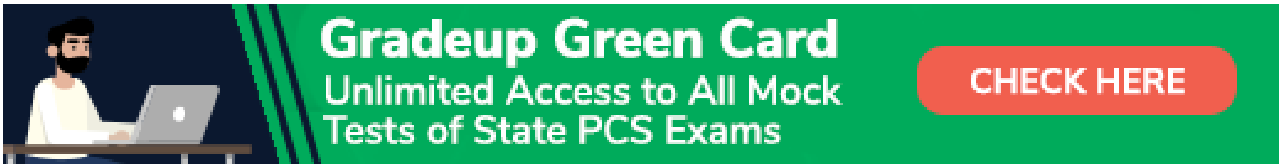

4. **<u>ध्रुव (DHRUV)- प्रधानमंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम</u>**

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने बेंगलुरू में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय से प्रधानमंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम- ध्रुव (DHRUV) का शुभारंभ किया है।।

कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- प्रधानमंत्री नवाचार शिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों की उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने और समाज में योगदान करने की अनुमति देने में मदद करना है।
- इस कार्यक्रम को प्रतिभाशाली बच्चों के कौशल और ज्ञान को समृद्ध करने के लिए उनकी प्रतिभा को पहचानने और प्रोत्साहित करने हेतु शुरू किया जा रहा है।
- इस कार्यक्रम को ध्रुव (ध्रुव तारे के बाद) कहा जाएगा और प्रत्येक छात्र को ध्रुव तारा कहा जाएगा। यह दो क्षेत्रों अर्थात विज्ञान और प्रदर्शन कला को कवर करेगा।
- सभी में 60 छात्र होंगे, देश भर में प्रत्येक क्षेत्र से 30 छात्र होंगे।
- इसमें व्यापक रूप से सरकारी और निजी सहित सभी स्कूलों के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को शामिल किया जाएगा।
- यह कार्यक्रम का केवल पहला चरण है जिसे धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों जैसे रचनात्मक लेखन आदि में विस्तारित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>शनि: हमारे सौर मंडल में सबसे अधिक चंद्रमा इसमें हैं।</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ के माइनर ग्रह केंद्र ने पुष्टि की है कि 20 नए चंद्रमा शनि की प्रिक्रमा कर रहे हैं, जो इसे हमारे सौर मंडल में सबसे अधिक 82 चंद्रमा वाला ग्रह बनाता है।
- 20 चंद्रमा को कार्नेगी इंस्टीट्यूशन फॉर साइंस के स्कॉट एस. शेपर्ड ने खोजा था।
- उनकी पुष्टि तक, सबसे अधिक चंद्रमा वाला ग्रह बृहस्पति था, जिसके 79 चंद्रमा थे।
- शनि के चारों ओर कक्षा में पाई जाने वाली प्रत्येक नई वस्तु का व्यास लगभग 5 कि.मी. (तीन मील) है, उनमें से 17 ग्रह की "पीछे" की ओर से परिक्रमा कर रहे हैं, जिसे प्रतिगामी दिशा के रूप में जाना जाता है।
- अन्य तीन चन्द्रमा प्रोग्रेड दिशा में परिक्रमा कर रहे हैं, यह शनि की घूर्णन के समान दिशा है।
- नासा की वेबसाइट से पता चलता है कि हमारे सौर मंडल के ग्रहों में अब 205 चंद्रमा हैं।
- शनि और बृहस्पति, दोनों के पास कुल 161 चंद्रमा है, जो कुल चंद्रमाओं का 80 प्रतिशत है।
- एक अन्य 20% चंद्रमा यूरेनस (27) और नेपच्यून (14) की परिक्रमा कर रहे हैं और शेष तीन चंद्रमा: एक पृथ्वी का स्वयं का है जब कि अन्य दो मंगल के हैं।

नोट:

- बुध और शुक्र के पास चंद्रमा नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>सरकार ने मनी लांड्रिंग गतिविधियों की जांच करने के लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल का गठन किया है।</u>**

- सरकार ने मनी लांड्रिंग गतिविधियों को रोकने के लिए विभिन्न विभागों और कानून प्रवर्तन संस्थाओं के मध्य बेहतर समन्वय के लिए राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया है।
- 19 सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति (IMCC) में पाँच सचिव हैं, एक अधिसूचना के अनुसार जिसमें, वित्त एवं बाहरी मामलों के मंत्रालयों और विभिन्न विनियामक प्राधिकरणों

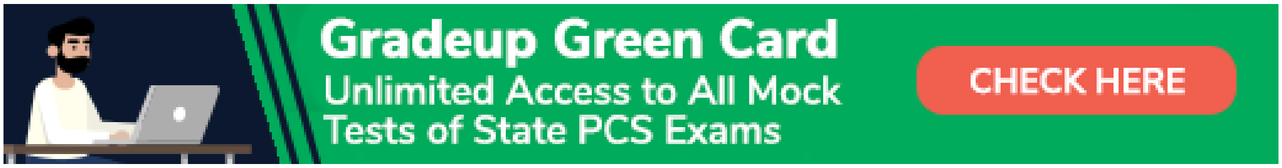

के प्रमुखों के साथ-साथ जांच एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल हैं।

- सरकार, कानून प्रवर्तन संस्थाओं, वित्तीय खुफिया इकाई-भारत और विनियामकों या पर्यवेक्षकों के बीच परिचालन सहयोग सुनिश्चित करने के अतिरिक्त यह समिति मनी लांड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने की नीतियों के विकास और कार्यान्वयन पर भी काम करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

7. **<u>रसायन विज्ञान में वर्ष 2019 का नोबेल पुरस्कार</u>**

- वर्ष 2019 का रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार टेक्सॉस विश्वविद्यालय के जॉन बी. गुडेनफ, बिंगहैमटन में स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के एम. स्टेनली व्हिटिंगहम और जापान में असाही कसी निगम और मीजो विश्वविद्यालय के अकीरा योशिनो को प्रदान किया गया है।
- उन्हें लिथियम-आयन बैटरी के विकास के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है, जिसने "एक वायरलेस, जीवाश्म-ईंधन-मुक्त समाज की नींव रखी है।"

लीथियम बैटरी के संदर्भ में जानकारी

- लिथियम-आयन बैटरी एक हल्की, रिचार्जेबल और शक्तिशाली बैटरी है जो अब मोबाइल फोन से लेकर लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहनों तक प्रत्येक चीज में इस्तेमाल की जाती है।
- यह सौर और पवन ऊर्जा से महत्वपूर्ण मात्रा में ऊर्जा का भंडारण भी कर सकती है, जिससे जीवाश्म ईंधन मुक्त समाज का निर्माण करना संभव है।
- लिथियम आयन बैटरी की नींव, 1970 के तेल संकट के दौरान रखी गई थी।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला</u>**

- पहली बार भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला (आई.आई.सी.टी.एफ.) नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर, 2019 तक आयोजित होने जा रहा है।
- व्यापार मेले का उद्देश्य भारत और विदेश में सहकारी व्यापार को बढ़ावा देना है, जिससे ग्रामीण और कृषि समृद्धि बढ़ेगी और किसानों की आय दोगुनी हो सकेगी।
- इस मेले का संचालन एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन (एन.ई.डी.ए.सी.), तीन मंत्रालयों, चार राज्य सरकारों और कई शीर्ष स्तर के भारतीय सहकारी संगठनों के सहयोग से किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

युवा सहकार सहयोग उद्दम समर्थन एवं नवीनीकरण योजना 2019

- इस योजना का शुभारंभ केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा 100 करोड़ के वार्षिक परिव्यय के साथ मेले के दौरान किया जाएगा।
- यह योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र की सहकारी समितियों, नीति आयोग द्वारा पहचान की गई आकांक्षी जिलों में पंजीकृत और संचालित सहकारी समितियाँ, 100% महिलाओं/ एस.सी./ एस.टी./ पी.डब्ल्यू.डी. सदस्यों के साथ सहकारी समितियों के प्रति उदार है।
- यह स्टार्ट-अप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसे कार्यक्रमों पर सरकार के ध्यान की जर्त पर है, यह नए और नवोन्मेष विचारों के साथ युवा उद्यमियों के लिए सरकार के फोकस के अनुरूप है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

11.10.2019

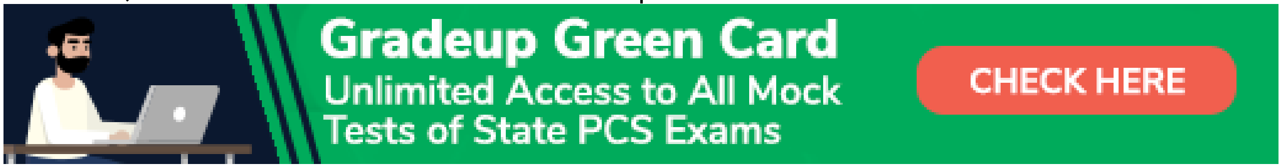

1. **सुमन योजना: गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त दवाइयाँ मुहैया कराती है।**

- केंद्र सरकार ने सुरक्षित मातृत्व आश्वासन योजना शुरू की है, जिसके अंतर्गत गर्भवती महिलाओं, माताओं को प्रसव के 6 महीने बाद तक और सभी बीमार नवजात शिशुओं को मुफ्त स्वास्थ्य लाभ मिल सकेगा।
- यह योजना देश में माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने में काफी हद तक मदद करेगी।
- यह योजना गर्भावस्था के दौरान और बाद में जटिलताओं की पहचान और प्रबंधन करने के लिए शून्य व्यय की सुविधा प्रदान करती है।
- इस योजना के अंतर्गत, गर्भवती महिलाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में जटिलताओं के संदर्भ में शून्य व्यय प्रसव और सी-सेक्शन की सुविधा उपलब्ध होगी।
- यह बीमार नवजात शिशुओं और नवजात शिशुओं के लिए स्तनपान को शीघ्र शुरू करने और समर्थन करने, शून्य खुराक टीकाकरण और मुफ्त और शून्य व्यय सेवाओं को गोपनीयता और सम्मान के साथ सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करेगी।

नोट:

- सरकार के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु दर वर्ष 2004-06 में 254 प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों से घटकर 2014-16 में 130 हो गई थी। वर्ष 2001 और 2016 के बीच शिशु मृत्यु दर 66 प्रति 1,000 जीवित जन्मों से घटकर 34 हो गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **उन्नत वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली**

- केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.) ने उन्नत वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली शुरू की है।

संबंधित जानकारी

उन्नत वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली

- इसे एम.ओ.ई.एस. के अंतर्गत पुणे आधारित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान द्वारा विकसित किया गया है।
- यह अगले स्थान पर जलाए जाने की तारीख और जगह की भविष्यवाणी करने के लिए पिछले 15 वर्षों से भूसा जलाने की घटनाओं के डेटा का उपयोग करता है और अधिकारियों की अग्रिम कार्य करने में मदद करता है।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी.-डैक) डाटा का प्रयोग करता है।
- यह सरकारी एजेंसियों को उन क्षेत्रों के बारे में सचेत करने के लिए संभावित मानचित्र बनाएगा जहाँ पर चारे के जलाए जाने की संभावना अधिक है।
- यह अगले 72 घंटों के लिए वायु प्रदूषण स्तर की भविष्यवाणी कर सकता है।
- यह चारा जलने के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से आने वाले प्रदूषकों जैसे कणिका तत्व (पी.एम.) 2.5, पी.एम. 10 और धूल के स्तर की भी भविष्यवाणी कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **सरकार, भारत की 1,400 किलोमीटर लंबी ग्रेट ग्रीन वॉल बनाने की योजना बना रही है।**

- केंद्र सरकार, गुजरात से दिल्ली-हरियाणा सीमा तक 1,400 कि.मी. लंबी और 5 कि.मी. चौड़ी ग्रीन बेल्ट बनाने की महत्वाकांक्षी योजना पर विचार कर रही है।
- यह जलवायु परिवर्तन और मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए डकार (सेनेगल) से जिबूती तक, अफ्रीका की चौड़ाई के किनारे चलने वाली "ग्रेट ग्रीन वॉल" की तर्ज पर आधारित है।
- यह अरावली पहाड़ी श्रृंखला जो गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फली हुई है, के साथ-साथ वनीकरण के माध्यम से पतन

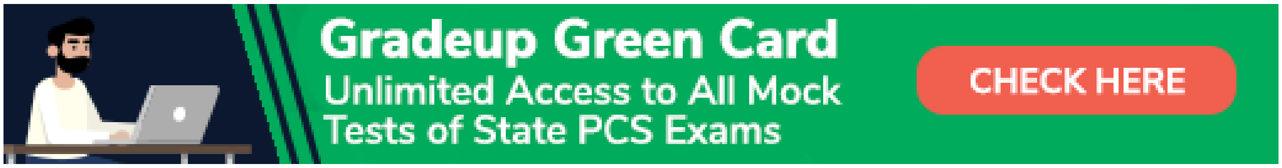

हुई भूमि की पुन: बहाली करने में मदद करेगा और पश्चिमी भारत और पाकिस्तान के रेगिस्तान से आने वाली धूल के लिए एक बाधा के रूप में भी काम करेगा।

- एक विशाल ग्रीन बेल्ट बनाने का विचार भारत में हाल ही में आयोजित हुए मरूस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.) के पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी. 14) के एजेंडे का हिस्सा था।
- वर्ष 2016 में इसरो द्वारा जारी किए गए भारत के मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस ने खुलासा किया था कि गुजरात, राजस्थान और दिल्ली उन राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में से थे, जहाँ कुल क्षेत्रफल की 50% से अधिक भूमि का क्षरण हुआ था और जिन पर मरुस्थलीकरण का जोखिम है।

सम्बंधित जानकारी

ग्रेट ग्रीन वॉल ऑफ अफ्रीका

- इसका लक्ष्य अफ्रीका के पतन हो चुके भूभाग की बहाली करना और दुनिया के सबसे गरीब क्षेत्रों में से एक में लाखों लोगों का जीवन बदलना है, सहेल जो अभी भी केवल 15% पूर्ण है।
- यह विश्व का लगभग 8000 कि.मी. लंबा प्राकृतिक आश्चर्य है जो एक बार पूरा हो जाने पर महाद्वीप की पूरी चौड़ाई में फैल जाएगा, यह दीवार ग्रह पर सबसे बड़ी जीवित संरचना होगी।
- यू.एन.सी.सी.डी. सी.ओ.पी. 14 के दौरान अफ्रीकी देशों ने 2030 तक महाद्वीप के सहेल क्षेत्र में वाल ऑफ रिएलिटी बनाने के लिए वित्त के संदर्भ में वैश्विक समर्थन की मांग की है।
- सहेल, पश्चिमी और उत्तर-मध्य अफ्रीका का एक अर्ध-विस्तृत क्षेत्र है जो सेनेगल के पूर्व से सूडान तक फैला हुआ है।
- यह उत्तर में शुष्क सहारा (रेगिस्तान) और दक्षिण में आद्र सवाना के क्षेत्र के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

4. **<u>विश्व दृष्टि रिपोर्ट</u>**

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी पहली विश्व दृष्टि रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि जनसंख्या की उम्र बढ़ने से दृष्टिहीनता और अंधेपन वाले लोगों की संख्या में नाटकीय ढंग से वृद्धि होगी।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि निम्न और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में दृष्टिहीनता के प्रसार का अनुमान रिपोर्ट द्वारा उच्च आय वाले क्षेत्रों की तुलना में चार गुना अधिक था।
- यह भी कहा गया है कि ग्रामीण आबादी को आंखें के इलाज तक पहुँचने के लिए अधिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, क्यों कि उन्हें अधिक दूरी तय करनी पड़ती है और खराब सड़क गुणवत्ता, आदि अन्य कारण हैं।
- इसमें यह भी बताया गया है कि आँखों की देखभाल सेवाओं तक पहुंच में लैंगिक असमानता थी, जिसके कारण महिलाओं को लाभ उठाने की कम संभावना थी।

दृष्टिहीनता में वृद्धि के कारण

- दृष्टिहीनता के साथ रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि के विभिन्न कारण हैं:
- लोगो की आयु बढ़ना
- बदलती जीवनशैली
- आंखों की देखभाल सेवाओं तक सीमित पहुंच (विशेषकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में)

भारत की प्रशंसा की

- रिपोर्ट ने भारत की उसके राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के लिए प्रशंसा की है।

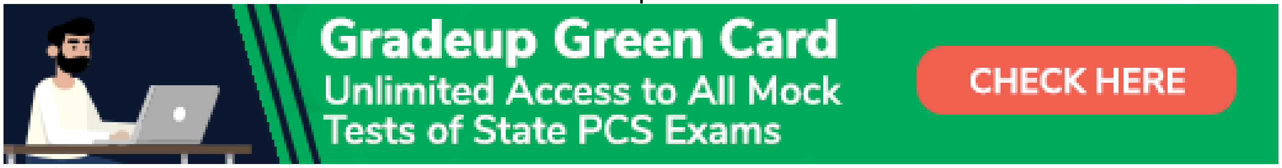

राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टिदोष नियंत्रण कार्यक्रम (एन.पी.सी.बी. और वी.आई.)

- इसे वर्ष 1976 में 100% केंद्रीय प्रायोजित योजना (अब सभी राज्यों में 60:40 और उत्तर-पूर्व राज्यों में 90:10) के रूप में शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य 2020 तक दृष्टिहीनता के प्रसार को 0.3% तक कम करना था।
- दृष्टिहीनता के प्रसार की दर और लक्ष्य
- दृष्टिहीनता का प्रसार- 1.1% (सर्वेक्षण 2001-02)
- दृष्टिहीनता का प्रसार- 1.% (सर्वेक्षण 2006-07)
- दृष्टिहीनता के लक्ष्य का प्रसार- 0.3% (वर्ष 2020 तक)

नोट:

1. जरादूरदृष्टिदोष, जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें आस-पास की वस्तुओं को देखना मुश्किल होता है, इससे 1.8 अरब लोग पीडित हैं, यह बीमारी बढ़ती उम्र के साथ होती है।
2. आम अपवर्तक त्रुटि जिसे मायोपिया कहा जाता है, जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें कुछ दूरी पर वस्तुओं को देखना मुश्किल होता है।
3. ट्रैकोमा आंख में जीवाणु के संक्रमण के कारण होता है जो भारत सहित कई देशों में समाप्त हो गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एन.एच.एस.आर.सी.)</u>**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के पुन: प्रयोजन की घोषणा की है क्यों कि डब्ल्यू.एच.ओ. को प्राथमिकता चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी नीति के लिए सहयोग केंद्र के रूप में माना गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र

- इसे भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) के अंतर्गत 2006 में तकनीकी सहायता के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसमें 23 सदस्यीय शासी निकाय है, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव करते हैं।
- यह केंद्र और राज्यों में स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए क्षमता निर्माण और राज्यों के लिए तकनीकी सहायता के प्रावधान और संग्रहण में नीति और रणनीति विकास में सहायता करने में मदद करता है।
- एन.एच.एस.आर.सी. में स्वास्थ्य देखभाल प्रभा का शासनादेश, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत खरीदे गए प्रौद्योगिकियों के लिए तकनीकी विनिर्देश तैयार करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>नौवीं आर.सी.ई.पी. अंतरसत्रीय मंत्रालयी बैठक</u>**

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और रेलवे मंत्री, थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित होने वाली नौवीं आर.सी.ई.पी. अंतरसत्रीय मंत्रालयी बैठक में भाग लेंगे।

संबंधित जानकारी

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आर.सी.ई.पी.)

- यह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के 10 सदस्य देशों के बीच एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता है।
- दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान) का छह सहयोगियों के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) है, जिनके नाम पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (ए.सी.एफ.टी.ए.), कोरिया गणराज्य (ए.के.एफ.टी.ए.), जापान (ए.जे.सी.ई.पी.), भारत (ए.आई.एफ.टी.ए.) और

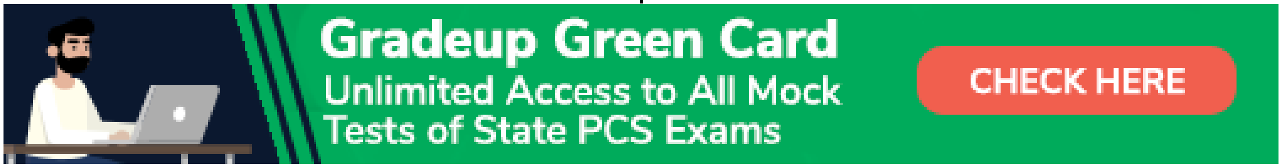

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड (ए.ए.एन.जेड.एफ.टी.ए.) हैं।

- आर.सी.ई.पी. वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर, 2012 में 21वें आसियान शिखर सम्मेलन में फनोम पेन्ह, कंबोडिया में आयोजित की गई थी।
- आर.सी.ई.पी. वार्ता शुरू करने का उद्देश्य आसियान सदस्य राज्यों और आसियान के एफ.टी.ए. भागीदारों के मध्य एक आधुनिक, व्यापक, उच्च गुणवत्ता और पारस्परिक रूप से लाभप्रद आर्थिक साझेदारी समझौते को प्राप्त करना है।
- कंबोडिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, वियतनाम, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और म्यांमार दस आसियान सदस्य देश हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **"अंगीकार" अभियान**

- त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देब ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (पी.एम.ए.वाई.-यू.) के लाभार्थियों को केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित अन्य योजनाओं के फोल्ड के अंतर्गत लाने के लिए 'अंगीकर' अभियान चलाया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **साहित्य में 2019 नोबेल पुरस्कार**

- ऑस्ट्रिया के पीटर हैंडके ने साहित्य के लिए 2019 का नोबेल पुरस्कार जीता है और पोलिश लेखक ओल्गा टोकरजुक को साहित्य के 2018 नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है जो 2018 में स्थगित कर दिया गया था।
- ऑस्ट्रिया के पीटर हैंडके ने 2019 का पुरस्कार "एक प्रभावशाली काम के लिए जीता है जिसमें भाषाई सरलता ने परिधि और मानव अनुभव की विशिष्टता का पता लगाया है।"
- पोलिश लेखक ओल्गा टोकरजुक ने 2018 का पुरस्कार "एक कथात्मक कल्पना के लिए जीता है जो विश्वकोश जुनून के साथ जीवन के रूप में सीमाओं को पार करने का प्रतिनिधित्व करती है।"

नोट: ओल्गा टोकरजुक, नोबुल पुरस्कार जीतने वाली 15वीं महिला हैं, इन्होंने वर्ष 2018 में अंतर्राष्ट्रीय मैन बुकर पुरस्कार भी जीता था।

टॉपिक-पी.सी.एस; परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- द हिंदू

9. **सी.40 विश्व मेयर शिखर सम्मेलन**

- सी.40 विश्व मेयर शिखर सम्मेलन, एक तीन दिवसीय सम्मेलन है, जहाँ दुनिया भर के शहर के नेता हरित शहरी विकास पर विचारों को साझा करते हैं और जलवायु मुद्दों पर कार्रवाई करने के लिए राष्ट्रीय सरकारों को सहमत करने के तरीकों पर चर्चा करते हैं।
- सी.40 दुनिया भर में शहरी नागरिकों के लिए एक स्थायी भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक तत्काल और आवश्यक जलवायु कार्रवाई प्रदान करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े शहरों में से 96 शहरों को जोड़ता है।
- यह समूह 2016 के पेरिस समझौते के अंतर्गत निर्धारित जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और शहरों को उन लक्ष्यों का पालन करने वाली स्थानीय स्तर की योजनाओं को विकसित करने और लागू करने के लिए पीठ स्थापित करता है।
- सी.40 समूह को 2005 में लंदन के तत्कालीन मेयर, केन लिविंगस्टोन द्वारा शुरू किया गया था और 2006 में 40 सदस्य हो जाने पर इसका नाम प्रदान किया गया था।
- वर्तमान में इसके 96 सदस्य हैं, जो 70 करोड़ से अधिक लोगों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इन शहरों में पेरिस लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उत्सर्जन में 40 प्रतिशत कटौती करने की क्षमता है।
- इस वर्ष के सम्मेलन का मेजबान शहर (9 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक) कोपनहेगन है, जो

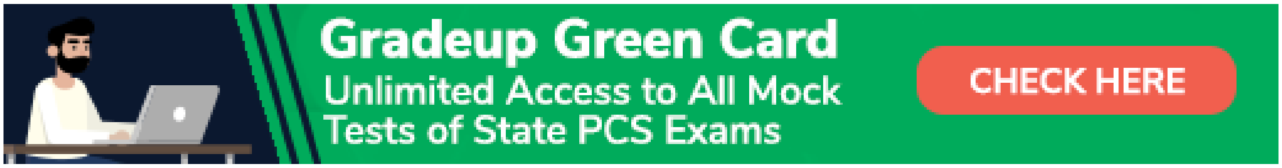

वर्ष 2025 तक कार्बन तटस्थ बनने की योजना बना रहा है।

- 2019 शिखर सम्मेलन में लॉस एंजिल्स के मेयर समूह की अध्यक्षता करेंगे।
- भारत के वे शहर जो सी.40 का हिस्सा हैं, वे शहर दिल्ली एन.सी.आर., बेंगलुरू, जयपुर और कोलकाता हैं।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

14.10.2019

1. **आर.बी.आई. ने सहकारी बैंकों के लिए एक नई रिपोर्टिंग प्रणाली "CISBI" की शुरुआत की है।**

- भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी सहकारी बैंकों के लिए एक नई रिपोर्टिंग प्रणाली- केंद्रीय बैंकिंग ढांचा सूचना प्रणाली (CISBI) की शुरुआत की है।
- इस प्रणाली के अंतर्गत, इन बैंकों को CISBI पोर्टल के एकल प्रपत्र में शाखाओं, कार्यालयों, गैर-प्रशासनिक रूप से स्वतंत्र कार्यालयों (विस्तार काउंटर, उपग्रह कार्यालय) और ग्राहक सेवा प्वाइंट (ए.टी.एम.) को खोलने/ बंद करने/ बदलने से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करना आवश्यक होता है।
- केंद्रीय बैंक ने एक प्रपत्र में कहा है कि सभी सहकारी बैंकों को CISBI पोर्टल के माध्यम से बैंक शाखाओं/ कार्यालयों/ एन.ए.आई.ओएस./ सी.एस.पी. के ऑनलाइन खुलने, बंद होने, विलय होने, स्थानांतरण और रूपांतरण से संबंधित जानकारी को तुरंत और किसी मामले में अधिकतम एक सप्ताह के भीतर अवश्य ही सौंपा जाना चाहिए।
- CISBI पर डेटा की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक महीने के अंतिम सप्ताह में बैंकों को पिछले महीने के अंतिम दिन पर स्थिति जानने के लिए CISBI में एक 'निल रिपोर्ट' जारी करनी होगी, जो वर्तमान में कार्यरत शाखाओं, कार्यालयों, एन.ए.आई.ओएस., सी.एस.पीएस. की संख्या को दर्शाता है और इसकी सटीकता प्रमाणित करने के बाद CISBI के माध्यम से इसे जमा करें।
- CISBI ने वसीयत मास्टर कार्यालय फाइल प्रणाली को प्रतिस्थापित किया है। नई रिपोर्टिंग प्रणाली शहरी सहकारी बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों पर लागू है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- बिजनेस लाइन

2. **पैंगियोभुजिया: भूमिगत मछली की एक नई प्रजाति है।**

- केरल के शोधकर्ताओं ने राज्य के कोझीकोड जिले में 'पैंगियोभुजिया' नामक ईल-लोच की एक नई प्रजाति की खोज की है।

संबंधित जानकारी

पंगियोभुजिया

- उत्तर भारतीय नाश्ते, भुजिया से मिलते जुलते होने के कारण इस प्रजाति का नाम 'पंगियोभुजिया' रखा गया है।
- यह लघु वेल-ड्वेलिंग भूमिगत मछली की एक अनोखी प्रजाति है।
- यह विश्व में ईल-लोच की पहली प्रजाति है जिसे भूमिगत वातावरण में रहने के लिए खोजा गया है।
- वे सामान्यत: दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती हैं।
- यह गहरे भूमिगत जलवाही स्तर के शुद्ध जल में रहती है।
- इसमें पृष्ठीय पंख की अनुपस्थिति जैसी कई अनूठी विशेषताएं शामिल हैं जिसे कभी भी जीनस पैंगियो में नहीं देखा गया है जिससे यह नई प्रजाति संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

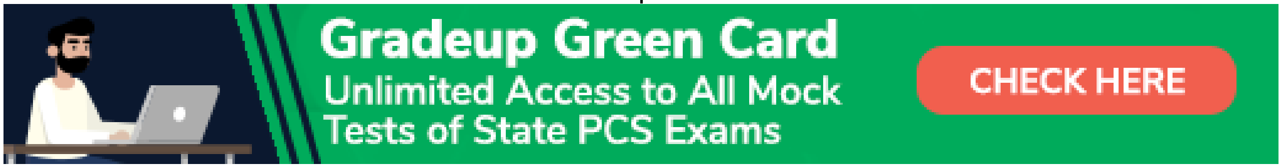

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>राष्ट्रीय समन्वय केंद्र</u>**

- केंद्र सरकार, एक राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (एन.सी.सी.) का गठन करने की योजना बना रही है, जो माओवादियों के मुख्य गढ़ों और संवर्गों पर डेटाबैंक के रूप में कार्य करेगा।

संबंधित जानकारी

केंद्र के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (एन.सी.सी.), माओवादी विरोधी ऑपरेशनों और खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए तालमेल बिंदु के रूप में कार्य करेगा।
- एन.सी.सी. आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों में माओवाद विरोधी ऑपरेशनों में सेवा देने वाले सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के अनुभव और ज्ञान का उपयोग करेगा।
- समन्वय केंद्र, माओवादियों के वित्तपोषण के स्रोतों की भी पहचान करेगा और इन नेटवर्कों को खत्म करने पर काम करेगा।

नक्सलियों के संदर्भ में जानकारी

- 'नक्सल' शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल राज्य के नक्सलबाड़ी नामक एक गाँव से हुई है जहाँ चारू मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में इस आंदोलन की शुरूआत हुई थी।
- नक्सलियों को वामपंथी कट्टरपंथी कम्युनिस्ट माना जाता है, जो माओवादी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करते हैं।
- नक्सलवाद की उत्पत्ति पूर्वी भारत के ग्रामीण भागों में स्थानीय स्तर पर विकास की कमी और गरीबी के खिलाफ एक विद्रोह के रूप में हुई थी।
- इसकी उत्पत्ति का पता 1967 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) में हुए विभाजन से लगाया जा सकता है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी और लेनिनवादी) का गठन हुआ था।
- प्रारंभ में, इस आंदोलन का केंद्र पश्चिम बंगाल में था, इसके बाद यह छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी फैल गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>भारत-जापान संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास धर्म गार्डियन- 2019</u>**

- 19 अक्टूबर, 2019 से 02 नवंबर, 2019 तक भारत और जापान के मध्य मिजोरम के वैरेंगटे में युद्धाभ्यास धर्म गार्डियन-2019 आयोजित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- यह वर्ष 2018 से भारत और जापान के मध्य एक वार्षिक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य सापेक्षिक देशों में विभिन्न आतंकवाद-रोधी अभियानों के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करना है।
- वैश्विक आतंकवाद के परिणामस्वरूप दोनों देशों द्वारा सामना की गई सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में जापान के साथ यह युद्धाभ्यास बेहद ही महत्वपूर्ण और आवश्यक है।

भारत और जापान के मध्य अन्य युद्धाभ्यास

- मालाबार युद्धाभ्यास- यह एक त्रिपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और भारत स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होते हैं।
- जाइमैक्स (JIMEX)- यह भारत और जापान के मध्य एक द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास है।
- सहज-कैजीन- यह भारतीय तटरक्षक और जापान तट रक्षक बल के मध्य एक संयुक्त द्विपक्षीय युद्धाभ्यास है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- एच.टी.

5. **<u>टायफून हगिबिस, जापान से टकराया है।</u>**

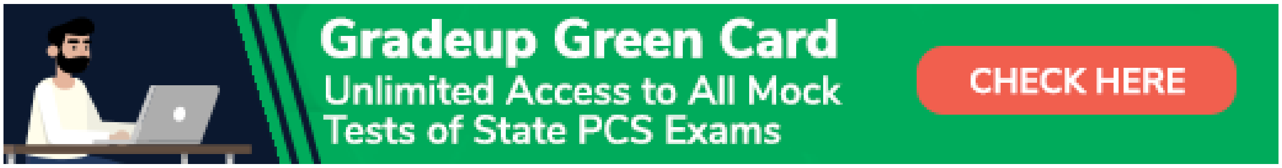

- टायफून हगिबिस के कारण बाढ़ और भूस्खलन आ गया है क्यों कि यह जापान तट से 225 कि.मी./ घंटा की सफ्तार से टकराया है।
- जापान के मुख्य द्वीप होंशू से टायफून हगिबिस के टकराने के बाद देश भर में 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

टाइफून हगिबिस

- पश्चिमी उत्तरी प्रशांत महासागर में चार उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण करने के लिए हगिबिस नाम का उपयोग किया जाता है। यह नाम फिलीपींस द्वारा दिया गया था और जिसका अर्थ "तेज़" या "गतिशील" होता है।
- टाइफून हगिबिस (2002)- एक सुपर टाइफून जिसने कभी भी जमीन को प्रभावित नहीं किया है।
- टाइफून हगिबिस (2007- 2007 सीज़न के दौरान आखिरी तूफानों में से एक था।
- उष्णकटिबंधीय तूफान हगिबिस- 2014 के शुरुआती दक्षिण-पश्चिम मानसून से बना था।
- टाइफून हगिबिस (2019)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- बी.बी.सी.

6. **<u>सरकारी कॉलोनियों की वेबसाइट में पर्यावरण संरक्षण के लिए मोबाइल ऐप, "एम.हरियाली" लॉन्च किया गया है।</u>**

- आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री हरदीप एस. पुरी ने 'एम.हरियाली' मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जो जनता के लाभ के लिए पेड़ लगाने और अन्य हरित गतिविधियों में सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
- लोग अब अपने द्वारा किए गए किसी भी वृक्षारोपण की जानकारी/ तस्वीरें अपलोड कर सकते हैं, जो ऐप से लिंक है और वेबसाइट gov.in पर प्रदर्शित की जाएंगी।
- यह ऐप पौधों की स्वचालित जियोटैगिंग की सुविधा प्रदान करता है।
- यह ऐप नोडल अधिकारियों को समय-समय पर वृक्षारोपण की निगरानी करने में भी सक्षम बनाएगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर-3–पर्यावरण जी.एस.-2- गवर्नेंस

स्रोत- ओडिशा डायरी

7. **<u>एड्स, तपेदिक और मलेरिया से निपटने हेतु वैश्विक कोष (जी.एफ.टी.ए.एम.)</u>**

- फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा है कि एड्स, तपेदिक और मलेरिया से निपटने हेतु वैश्विक कोष ने अगले तीन वर्षों के लिए कम से कम 13.92 बिलियन अमरीकी डालर जुटाए हैं।

संबंधित जानकारी

जी.एफ.टी.ए.एम.

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठन है जिसका गठन वर्ष 2002 में किया गया था।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- इसका उद्देश्य एच.आई.वी./ एड्स, तपेदिक और मलेरिया की महामारी को समाप्त करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों को आकर्षित करना, लाभ उठाना और निवेश करना है।
- यह सरकारों, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और बीमारियों से प्रभावित लोगों के मध्य एक साझेदारी है।
- यह संगठन 100 से अधिक देशों में स्थानीय विशेषज्ञों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक जुटाता और निवेश करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकानॉमिक्स टाइम्स

8. **<u>भारत ने आर.सी.ई.पी. ई-कॉमर्स अध्याय को खारिज किया है।</u>**

- भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के ई-कॉमर्स अध्याय को खारिज कर दिया है।

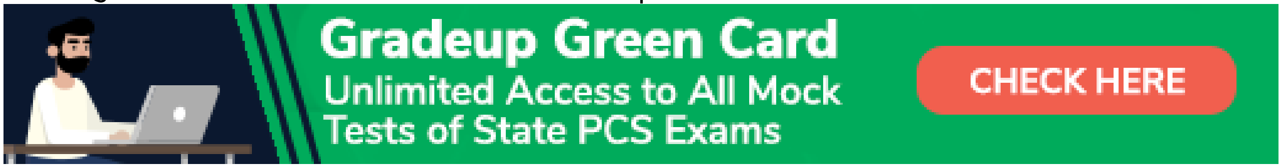

- ई-कॉमर्स अध्याय में शामिल खंड थे कि यदि भारत उनसे सहमत होता तो भारत में कारोबार करने वाली कंपनियों पर डेटा स्थानीयकरण के नियमों को लागू करने से रोकता।
- यदि भारत ई-कॉमर्स अध्याय के खंडों से सहमत नहीं था अब तो वार्ता एक उन्मत्त चरण में प्रवेश कर रही थी क्यों कि अभी भी इलेक्ट्रॉनिक जानकारी के सीमा पार हस्तांतरण से संबंधित कई अनिश्चितताएं थीं।
- भारत ने देश के भीतर कंप्यूटिंग सुविधाओं को स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था यदि इसका अर्थ प्रस्तावित क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर.सी.ई.पी.) व्यापार समझौते की वर्तमान में चल रही वार्ता में अपने आवश्यक सुरक्षा हितों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है।

पृष्ठभूमि

- भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने अपनी अप्रैल, 2018 की अधिसूचना में कहा है कि "सभी सिस्टम प्रदाता यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा संचालित भुगतान प्रणालियों से संबंधित संपूर्ण डेटा केवल भारत में एक प्रणाली में संग्रहीत होता हैं।"
- बाद में यह स्पष्ट किया गया था कि सीमा पार लेनदेन के मामले में घरेलू डेटा की एक प्रति विदेश में संग्रहीत की जा सकती है, जिसकी स्थिति को वित्तीय सेवा समझौता (एफ.एस.ए.) आंशिक रूप से खत्म कर देगा।

डेटा स्थानीयकरण

- यह किसी देश की सीमाओं के भीतर भौतिक रूप से मौजूद किसी भी उपकरण पर डेटा संग्रहीत करने का कार्य है।
- स्थानीयकरण यह शासनादेषित करता है कि उपभोक्ताओं के बारे में महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने वाली कंपनियों को उस डेटा को देश की सीमाओं के भीतर संग्रहीत और संसाधित करना होगा।
- डेटा स्थानीयकरण के पीछे का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों और निवासियों की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को विदेशी निगरानी से बचाना और आवश्यक होने पर डेटा के लिए कॉल करने हेतु स्थानीय सरकारों और विनियामकों को अधिकार क्षेत्र देना है।
- डेटा स्थानीयकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।
- स्थानीय रूप से डेटा का संग्रहण, कानून-प्रवर्तन एजेंसियों को जानकारी का उपयोग करने में मदद करने के लिए अपेक्षित है जो किसी अपराध का पता लगाने या सबूत इकट्ठा करने के लिए आवश्यक होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>कन्याश्री विश्वविद्यालय</u>**

- पश्चिम बंगाल सरकार ने लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए नाडिया जिले में कन्याश्री विश्वविद्यालय और पूरे राज्य में कन्याश्री कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया है।

संबंधित जानकारी

कन्याश्री योजना

- यह योजना पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वर्ष 2013 में लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई थी।
- 'कन्याश्रीप्रकल्प' उन लड़कियों की मदद करना चाहती है, विशेषकर सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित परिवारों से संबंधित है, यह सशर्त नकद हस्तांतरण के माध्यम से लड़कियों की स्थिति और भलाई में सुधार करना चाहती है।

उद्देश्य

- यह सुनिश्चित करना कि लड़कियां, स्कूलों में पढ़ती हों और 18 वर्ष की आयु तक उनका विवाह न हुआ हो।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

- लड़कियों को स्कूल से विश्वविद्यालय स्तर तक सशक्त बनाना जिससे कि वे स्वतंत्र महिला बन सकें।
- उन लड़कियों की मदद करना, जो विशेषकर सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित परिवारों से संबंधित है, यह सशर्त नकद हस्तांतरण के माध्यम से लड़कियों की स्थिति और भलाई में सुधार करना चाहता है।
- इस योजना में दो नकद हस्तांतरण घटक हैं

1. 750 रुपये का वार्षिक प्रोत्साहन 13 से 18 वर्ष की आयु की लड़कियों को दिया जाता है और कक्षा 8 में पढ़ती हैं, यह प्रोत्साहन राशि तब तक प्रदान की जाती है जब तक वे अपनी शिक्षा जारी रखती हैं-बशर्ते वे उस समय अविवाहित हों।
2. 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर लड़कियों को 25,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान भी दिया जाता है, बशर्ते कि वे एक शैक्षणिक या व्यावसायिक खोज में संलग्न हों और अविवाहित हों।

नोट:

- वर्ष 2017 में, कन्याश्री योजना ने अपनी कन्याश्री योजना के लिए संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार जीता था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

15.10.2019

1. **<u>डी.पी.आई.आई.टी. ने आई.पी.आर. के लिए वेबसाइट और मोबाइल ऐप लॉन्च किया है।</u>**

- उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आपई.टी.) ने बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) पर वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन एल.2प्रो इंडिया लॉन्च किया है।
- एल.2प्रो का पूरा नाम “लर्न टू प्रोटक्ट, सिक्योर एंड मैक्सिमम योर इनोवेशन” है।
- इस वेबसाइट और ऐप को क्वॉलकॉम और राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय (एन.एल.यू.), दिल्ली के सहयोग से आई.पी.आर. संवर्धन एवं प्रबंधन (सी.आई.पी.ए.एम.)- डी.पी.आई.आई.टी. की सेल द्वारा विकसित किया गया है।
- यह युवाओं, नवोन्मेषकों, उद्यमियों और लघु एवं मध्यम उद्योगों (एस.एम.ई.) को आईपीआर को समझने में सक्षम करेगा।

संबंधित जानकारी

आई.पी.आर. के संदर्भ में जानकारी:

- बौद्धिक संपदा अधिकार, व्यक्तियों को उनके मन की कृतियों पर दिए गए अधिकार हैं।
- ये सामान्यत: रचनाकार को एक निश्चित अवधि के लिए उसके निर्माण के उपयोग पर एक विशेष अधिकार प्रदान करते हैं।
- ये भारत और विदेशों में कानूनी रूप से संरक्षित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थशास्त्र

स्रोत- द इकोनॉमिक टाइम्स

2. **<u>पानी बचाओं, पैसा कमाओ योजना</u>**

- यह बिजली और पानी को बचाने के लिए नकद प्रोत्साहन योजना है जिसे हाल ही में, द रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज’ द्वारा मान्यता मिली है।
- पानी बचाओ, पैसा कमाओ योजना को पिछले वर्ष पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (PSPCL) द्वारा परीक्षण परियोजना के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इस योजना को अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं- अभिजीत बनर्जी, एस्थर डुफ्लो और माइकल क्रेमर द्वारा डिजाइन किया गया था।
- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने उनके काम को "नए प्रयोग-आधारित दृष्टिकोण" के रूप में वर्णित किया है, जिसने पंजाब में "विकसित अर्थशास्त्र" को परिवर्तित किया है।

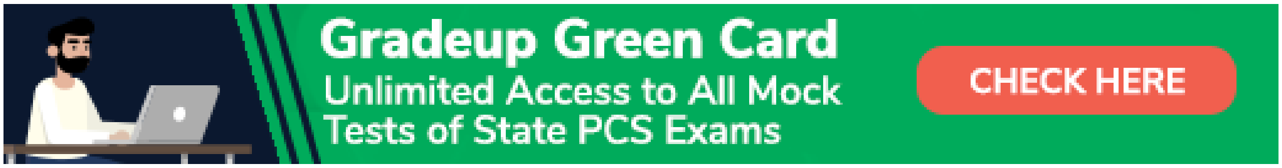

टॉपिक- सरकारी योजनाएँ, जी.एस. पेपर 1- भूगोल, जी.एस. पेपर 3-प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस

3. **भारत और नीदरलैंड ने लोटस-एच.आर. का दूसरा चरण शुरू किया है।**

- लोटस-एच.आर. का पूरा नाम, प्रयोग किए जा चुके स्वस्थ पौधों के लिए शहरी सीवेज धारा का स्थानीय उपचार है।
- यह परियोजना जुलाई, 2017 में शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य एक उपन्यास समग्र (अपशिष्ट) जल प्रबंधन दृष्टिकोण का प्रदर्शन करना है जो स्वच्छ जल का उत्पादन करेगा जिसका विभिन्न प्रयोजनों के लिए पुन: उपयोग किया जा सकता है।
- लोटस-एच.आर. परियोजना का संयुक्त रूप से जैव प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय) और नीदरलैंड्स सरकार के नीदीलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन/ एस.टी.डब्ल्यू. द्वारा समर्थन किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **प्रोजेक्ट बीहाइव (मधुमक्खी का छत्ता परियोजना)**

- 'प्रोजेक्ट बीहाइव' नामक कार्यक्रम सेना के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स (ई.एम.ई.) कोर के अंतर्गत एक केंद्रीकृत और स्वचालित प्रणाली होगी।
- यह स्वचालित कार्यक्रम भारतीय सेना को उसके टैंक, वाहनों, बंदूक और वायु संपत्ति के जीवन और वर्तमान स्थितियों और उनकी आगामी समस्याओं के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगा।
- इससे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का मुकाबला करने से लेकर पाकिस्तान और चीन के साथ सीमा पर तैनाती करने तक के ऑपरेशनों की बेहतर योजना बनाने और उसके बेहतर संचालन को अंजाम देने में मदद मिलेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **भारत की जनगणना 2021 के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षकों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण शुरू किया गया है।**

- भारत की जनगणना 2021 के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षकों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी (एन.एस.एस.टी.ए.), ग्रेटर नोएडा में शुरू किया गया है।
- यह प्रशिक्षण 14 अक्टूबर 2019 से 25 अक्टूबर 2019 तक होगा।

संबंधित जानकारी

भारत की जनगणना के संदर्भ में जानकारी

- भारत की जनगणना, समाज के प्रत्येक वर्ग से डेटा संग्रह का प्राथमिक स्रोत है।
- इस दशकीय गतिविधि को जारी रखते हुए वर्ष 2021 में 16वीं भारतीय जनगणना सम्पन्न की जानी है।
- प्रशिक्षण, क्षेत्र में जनगणना 2021 के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करके सफलतापूर्वक जनगणना करने का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षकों को अगले स्तर, जो कि मास्टर प्रशिक्षण तक प्रशिक्षण देने के लिए जनगणना और प्रशिक्षक विकास कौशल (टी.डी.एस.) दोनों के आधार पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **मुंबई की तीन विरासत स्थल संरचनाओं ने संरक्षण के लिए यूनेस्को पुरस्कार जीता है।**

- भारत की चार संरचनाओं में से मुंबई की तीन संरचनाएं यूनेस्को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शामिल की गई हैं।

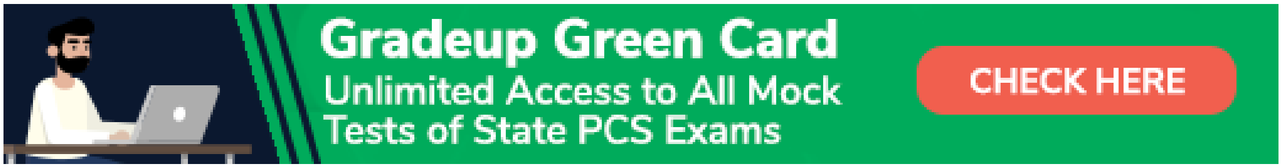

- पुरस्कार पाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद में विक्रम साराभाई प्रयोगशाला को शामिल किया गया है।
- मुंबई की तीन विरासत स्थल संरचनाएँ- फ़्लोरा फाउंटेन और फोर्ट में केनेसेथएलियाहू आराधनालय और बाइकुला में स्थित अवर लेडी ऑफ़ ग्लोरी चर्च हैं।

संबंधित जानकारी

फ्लोरा फाउंटेन के संदर्भ में जानकारी

- यह संरचना, वास्तुकला की विक्टोरियन शैली से प्रेरित है।
- यह बृहन्मुंबई नगर निगम (बी.एम.सी.) के स्वामित्व और रखरखाव में है।
- जुलाई, 2017 और अक्टूबर, 2018 के बीच इसका जीर्णोद्वार किया गया था।
- इसके जीर्णोद्धार कार्य का नेतृत्व संरक्षण वास्तुकार विकास दिलावरी और बी.एम.सी. विरासत स्थल विभाग द्वारा किया गया था।

केनेसेथएलियाहू आराधनालय के संदर्भ में जानकारी

- यह जैकब ससून (यहूदी) ट्रस्ट के स्वामित्व और रखरखाव में है।
- संरक्षण वास्तुकार आभा लांबा द्वारा फरवरी, 2018 और फरवरी, 2019 के मध्य इसका जीर्णोद्वार किया गया था।

अवर लेडी ऑफ ग्लोरी चर्च के संदर्भ में जानकारी

- यह चर्च के स्वामित्व और रखरखाव में है।
- वर्ष 2013 और 2019 के मध्य संरक्षण वास्तुकार डेविड कार्डोज़ द्वारा इसका जीर्णोद्वार किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति, जी.एस. पेपर 3- संरक्षण

स्रोत- द हिदुस्तान टाइम्स

7. **जे.एन.यू., प्राकृतिक उत्पादों में अनुसंधान हेतु नए केंद्र की स्थापना करेगा।**

- शीघ्र ही परजीवी रोगों के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक जांच केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) में शुरू किया जाएगा।
- केंद्र का मुख्य उद्देश्य परजीवी रोगों के खिलाफ नई दवाओं के रूप में भविष्य में अनुकूलन और पूर्व-नैदानिक और नैदानिक विकास के लिए संभावित उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए प्राकृतिक उत्पादों की जांच करना है।
- इसका अन्य उद्देश्य लक्ष्य-आधारित जांच करना है।
- इस केंद्र को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) द्वारा इसके प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण प्रभाग के अंतर्गत वित्त पोषित किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- स्वास्थ्य

स्रोत- डाउन टू अर्थ

16.10.2019

1. **वैश्विक हंगर रिपोर्ट में भारत बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल से पीछे खिसकर 102वें स्थान पर आ गया है।**

- वैश्विक हंगर रिपोर्ट में भारत नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश से पीछे खिसकर 117 देशों के सूचकांक 2019 में 102वें स्थान पर आ गया है।
- आयरिश सहायता एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मन संगठन वेल्ट हंगर हिलफे द्वारा संयुक्त रूप से यह रिपोर्ट तैयार की गई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 30.1 जी.एच.आई. स्कोर के साथ श्रेणी के अंत में "गंभीर" स्तर की भुखमरी से पीड़ित है।
- भारत में प्रत्येक पांच में से एक से अधिक बच्चा “कमजोर” (ऊंचाई के अनुरूप कम वजन) है, जो कि रिपोर्ट में किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है।
- भारत में बच्चों के मध्य कमजोरी (या ऊँचाई के अनुरूप कम वजन) का हिस्सा 2008-2012 में

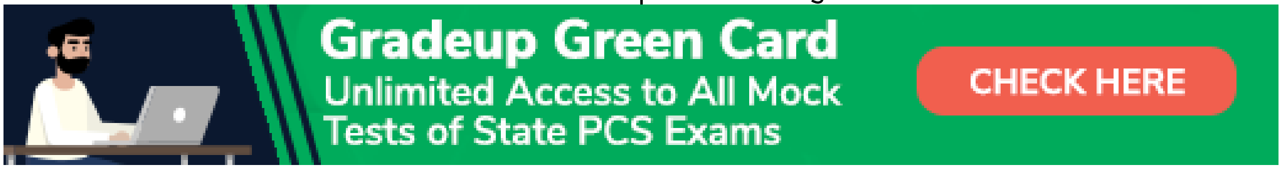

16.5 प्रतिशत से बढ़कर 2014-2018 में 20.8 प्रतिशत हो गया है।

- 6 से 23 महीने की आयु के सभी बच्चों का सिर्फ 9.6 प्रतिशत "न्यूनतम स्वीकार्य आहार" दिया जाता है।
- बेलारूस, यूक्रेन, तुर्की, क्यूबा और कुवैत सहित 17 देशों ने पांच से कम के जी.एच.आई. स्कोर के साथ शीर्ष रैंक साझा की है।
- पिछले वर्ष, सरकार ने आश्वासन दिया था कि वह वर्ष 2030 तक शून्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम कर रही है। वर्ष 2018 में, वैश्विक हंगर सूचकांक में भारत 119 देशों में से 103वें स्थान पर है।
- जी.एच.आई. स्कोर की गणना चार संकेतकों के आधार पर की जाती है-

1. कुपोषण
2. बच्चों मे कमजोरी, पांच वर्ष से कम आयु के कमजोर बच्चों का हिस्सा (ऊंचाई के अनुरूप कम वजन, तीव्र कुपोषण को दर्शाता है)

- बाल कमजोरी, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे जिनकी लंबाई उनकी आयु, तीव्र कुपोषण के कारण कम है।

1. बाल मृत्यु दर, पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर

टॉपिक-जी.एस.-2- आर्थिक विकास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>ऑपरेशन शांति स्प्रिंग</u>**

- हाल ही में, भारत ने तुर्की के एकतरफा सैन्य अभियान पर गहरी चिंता व्यक्त की है जिसे पूर्वोत्तर सीरिया में सीरिया कुर्द मिलिशिया के खिलाफ ऑपरेशन शांति स्प्रिंग कहा जाता है।

संबंधित जानकारी

ऑपरेशन के संदर्भ में जानकारी

- यह उत्तर-पूर्वी सीरिया में कुर्द नेतृत्व वाली सेनाओं के खिलाफ तुर्की का सैन्य अभियान है।
- यह कदम अमेरिकी सैनिकों के बाद उठाया गया था, जो सीरिया में सीमा क्षेत्र से हटाने के लिए इस्लामिक स्टेट (आई.एस.) समूह को सीमा क्षेत्र से हटाने के लिए कुर्दों पर निर्भर थे।

कुर्द के संदर्भ में जानकारी

- वे मेसोपोटामिया के मैदानी इलाकों और उन पहाड़ी इलाकों के स्थानीय लोगो में से एक है, जिनकी आबादी चार देशों ईरान, इराक, तुर्की और सीरिया से अधिक है।
- सीरिया की आबादी का 7% से 10% के बीच कुर्द हैं।
- दशकों तक, उन्हें राष्ट्रपति बशर अल-असद द्वारा और उनके पिता हाफ़ेज़ द्वारा उनके मूल अधिकारों को दबा दिया गया और उन्हें अस्वीकार कर दिया गया था।
- आज, वे एक विशिष्ट समुदाय बनाते हैं, जो नस्ल, संस्कृति और भाषा के माध्यम से एकजुट होते हुए भी उनकी कोई मानक बोली नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत और नीदरलैंड ने लोटस-एच.आर. का दूसरा चरण शुरू किया है।</u>**

- भारत और नीदरलैंड ने संयुक्त सहयोग के एक भाग के रूप में प्रयोग किए जा चुके स्वस्थ पौधों के लिए शहरी सीवेज धारा का स्थानीय उपचार (लोटस-एच.आर.) का दूसरा चरण शुरू किया है।

संबंधित जानकारी

लोटस-एच.आर. परियोजना के सदर्भ में जानकारी

- इस परियोजना को जुलाई, 2017 में शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य एक उपन्यास समग्र (अपशिष्ट) जल प्रबंधन दृष्टिकोण प्रदर्शित करना है जो स्वच्छ पानी का उत्पादन करेगा जो विभिन्न प्रयोजनों के लिए पुन: उपयोग किया जा सकता है।
- इस परियोजना का उद्देश्य शहरी अपशिष्ट जल से पोषक तत्वों और ऊर्जा को एक साथ प्राप्त

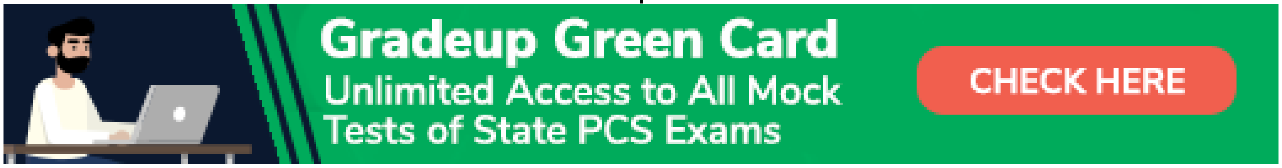

करना है और इस प्रकार नाली को लाभदायक खानों में परिवर्तित करना है।
- यह भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नीदरलैंड सरकार के नीदरलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है।
- इस परियोजना का स्थान बारापुल्ला जलनिकासी प्रणाली, नई दिल्ली में स्थिति है और परियोजना में भागीदार आई.आई.टी.-दिल्ली और ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.एच.

4. **विज्ञान ज्योति**

- केंद्र सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस.टी.ई.एम.) में रुचि रखने वाली छात्राओं की मदद करने के लिए विज्ञान ज्योति नामक एक कार्यक्रम की योजना बनाई है।
- इस कार्यक्रम को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस.टी.ई.एम.) में महिलाओं के कम प्रतिशत की पृष्ठभूमि में शुरू किया जाना है।

कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- इस कार्यक्रम का लक्ष्य 2020-2025 तक 550 जिलों में 100 छात्राओं को टैप करना है।
- यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में आता है।
- इस कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक की उन छात्राओं को शामिल किया जाएगा जो उनके प्रतिशत के आधार पर चुनी गई थीं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **एक राष्ट्र, एक फास्टैग**

- केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री, नई दिल्ली में एक राष्ट्र, एक फास्टैग पर एक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।
- यह सम्मेलन पूरे देश में एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग सॉल्यूशन लाने के लिए राज्य विभागों और अन्य एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करेगा।
- इसका मतलब यह होगा कि विभिन्न राज्यों और एजेंसियों और अन्य संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत देश के प्रत्येक टोल प्लाजा पर वाहन की विंडस्क्रीन पर समान फास्टैग का उपयोग किया जा सकेगा।
- यह देश भर में उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

फास्टैग के संदर्भ में जानकारी

- यह एक पुनः लोड करने योग्य टैग है जो बिना नकद लेनदेन के लिए टोल पर रूकने के बिना टोल की स्वत: कटौती की अनुमति देता है।
- टैग, एक प्रीपेड खाते से जुड़ा होता है जिसमें से लागू टोल राशि काटी जाती है।
- यह रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक का उपयोग करता है और एक बार सक्रिय होने पर इसे वाहन की विंडस्क्रीन पर लगाया जाता है।
- रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID), किसी ऑब्जेक्ट पर लगे टैग पर संग्रहीत जानकारी को पढ़ने और कैप्चर करने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करना है।
- टैग पांच साल के लिए वैध होता है और सात अलग-अलग रंगों- बैंगनी, नारंगी, पीला, हरा, गुलाबी, नीला, काला रंग का होता है और प्रत्येक रंग के टैग को वाहनों की एक विशेष श्रेणी पर लगाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना**

- प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत स्नातक अध्ययन करने के लिए जम्मू और

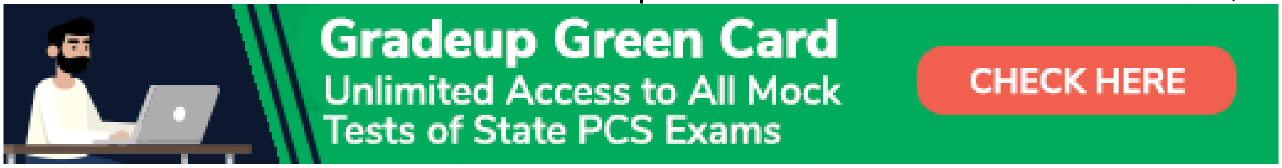

कश्मीर के लगभग 4,500 छात्रों ने देश भर के कॉलेजों में अर्जी दी है जो कि छह वर्षों में सबसे अधिक है।

संबंधित जानकारी

योजना के संदर्भ में जानकारी

- यह योजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन है जिसे 2011 में शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के युवाओं को राज्य के बाहर के शिक्षण संस्थानों से उच्च शिक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- यह एक मेरिट आधारित कार्यक्रम है जो देश भर के कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों में जम्मू-कश्मीर के छात्रों को प्रवेश देता है और उनके ट्यूशन, बोर्ड, पुस्तकों और अन्य घटनाओं के लिए भुगतान करता है।
- इस योजना के अंतर्गत इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, फार्मेसी, होटल प्रबंधन, कृषि, वास्तुकला और वाणिज्य जैसे क्षेत्रों में स्नातक अध्ययन करने के लिए प्रत्येक वर्ष 5,000 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं।
- इस वर्ष जम्मू और कश्मीर के छात्रों की सबसे बड़ी संख्या महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में पढ़ रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **बाउल उत्सव**

- हाल ही में, भारत और बांग्लादेश के बाउलों के प्रदर्शन द्वारा ढाका में तीन दिवसीय बाउल उत्सव का समापन हुआ है।

संबंधित जानकारी

बाउल के संदर्भ में जानकारी

- वे ग्रामीण बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में रहने वाले गवैया हैं।
- बाउल संगीत, एक विशेष प्रकार के लोक गीत का प्रतिनिधित्व करता है, जो हिंदू भक्ति आंदोलनों के प्रभाव के साथ-साथ शुफी का भी प्रदर्शन करते है, जो सूफी गीत का एक रूप है।
- बाउल हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, बंगाली, वैष्णववाद और सूफी इस्लाम से प्रभावित एक अपरंपरागत भक्ति परंपरा से संबंधित हैं जो अभी तक उनसे अलग हैं।
- वर्ष 2005 में, बांग्लादेश की बाउल परंपरा को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची की सूची में शामिल किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- डी.डी. न्यूज

8. **वज्र प्रहार युद्धाभ्यास**

- भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास 'वज्र प्रहार' का 10वां संस्करण सीटल में संयुक्त बेस लुईस-मैककॉर्ड (जे.बी.एल.एम.) में आयोजित किया जाएगा।

युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत और अमेरिका में एकांतर क्रम से आयोजित किया जाने वाला एक विशेष बल संयुक्त प्रशिक्षण युद्धाभ्यास है।
- यह युद्धाभ्यास संयुक्त मिशन योजना क्षमताओं और परिचालन रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभव को साझा करने में सक्षम बनाएगा।

नोट:

- 'युध अभ्यास' भारतीय और अमेरिका के बीच एक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण युद्धाभ्यास है जो संयुक्त बेस लुईस-मैककॉर्ड में हुआ था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-ए.आई.आर.

9. **मैन बुकर पुरस्कार 2019**

- मार्गरेट एटवुड और बर्नार्डिन एवारिस्टो को संयुक्त रूप से मैन बुकर पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है।

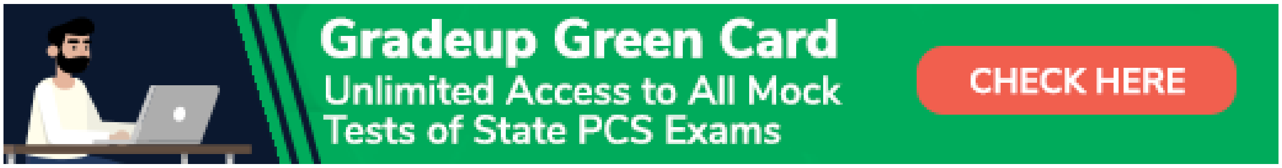

- कनाडाई लेखक मार्गरेट एटवुड को उपन्यास श्रेणी में 'द टेस्टामेंट' पुस्तक के लिए सम्मानित किया गया है।
- बर्नार्डिन एवरिस्टो, वर्ष 1969 में अपनी पुस्तक 'गर्ल, वुमन, अदर' के लिखने के बाद प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं हैं।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- लाइव मिंट

10. **<u>अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार 2019</u>**

- 2019 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा अभिजीत बनर्जी, एस्थर डुफ्लो और माइकल क्रेमर को प्रदान किया गया है।
- उन्हें वैश्विक गरीबी को कम करने के लिए अपने प्रयोगात्मक दृष्टिकोण हेतु यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है।

उनके काम के संदर्भ में जानकारी

- तीन अर्थशास्त्रियों के काम ने दिखाया था कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में छोटे और अधिक सटीक प्रश्नों में तोड़कर गरीबी की समस्या से कैसे निपटा जा सकता है, जिससे समस्याओं से निपटना आसान हो जाता है।
- ये शोध कार्य नीति निर्माण पर महत्वपूर्ण प्रभाव दर्शाते हैं।
- उपचारात्मक प्रशिक्षण के आसपास के अनुसंधान ने बड़े पैमाने पर समर्थन कार्यक्रमों के लिए तर्क दिए है जो अब भारत में 5 मिलियन बच्चों तक पहुंच गए हैं।
- उनके अध्ययनों से पता चला है कि स्वच्छता स्कूल के बच्चों को स्पष्ट स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है लेकिन माता-पिता भी बहुत संवेदनशील होते हैं।
- इससे डब्ल्यू.एच.ओ. ने सिफारिश की थी कि उन क्षेत्रों में 800 मिलियन से अधिक स्कूली बच्चों को मुफ्त में दवा वितरित की जानी चाहिए, जहां 20% से अधिक क्षेत्रों में एक विशिष्ट प्रकार का परजीवी कृमि संक्रमण है।
- उनके अध्ययनों ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारी सब्सिडी का मार्ग प्रशस्त किया जो कई देशों में पेश किया गया है।

नोट:

- अमर्त्य सेन ने कल्याणकारी अर्थशास्त्र में अपने योगदान के लिए 1998 में अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में अर्थशास्त्र विज्ञान में सिवेरिक्सबैंक पुरस्कार प्राप्त किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

11. **<u>ब्ल्यूटॉन्ग (बी.टी.) वायरस</u>**

- पशुपालन विभाग ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा विकसित दो नैदानिक किट जारी किए हैं।
- वे ब्लूटॉन्ग सैंडविच एलिसा (sELISA) और जापानी एन्सेफलाइटिस आईजी.एम. एलिसा किट हैं जो स्वाइन और एंटीजेन एलिसा की जांच के नियंत्रण के लिए हैं।

ब्लूटॉन्ग वायरस के संदर्भ में जानकारी

- यह घरेलू और जंगली जुगाली करने वाला कीटों से फैलने वाला विषाणुजनित रोग है जिसमें कैमलिड प्रजाति शामिल है।
- यह बीमारी देश में भेड़, बकरियों, मवेशियों, भैंसों और ऊंटों के बीच व्यापक रूप से फैली है।
- किट "ब्लुएटॉन्ग: एंटीजन का पता लगाने हेतु सैंडविच एलिसा" की मदद से, ब्लूसेटॉन्ग वायरस को अतिसंवेदनशील जानवरों, वेक्टर नियंत्रण और संक्रमित जानवरों के संगरोध के टीकाकरण औरबेहतर प्रबंधन प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जा सकता है।

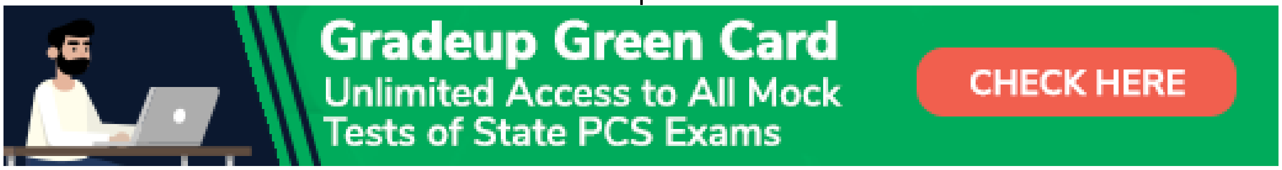

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य

स्रोत- पी.आई.बी.

17.10.2019

1. **GOAL (गोइंग ऑनलाइल ऐज लीडर्स) का दूसरा चरण**

- केंद्रीय जनजातीय मंत्री ने GOAL (गोइंग ऑनलाइल ऐज लीडर्स) के दूसरे चरण की घोषणा की है।
- कार्यक्रम का पहला चरण मार्च, 2019 में शुरू किया गया था।

संबंधित जानकारी

GOAL कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- यह एक फेसबुक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य पूरे भारत की आदिवासी लड़कियों को उनके समुदायों के लिए ग्रामीण स्तर के डिजिटल युवा नेता बनने के लिए प्रेरित करना, मार्गदर्शन करना और प्रोत्साहित करना है।
- यह कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता, नेतृत्व, जीवन कौशल और उद्यमिता कौशल प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करता है।
- कार्यक्रम का लाभार्थी बनने के लिए:

1. लड़की की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और वह स्कूल की शिक्षा पूरी कर चुकी होनी चाहिए।
2. लड़की, आदिवासी मूल की होनी चाहिए।
3. यह अधिक महिलाओं को ऑनलाइन और डिजिटल सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाकर डिजिटल लिंग अंतर को समाप्त करने में भी मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **समुद्री राज्य विकास परिषद**

- हाल ही में, समुद्री राज्य विकास परिषद की 17वीं बैठक में शिपिंग मंत्रालय, देश के प्रमुख और लघु बंदरगाहों के मध्य तालमेल के आधार पर राष्ट्रीय बंदरगाह ग्रिड को विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है।
- देश में 204 लघु बंदरगाह हैं, जिनमें से केवल 44 बंदरगाह वर्तमान में संचालन में हैं।

संबंधित जानकारी

परिषद के संदर्भ में जानकारी

- यह समुद्री क्षेत्र के विकास के लिए एक सर्वोच्च सलाहकार निकाय है और इसका उद्देश्य प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों का समाकलित विकास सुनिश्चित करना है।
- मई, 1997 में सापेक्षिक समुद्री राज्यों द्वारा या तो प्रत्यक्ष रूप से या बंदी उपयोकर्ताओं और निजी भागीदारी के माध्यम से वर्तमान में मौजूदा और नए लघु बंदगाहों का भविष्य में विकास करने हेतु राज्य सरकारों के साथ परामर्श करने के लिए इसे स्थापित किया गया था।
- इसके अतिरिक्त, एम.एस.डी.सी. भी समुद्री राज्यों में लघु बंदरगाहों, बंदी बंदरगाहों और निजी बंदरगाहों के विकास की निगरानी करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **खाद्य सुरक्षा मित्र योजना**

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) की पूर्व संध्या पर खाद्य सुरक्षा मित्र योजना, ईट राइट जैकेट और ईट राइट झोला का शुभारंभ किया है।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने खाद्य सुरक्षा मित्र योजना शुरू की है जिसके माध्यम से यह जमीनी स्तर पर खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के साथ प्रेरित व्यक्तियों को संलग्न करने की योजना है।

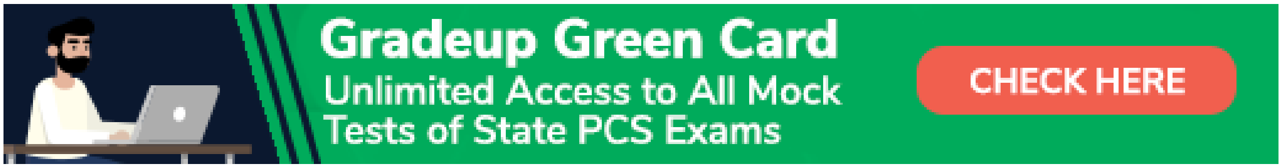

खाद्य सुरक्षा मित्र

- ये एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा प्रमाणित व्यक्तिगत पेशेवर हैं जो एफ.एस.एस. अधिनियम, नियमों और विनियमों से संबंधित तीन अवतारों- डिजिटल मित्र, ट्रेनर मित्र और स्वच्छता मित्र से संबंधित अनुपालन में सहायता करते हैं जो उनकी संबंधित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर निर्भर करता है।

ईट राइट झोला

- मंत्री ने ईट राइट झोला भी लॉन्च किया है जो एक पुन: प्रयोज्य, धोने योग्य और जैव-अपघटनीय झोला है।

ईट राइट जैकेट

- पारदर्शी निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए भारत के एफ.एस.एस.ए.आई. कर्मियों को एक पहचान देने के लिए ईट राइट स्मार्ट जैकेट की शुरुआत की गई है।
- इसमें एक आर.एफ.आई.डी. टैग और क्यू.आर. कोड एम्बेडेड है जो निगरानी के लिए परिसर में प्रवेश करने वाले निरीक्षण कर्मियों के प्रवेश को दर्ज करने वाले एक सॉफ्टवेयर से लिंक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>वर्ष 2019 की स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन रिपोर्ट</u>**

- स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन रिपोर्ट 2019, संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष द्वारा जारी की गई है।
- यह बाल पोषण पर 20 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष की पहली रिपोर्ट है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें

- रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि पूरे विश्व में लगभग 200 मिलियन बच्चों में पांच वर्ष से कम आयु के तीन बच्चों में से एक बच्चा या तो कुपोषित या अधिक वजन का है।
- भारत में प्रत्येक दूसरा बच्चा कुपोषण के किसी न किसी रूप से प्रभावित है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि 35% भारतीय बच्चे पोषण की कमी के कारण वृद्धि में रूकावट से पीड़ित हैं, 17% कमजोरी से पीड़ित हैं, 33% बच्चे कम वजन के और 2% बच्चे अधिक वजन के हैं।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में वर्ष 2016 से 2018 तक बच्चों में वृद्धि में रूकावट और कमजोरी के मामलों में 7 प्रतिशत की कमी आई है और कम वजन वाले बच्चों की संख्या 2.3 प्रतिशत कमी हुई है।
- रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बच्चे के जीवन के शुरुआती दिनों से खराब खानपान और पोषण का चलन शुरू होता है।
- यह कहा गया कि स्तनपान, जीवन बचा सकता है, लेकिन छह महीने से कम आयु के केवल 42% बच्चे विशेष रूप से स्तनपान कर रहे हैं।
- भारत में वर्ष 2018 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मौत के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं, इसके बाद नाइजीरिया, पाकिस्तान और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का स्थान है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष

- संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष, मूल रूप से संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष के रूप में जाना जाता है।
- यह 1946 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बनाया गया था।
- इसका मुख्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) का एक विशेष कार्यक्रम है जो बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सामान्य कल्याण में सुधार करने के लिए राष्ट्रीय प्रयासों को सहायता प्रदान करने हेतु समर्पित है।

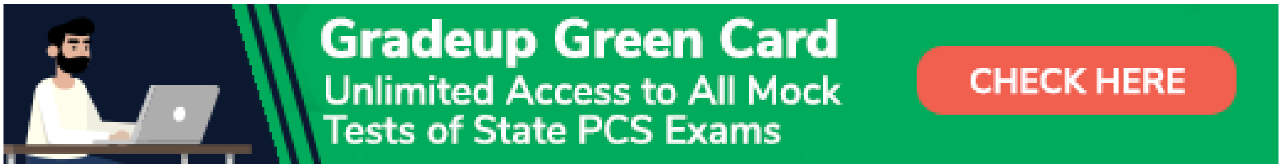

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **खोन रामलीला**

- उत्तर प्रदेश सरकार का संस्कृति विभाग, थाईलैंड सरकार के सहयोग से विश्व-प्रसिद्ध खोन रामलीला का देश का पहला प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है, जो थाईलैंड की रामलीला कला का एक नकाबपोश रूप है।

संबंधित जानकारी

खोन रामलीला

- यह थाईलैंड की रामलीला कला का एक नकाबपोश रूप है जिसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है।
- इसमें कोई संवाद नहीं होता है और पृष्ठभूमि की आवाज़ें रामायण की पूरी कहानी बयान करती हैं।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची

- यूनेस्को की प्रतिष्ठित सूची, उन अमूर्त विरासत तत्वों से मिलकर बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने में मदद करते हैं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।
- यह सूची वर्ष 2008 में स्थापित की गई थी, जब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु सम्मेलन लागू किया गया था।
- इसमें पूरे विश्व की महत्वपूर्ण अमूर्त सांस्कृतिक विरासत शामिल हैं।
- इसके दो भाग हैं:
- मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची
- तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता वाली अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कलाएवं संस्कृति

स्रोत-ए.आई.आर.

6. **भारत और जापान ने संयुक्त वायुसेना युद्धाभ्यास "शिन्यू मैत्री" शुरू किया है।**

- 17 से 23 अक्टूबर तक भारतीय वायु सेना, जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जे.ए.एस.डी.एफ.) के साथ एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास "शिन्यू मैत्री" करेगी।
- यह युद्धाभ्यास पश्चिम बंगाल के पनागढ़ शहर में वायु सेना स्टेशन, अर्जन सिंह में आयोजित किया जाएगा।
- आई.ए.एफ. के विशेष संचालन स्क्वाड्रन के सी.-130 जे. विमान और जे.ए.एस.डी.एफ. के सामरिक एयरलिफ्ट स्क्वाड्रन के सी.-130 एच. इस युद्धाभ्यास में भाग लेंगे।
- यह युद्धाभ्यास दोनों सेनाओं के मध्य संयुक्त गतिशीलता और सामरिक अंतर को पूरा करने पर केंद्रित होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

7. **आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 'वाई.एस.आर. राइतू भरोसा- पी.एम. किसान' योजना शुरू की है।**

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी ने नेल्लोर के काकुटुरु गांव में विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय परिसर में 'वाई.एस.आर. राइतू भरोसा- पी.एम. किसान' योजना शुरू की है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य सरकार राज्य में किसानों को 13,500 रुपये की इनपुट सब्सिडी प्रदान करेगी।
- इस धनराशि में से केंद्र द्वारा पी.एम. किसान योजना के अंतर्गत 6000 रुपये का योगदान दिया जाएगा।
- यदि किसी किसान की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो सात लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

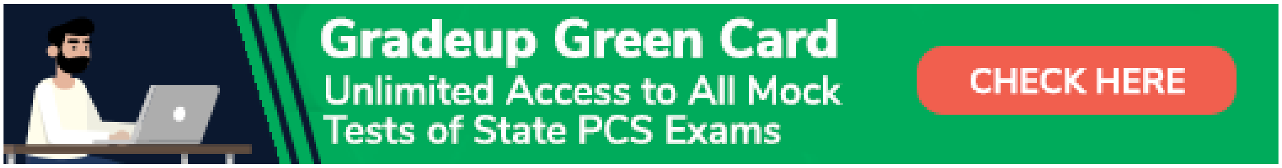

- यदि किसी गाय या भैंस की मृत्यु हो जाती है तो 15000 रुपये से लेकर 30000 रुपये तक के मुआवजे का भुगतान किया जाएगा।
- यदि बकरी या भेड़ की मृत्यु हो जाती है तो 6000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

8. **सांस्कृतिक विरासत संरक्षण हेतु यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार**

- हाल ही में, भारत ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण हेतु चार यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार जीते हैं।
- मलेशिया के पेनांग में आयोजित एक समारोह में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पुरस्कारों हेतु यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कारों की घोषणा की गई।
- ये पुरस्कार हैं :

1. विशिष्टता का पुरस्कार: विक्रम साराभाई पुस्तकालय, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
2. मेरिट का पुरस्कार: (i) केनेसेथ एलियाहू आराधनालय, मुंबई और (ii) अवर लेडी ऑफ ग्लोरी चर्च, मुंबई दोनो का प्रदान किया गया है।
3. प्रतिष्ठित उल्लेख: द फ्लोरा फाउंटेन, मुंबई

संबंधित जानकारी

यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार

- इसकी स्थापना वर्ष 2000 में की गई थी।
- यह निजी व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों को पहचानता है जिन्होंने इस क्षेत्र में विरासत मूल्य की संरचनाओं और भवनों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया है।
- इसका उद्देश्य अन्य संपत्ति मालिकों को अपने समुदायों के अंतर्गत या तो स्वतंत्र रूप से या पी.पी.पी. (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) द्वारा संरक्षण परियोजनाएं शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाएं**

- लंदन के जूलॉजिकल सोसाइटी ने घोषणा की है कि लंदन के चिड़ियाघर में, एक फर्न ने एक मेडेनहेयर फर्न, पेटे में माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाएं स्थापित करने के बाद अपनी सेल्फी लेना शुरू कर दिया है।

संबंधित जानकारी

माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाएं

- ये वे उपकरण हैं जो कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ का ऑक्सीकरण करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में जीवाणु का उपयोग करते हैं और धारा उत्पन्न करते हैं।

अनुप्रयोग

- इसका उपयोग जैविक उपचार हेतु एक वैकल्पिक विधि के रूप में किया जा सकता है।
- यह एक जैव सेंसर के रूप में भी कार्य करता है, यह अपशिष्ट जल की विलेय सांद्रता को माप सकता है।
- अपशिष्ट पदार्थों से कम लागत वाली बिजली का उत्पादन कर सकता है।
- इसका उपयोग अपशिष्ट-जल उपचार में किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

10. **यू.ए.ई. ने विश्व में स्नातक स्तर के पहले अनुसंधान-आधारित ए.आई. विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है।**

- यू.ए.ई. ने मोहम्मद बिन जायद कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वविद्यालय (MBZUAI) की स्थापना करने की घोषणा की है, जो विश्व में पहला स्नातक-स्तर का अनुसंधान-आधारित ए.आई. विश्वविद्यालय होगा।
- MBZUAI स्नातक छात्रों, व्यवसायियों और सरकारों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र को उन्नत करने में सक्षम बनाएगा।

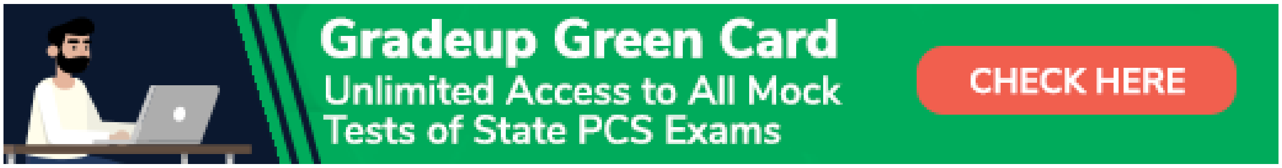

- इस विश्वविद्यालय का नाम अबू धाबी के युवराज और यू.ए.ई. सशस्त्र बलों के उप सर्वोच्च कमांडर, शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने राष्ट्र को भविष्य में ले जाने हेतु ज्ञान और वैज्ञानिक सोच के माध्यम से यू.ए.ई. के मानव पूंजी के विकास के लिए लंबे समय तक वकालत की है।
- MBZUAI, ए.आई. के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान का एक नया मॉडल पेश करेगा, जो छात्रों और संकायों को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अपनी क्षमता दिखाने हेतु विश्व के कुछ सबसे उन्नत ए.आई. प्रणालियों तक पहुंच प्रदान करेगा।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओंहेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- ए.आई.आर.

18.10.2019

1. **<u>इंडिया इनोवेशन इंडेक्स 2019</u>**

- नीति आयोग ने इंस्टीट्यूट फॉर कम्पटीटिवनेस के साथ इंडिया इनोवेशन इंडेक्स (III) 2019 जारी किया है।

सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- नीति आयोग ने ज्ञान के भागीदार के रूप में इंस्टीट्यूट फॉर कम्पटीटिवनेस के साथ इंडिया इनोवेशन इंडेक्स 2019 जारी किया है।
- इस सूचकांक का उद्देश्य पोर्टल के माध्यम से नवाचारों पर भारतीय राज्यों को स्थान प्रदान करना है जो नवाचार पर सभी राज्यों से डेटा कैप्चर करेगा और इसे नियमित रूप से वास्तविक समय में अपडेट करेगा।
- इस सूचकांक का उद्देश्य एक समग्र उपकरण का निर्माण करना है जिसका उपयोग देश भर में नीति निर्माताओं द्वारा किया जा सकता है जिससे कि उन चुनौतियों का पता लगाया जा सके और अपने क्षेत्रों के लिए आर्थिक विकास नीतियों को डिजाइन करते समय निर्माण करने के लिए चुनौतियों का सामना किया जा सके।
- राज्यों को तीन श्रेणियों: प्रमुख राज्य, उत्तर-पूर्व और पहाड़ी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश/ शहर-राज्य/ छोटे राज्यों में विभाजित किया गया है।
- इंडिया इनोवेशन इंडेक्स 2019 की गणना उसके दो आयामों के स्कोर के औसत के रूप में की जाती है
- समर्थक
- प्रदर्शन
- समर्थक, वे कारक हैं जो नवाचार क्षमताओं को समर्थन प्रदान करते हैं, जिन्हें पाँच स्तंभों में वर्गीकृत किया गया है:

1. मानव पूंजी
2. निवेश
3. ज्ञान कार्यकर्ता
4. व्यावसायिक वातावरण
5. सुरक्षा और कानूनी वातावरण

प्रदर्शन आयाम, उन लाभों को प्राप्त करता है जो एक देश इनपुट से प्राप्त करता हैं, जिसे दो स्तंभों में विभाजित किया गया हैं:

- ज्ञान आउटपुट
- ज्ञान प्रसार

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- कर्नाटक, प्रमुख राज्यों की श्रेणी में समग्र रैंकिंग में अग्रणी राज्य है।
- समग्र रैंकिंग में कर्नाटक का प्रथम स्थान आंशिक रूप से प्रदर्शन आयाम में अपने शीर्ष स्थान हेतु जिम्मेदार है और इसके अतिरिक्त ढांचा, ज्ञान कार्यकर्ता, ज्ञान आउटपुट और व्यवसायिक वातावरण में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में भी है।
- प्रमुख राज्यों की श्रेणी में, महाराष्ट्र ने समर्थकों के आयाम में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है।
- सिक्किम और दिल्ली ने क्रमश: पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों/ शहर-

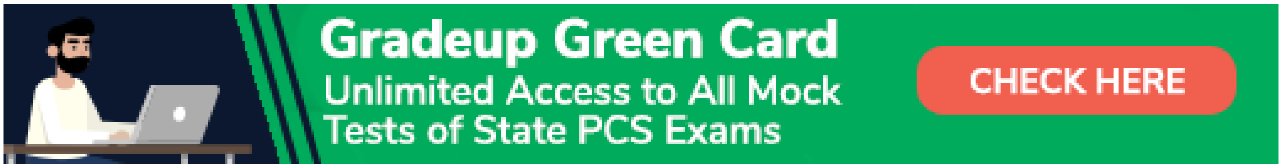

राज्यों/ छोटे राज्यों के मध्य क्रमशः शीर्ष स्थान प्राप्त किए हैं।

संबंधित जानकारी

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2019

- हाल ही में, भारत पिछले वर्ष 57वें स्थान की तुलना में वर्ष 2019 में पांच स्थानों की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर आ गया है।
- जी.आई.आई. रैंकिंग प्रत्येक वर्ष कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, इनसीड और संयुक्त राष्ट्र विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू.आई.पी.ओ.) और जी.आई.आई. नॉलेज पार्टनर्स द्वारा प्रकाशित की जाती है।
- स्विट्जरलैंड ने सूचकांक में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **पूर्व ईस्टर्न ब्रिज-V: भारत-ओमान संयुक्त वायु सेना युद्धाभ्यास**

- भारतीय वायु सेना, वायु सेना स्टेशन मसिराह में रॉयल एयर फोर्स ओमान के साथ द्विपक्षीय संयुक्त युभ्यास में भाग ले रही है, जिसका नाम पूर्व ईस्टर्न ब्रिज-V है।

संबंधित जानकारी

युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- पूर्व ईस्टर्न ब्रिज-IV 2017 नामक पिछला युद्धाभ्यास जामनगर में आयोजित किया गया था।
- यह युद्धाभ्यास दोनो वायु सेनाओं के मध्य आपसी संचालन के दौरान अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाएगा और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने का अवसर प्रदान करेगा।
- द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अतिरिक्त यह वायु-योद्धाओं को अंतर्राष्ट्रीय वातावरण में संचालन करने का एक अच्छा अवसर भी प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **कतर ने कफाला प्रणाली के उन्मूलन की घोषणा की है।**

- कतर ने शेष सभी श्रमिकों के कफाला प्रणाली के उन्मूलन का विस्तार करने की घोषणा की है।
- कतर ने 2022 विश्व कप की मेजबानी के रूप में अपने चयन के बाद से श्रम सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है।

संबंधित जानकारी

कफला प्रणाली के संदर्भ में

- पश्चिमी एशिया के कई देशों में नियोक्ताओं और प्रवासी श्रमिकों के बीच संबंधों को विनियमित करने के लिए 1950 में कफाला (प्रायोजन के लिए अरबी शब्द) प्रणाली का उदय हुआ था।
- यह बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) देशों में और जॉर्डन और लेबनान के अरब राज्यों में भी नियमित अभ्यास में बनी हुई है।
- प्रायोजन प्रणाली का आर्थिक उद्देश्य अस्थायी, गतिशील श्रमिक प्रदान करना था जिसे तेजी से आर्थिक उछाल के दौर में देश में लाया जा सकता था और कम समृद्ध अवधि के दौरान निष्कासित किया जा सकता था।
- कफाला प्रणाली के अंतर्गत, एक प्रवासी श्रमिक की आव्रजन स्थिति, कानूनी रूप से एक व्यक्तिगत नियोक्ता या प्रायोजक (कफील) तक उनकी अनुबंध अवधि के लिए बाध्य होती है।
- प्रवासी श्रमिक, देश में प्रवेश नहीं कर सकता है, काफीले की स्पष्ट लिखित स्वीकृति प्राप्त किए बिना किसी भी कारण से न तो देश छोड़ सकता है न ही रोजगार स्थानांतरित कर सकता है।
- इस अभ्यास की मानवाधिकार संगठनों द्वारा श्रमिकों के शोषण के आसान अवसरों के निर्माण के लिए आलोचना की गई है क्यों कि बहुत से नियोक्ता पासपोर्ट निकाल रख लेते हैं और

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

कानूनी प्रतिक्रिया की कम संभावना के साथ अपने श्रमिकों का शोषण करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- अल जजीरा

4. **<u>20वीं पशुधन जनगणना</u>**

- मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने 20वीं पशुधन जनगणना रिपोर्ट जारी की है।
- यह जनगणना केवल नीति निर्माताओं के लिए ही नहीं बल्कि कृषकों, व्यापारियों, उद्यमियों, डेयरी उद्योग और आम जनता के लिए भी फायदेमंद साबित होगी।

20वीं पशुधन की जनगणना के प्रमुख परिणाम:

- देश में कुल पशुधन आबादी 78 मिलियन है, जो पशुधन जनगणना-2012 की तुलना में 4.6% की वृद्धि दर्शाता है।
- वर्ष 2019 में कुल गोजातीय जनसंख्या (मवेशी, भैंस, मिथुन और याक) 79 मिलियन है जो पिछली जनगणना से लगभग 1% की वृद्धि दर्शाता है।
- वर्ष 2019 में देश में मवेशियों की कुल संख्या 49 मिलियन है, जो पिछली जनगणना से 0.8% की वृद्धि दर्शाता है।
- मादा मवेशी (गायों की आबादी) 12 मिलियन है, जो पिछली जनगणना (2012) से 18.0% की वृद्धि दर्शाते हैं।
- देश में विदेशी/ क्रॉसब्रेड और स्वदेशी/अवर्गीकृत मवेशी आबादी क्रमशः 42 मिलियन और 142.11 मिलियन है।
- पिछली जनगणना की तुलना में वर्ष 2019 में स्वदेशी/ अवर्गीकृत मादा मवेशियों की आबादी में 10% की वृद्धि हुई है।
- पिछली जनगणना की तुलना में वर्ष 2019 में कुल विदेशी/ क्रॉसब्रेड मवेशियों की आबादी में 9% की वृद्धि हुई है।
- देश में भैंसों की कुल संख्या 85 मिलियन हैं, जो पिछली जनगणना से लगभग 1.0% की वृद्धि दर्शाती है।
- गायों और भैंसों में कुल दुधारू पशु (दूध और सूखा) 34 मिलियन हैं, पिछली जनगणना की तुलना में 6.0% की वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2019 में देश में भेड़ों की कुल संख्या 26 मिलियन है, जो पिछली जनगणना के मुकाबले 14.1% बढ़ गई है।

संबंधित जानकारी

पशुधन जनगणना

- देश में पशुधन जनगणना 1919-20 से समय-समय पर आयोजित की जाती रही है।
- पशुधन जनगणना में सभी पालतू जानवरों और उसके प्रमुखों को शामिल किया जाता है।
- 20वीं पशुधन जनगणना वास्तव में एक अनूठा प्रयास है क्यों कि क्षेत्र से ऑनलाइन प्रसारण के माध्यम से घरेलू स्तर के डेटा का डिजिटलीकरण करने हेतु पहली बार इस तरह की एक बड़ी पहल शुरू की जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>वन धन इंटर्नशिप कार्यक्रम</u>**

- केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत ट्राइफेड द्वारा आयोजित "वन धन इंटर्नशिप कार्यक्रम" का शुभारंभ किया है।
- इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्देश्य आत्मनिर्भर और उद्यमी बनने में जनजातीय आबदी की मदद करना है।
- देश के कुछ प्रतिष्ठित ग्रामीण प्रबंधन/ प्रबंधन संस्थानों/ सामाजिक कार्यों के संस्थानों/ सामाजिक सेवाओं के कुछ प्रतिष्ठित संस्थानों में से 18 इंटर्न (मंत्री के इंटर्न कहे जाने वाले) लिए गए हैं।

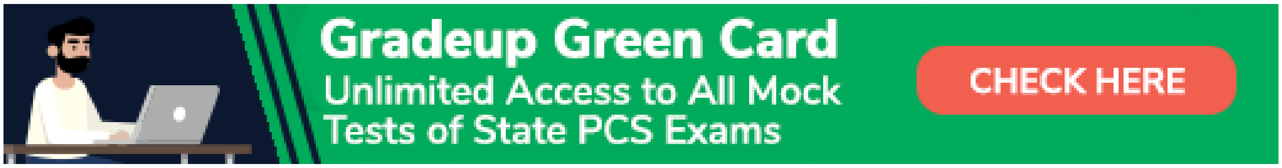

- इंटर्नशिप की अवधि 6 महीने है, जिसे संगठन की आवश्यकता और पारस्परिक स्थिरता पर विकास हेतु बढ़ाया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

वन धन योजना

- यह जनजातीय मामलों के मंत्रालय की एक योजना है, जिसे वर्ष 2018 में शुरू किया गया था।
- इस योजना को केंद्रीय स्तर पर जनजातीय मामलों के मंत्रालय के माध्यम से नोडल विभाग के रूप में लागू किया गया है।
- ट्राइफेड, राष्ट्रीय स्तर पर नोडल संस्था के रूप में कार्य करता है।
- इसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम उपयोग में आदिवासियों की मदद करना और स्थायी लघु वन उपज (एम.एफ.पी.) आधारित आजीविका प्रदान करना है।
- यह एम.एफ.पी. केंद्रित उत्पादों के मूल्य संवर्धन के माध्यम से आदिवासी आय को बढ़ाने में मदद करना चाहता है।

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ

- यह जनजातीय मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है।
- यह वर्ष 1987 में स्थापित किया गया था।
- ट्राइफेड का मूल उद्देश्य आदिवासी लोगों द्वारा जंगल से निर्मित या एकत्र किए गए उत्पादों को अच्छी कीमत प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>वर्ल्ड गिविंग इंडेक्स: भारत 82वें स्थान पर और अमेरिका शीर्ष पर है।</u>**

- चैरिटीज एड फाउंडेशन (सी.ए.एफ.) द्वारा सर्वेक्षण किए गए 128 देशों के मध्य भारत, 82वें स्थान पर है, यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो दुनिया भर में जीवन और समुदायों को बदलने के लिए दान को बढ़ावा देता है।
- इसके निष्कर्ष प्रत्येक देश के लिए रुझानों का एक समुच्चय है जो सी.ए.एफ. द्वारा पिछले एक दशक (2009 से 2018) में किए गए सर्वेक्षणों में उभरे हैं और इसे वर्ल्ड गिविंग इंडेक्स (डब्ल्यू.जी.आई.) के रूप में तैयार किया गया है।
- डब्ल्यू.जी.आई. के अनुसार, अमेरिका शीर्ष स्थान पर है, इसके बाद म्यांमार, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- हिंदू बिजनेस लाइन

7. **<u>केरल ने शिक्षकों, निजी शिक्षण संस्थानों के अन्य कर्मचारियों के मातृत्व अवकाश लाभों में वृद्धि की है।</u>**

- अग्रणी विकास में, केरल ने शिक्षकों, निजी शिक्षण संस्थानों के अन्य कर्मचारियों के मातृत्व अवकाश लाभों में वृद्धि की है, जिसमें गैर-सहायता प्राप्त क्षेत्र भी शामिल हैं।
- केंद्र सरकार ने इन शिक्षकों और कर्मचारियों को मातृत्व लाभ अधिनियम के अंतर्गत लाने के केरल सरकार के फैसले को मंजूरी प्रदान की है।
- जब अधिनियम में संशोधन लागू होगा तो केरल, निजी शैक्षणिक क्षेत्र में मातृत्व लाभ प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।
- इस कानून के अंतर्गत शामिल कर्मचारी, वेतन के साथ 26 सप्ताह के मातृत्व अवकाश का लाभ उठा सकते हैं।
- इसके अतिरिक्त, एक नियोक्ता को चिकित्सा भत्ते के रूप में 1,000 रुपये की राशि प्रदान करनी होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –योजना एवं नीतियां

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>चीन ने सोलोमन में प्रशांत द्वीप को 'पट्टे' पर देने के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- हाल ही में, एक चीनी कंपनी ने सोलोमन द्वीप में एक पूरे द्वीप को पट्टे पर लेने के लिए एक

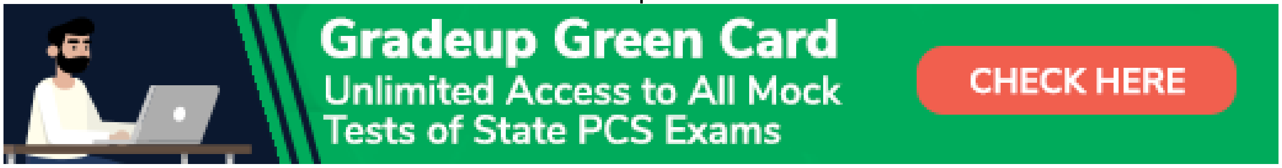

समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे 75 वर्षों से तुल्गाई द्वीप के रूप में जाना जाता है।

संबंधित जानकारी

तुल्गाई द्वीप

- यह एक छोटा सा द्वीप, सोलोमन द्वीप है, जो नगेला सुले (फ्लोरिडा द्वीप) के दक्षिण तट से दूर है।
- यह एक पूर्व जापानी नौसैनिक अड्डे का स्थल है और द्वितीय विश्व युद्ध में लड़ने का दृश्य था।
- चीनी कंपनी के साथ समझौते में द्वीप पर एक रिफाइनरी विकसित करने का उल्लेख है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

9. **सिरूमुगई**

- भारत के प्रधानमंत्री ने मामल्लापुरम में अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी को सरूमुगई के बुनकरों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित शॉल भेंट की है।

संबंधित जानकारी

सिरूमुगई के संदर्भ में जानकारी

- यह तमिलनाडु में कोयम्बटूर जिले का एक शहर है।
- यह सिल्क साड़ी बाज़ारों के लिए सुप्रसिद्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

21.10.2019

1. **इंटरपोल, भारत में वर्ष 2022 में महासभा आयोजित करेगा।**

- हाल ही में, भारत ने भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के समारोह के भाग के रूप में वर्ष 2022 में भारत में 91वीं इंटरपोल महासभा की मेजबानी करने का मत जीता है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल)

- यह 194 सदस्यीय अंतरसरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय फ्रांस के लियोन में स्थित है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1923 में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस आयोग के रूप में की गई थी और वर्ष 1956 से यह स्वयं को इंटरपोल कहने लगा था।
- भारत वर्ष 1956 से इसका सदस्य है।
- अन्य सदस्य राष्ट्रों की भांति, भारत ने भी एक राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो स्थापित किया है जो देशीय कानून प्रवर्तन इकाइयों और अंतर्राष्ट्रीय पुलिस समुदाय के मध्य सहयोग हेतु एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करता है।
- ए.सी.बी., इंटरपोल के लिए निर्दिष्ट संपर्क बिंदु है।
- भारत ने अन्य के मध्य अवैध अपराधों जैसे अवैध शिकार, वन्यजीव तस्करी, नकली दवाओं और नकली दवा के रैकेट से निपटने में इंटरपोल के साथ सहयोग किया है।
- इसका उद्देश्य विश्व को सुरक्षित स्थान बनाने के लिए पूरे विश्व की पुलिस को एक साथ काम करने में सक्षम बनाना है।

विभिन्न इंटरपोल नोटिस

रेड नोटिस

- एक रेड नोटिस, व्यक्तिगत लंबित प्रत्यर्पण का पता लगाने और अनंतिम रूप से गिरफ्तार करने का अनुरोध है।
- यह महासचिवालय द्वारा एक सदस्य देश या एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के अनुरोध पर एक वैध राष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट के आधार पर जारी किया जाता है।

येलो नोटिस

- लापता व्यक्तियों, प्राय: लापता नाबालिग व्यक्तियों का पता लगाने या स्वयं को पहचानने

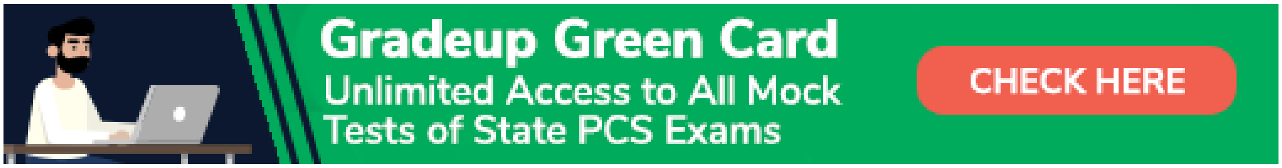

में असमर्थ व्यक्तियों की पहचान करने में मदद करने के लिए में एक येलो नोटिस जारी किया जाता है।

- यह मानव तस्करी के मामलों में या आपदाओं के कारण लापता व्यक्तियों के मामलों में बहुत उपयोगी है।

ब्लू नोटिस

- किसी अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए एक ब्लू नोटिस जारी किया जाता है।
- यह व्यक्ति के प्रत्यर्पण या गिरफ्तारी की गारंटी नहीं देता है।

ब्लैक नोटिस

- एक ब्लैक नोटिस, सदस्य राष्ट्रों में अज्ञात निकायों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करने का अनुरोध है।

ग्रीन नोटिस

- आपराधिक अपराधों को अंजाम देने वाले व्यक्तियों के बारे में चेतावनी और बुद्धिमत्ता जारी करने के लिए एक ग्रीन नोटिस जारी किया जाता है और अन्य देशों में इन अपराधों के दोहराए जाने की संभावना होती है।

ऑरेंज नोटिस

- ऑरेंज नोटिस एक घटना, एक व्यक्ति, एक वस्तु या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर और निकटस्थ खतरों का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रक्रिया के बारे में चेतावनी देने के लिए जारी किया जाता है।

पर्पल नोटिस

- पर्पल नोटिस, अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कार्य प्रणाली, वस्तुओं, युक्तियों और छुपाने के तरीकों के बारे में जानकारी मांगने या प्रदान करने का एक तरीका है।
- पिछले वर्ष इंटरपोल ने मत्स्य पालन क्षेत्र में प्रचलित मानव तस्करी और आधुनिक समय की दासता को उजागर करने हेतु इस प्रकार के नोटिस जारी किए थे।

महासभा

- महासभा, इंटरपोल का सर्वोच्च शासी निकाय है और इसमें सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- महासभा, गतिविधियों और नीतियों पर मतदान करने के लिए लगभग चार दिनों तक चलने वाले सत्र हेतु प्रतिवर्ष बैठक करती है।
- प्रत्येक देश का विधानसभा में एक या एक से अधिक प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है, जो सामान्यत: कानून प्रवर्तन संस्थाओं के प्रमुख होते हैं।
- महासभा, इंटरपोल कार्यकारी समिति के सदस्यों का भी चुनाव करती है, यह एक शासी निकाय है जो "विधानसभा के सत्रों के मध्य मार्गदर्शन और दिशानिर्देश प्रदान करता है"।
- दुनिया द्वारा सामना किए जाने वाले अपराध और सुरक्षा खतरों के प्रमुख रुझानों पर भी चर्चा की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह युद्धाभ्यास 2019 (डी.ए.एन.एक्स.-19)</u>**

- अंडमान और निकोबार कमान (ए.एन.सी.) ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की रक्षा 2019 (डी.ए.एन.एक्स.-19) के दूसरे संस्करण का आयोजन किया है।

संबंधित जानकारी

डी.ए.एन.एक्स.-19

- यह ए.एन.सी. (अंडमान और निकोबार कमान) द्वारा आयोजित एक संयुक्त सेवा युद्धाभ्यास है, जो 2017 में पहली बार आयोजित किया गया था।
- इस युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य सामरिक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की रक्षा

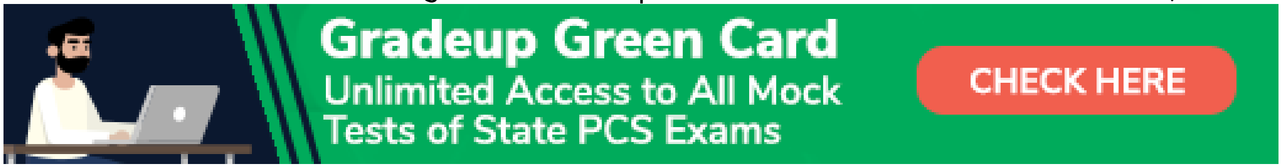

करने के उद्देश्य से सभी कमांड बलों की प्रक्रियाओं और ड्रिलों का अभ्यास और सत्यापन करना है।

- भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, तटरक्षक बल और नवगठित सशस्त्र बल विशेष परिचालन प्रभाग (ए.एफ.एस.ओ.डी.) के विशेष बलों ने इस युद्धाभ्यास में भाग लिया था।

संबंधित जानकारी

अंडमान और निकोबार कमान

- यह भारतीय सशस्त्र बलों की प्रथम और एकमात्र त्रि-सेवा थियेटर कमान है।
- यह भारत के एक केंद्र शासित प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थित है।
- यह वर्ष 2001 में दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत के सामरिक हितों और मलक्का जलसंधि की रक्षा करने के लिए बनाया गया था जिससे कि इस क्षेत्र में सैन्य संपत्ति की तेजी से तैनाती की जा सके।
- यह नौसेना जहाजों को रसद और प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है जो पूर्वी एशिया और प्रशांत महासागर में तैनाती पर भेजे जाते हैं।

सशस्त्र बल विशेष परिचालन प्रभाग

- यह एक त्रिसेना प्रभाग है, जिसे विशेष अभियान चलाने का काम सौंपा जाता है।
- इस प्रभाग में भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं से कमांडो होंगे और यह एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के अधीन कार्य करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. <u>**सरकार, चेनानी-नाशरी सुरंग का नाम बदलकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने जा रही है।**</u>

- सरकार ने भारत में सबसे लंबी चेनानी-नाशरी सुरंग सड़क का नाम बदलकर भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने का फैसला किया है।

संबंधित जानकारी

चेनानी-नाशरी सुरंग

- चेनानी-नाशरी सुरंग का उद्घाटन वर्ष 2017 में किया गया था और इसे पटनीटॉप सुरंग के रूप में भी जाना जाता है।
- यह जम्मू और कश्मीर में उधमपुर और रामबाण के बीच स्थित है।
- यह न केवल भारत की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है बल्कि एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक राजमार्ग सुरंग भी है।
- सुरंग में वाहनों की आवाजाही से लेकर हवा के प्रवाह और बहिर्वाह और यहां तक कि संकट की घड़ी में यात्रियों या वाहनों को सुरक्षित बाहर निकालना, सब कुछ बाहर से नियंत्रित करने के लिए इस सुरंग में भारत का पहला पूर्णतया एकीकृत तंत्र शामिल है।

जम्मू और कश्मीर में अन्य सुरंगें

नंदिनी सुरंग

- ये भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर के उधमपुर जिले में चार सुरंगों की श्रृंखला हैं, जो वर्ष 2015 में बनकर तैयार हुई है।
- यह नंदनी वन्यजीव अभयारण्य के नीचे स्थित है।

जवाहर सुरंग

- यह राष्ट्रीय राजमार्ग 1ए. पर बनिहाल और काजीगुंड के मध्य स्थित है जिसे एन.एच. 44 के रूप में पुन: अंकित किया गया है जो कि 2.85 कि.मी. लंबा है।
- यह सुरंग पूरे वर्ष श्रीनगर और जम्मू के बीच रोड कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- टी.एच.

4. <u>**रंगदुम मठ**</u>

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लद्दाख (कारगिल जिले) में स्थित रंगदुम मठ का राष्ट्रीय महत्व

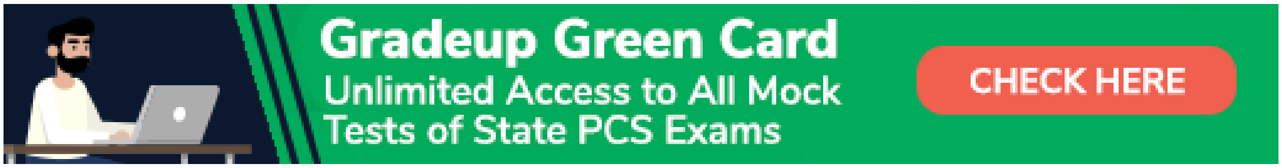

के स्मारक के रूप में घोषणा करने का निर्णय लिया है।

संबंधित जानकारी

रंगदुम मठ

- यह एक तिब्बती बौद्ध मठ है जो गेलुग्पा संप्रदाय से संबंधित है।
- यह लद्दाख में सुरू घाटी की चोटी पर एक छोटी लेकिन खड़ी सुगरलोफ पहाड़ी के ऊपर स्थित है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

- यह भारत की एक सरकारी संस्था है जो संस्कृति मंत्रालय से संबद्ध है।
- यह देश में पुरातात्विक अनुसंधान और सांस्कृतिक स्मारकों के संरक्षण और परिरक्षण हेतु जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी जो इसके पहले महानिदेशक भी बने थे।

राष्ट्रीय महत्व

- प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष (ए.एम.ए.एस.आर.) अधिनियम, 1958 पुरातात्विक स्थलों को परिभाषित करता है और किसी भी ऐसे क्षेत्र के रूप में रहता है जिसमें ऐतिहासिक या पुरातात्विक महत्व के खंडहर या अवशेष शामिल हैं, जो 100 से अधिक वर्षों से अस्तित्व मे हैं।
- जब किसी पुरातात्विक स्थल और अवशेष को राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया जाता है तो इसे ए.एम.ए.एस.आर. अधिनियम के अंतर्गत संरक्षित क्षेत्र कहा जाता है।

हाल ही में 2018 में राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में घोषित छह स्मारक निम्न हैं:

a. नागपुर महाराष्ट्र में पुरानी उच्च न्यायालय की इमारत
b. आगरा में आगा खान की हवेली
c. आगरा में हाथी खाना की हवेली
d. राजस्थान के अलवर जिले में नीमराना बाउरी
e. ओडिशा के बोलनगिर जिले के रानीपुर झरैल में मंदिरों का समूह
f. उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के कोटाली में विष्णु मंदिर

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>भैंस की मौत के बाद रिजर्व में एंथ्रेक्स डराता है।</u>**

- हाल ही में, पशु चिकित्सकों ने मध्य असम के पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में दो एशियाई जलीय भैंसों की मौत के कारण के रूप में एंथ्रेक्स की पुष्टि की है।

संबंधित जानकारी

एंथ्रेक्स के संदर्भ में जानकारी

- यह एक गंभीर संक्रामक बीमारी है जो बेसिलस एन्थ्रेसिस के रूप में जाना जाने वाला ग्राम पॉजिटिव, रॉड के आकार का बैक्टीरिया है जो प्राकृतिक रूप से मिट्टी में पाया जा सकता है।
- यह संक्रामक नहीं है, जिसका अर्थ है कि आप इससे सर्दी या फ्लू के माध्यम से संक्रमित नहीं हो सकते हैं।
- यह चार रूपों: त्वचा, फेफड़े, आंत और इंजेक्शन में हो सकता है।
- यह सामान्यत: पूरे विश्व में घरेलू और जंगली जानवरों को प्रभावित करता है।
- मवेशी, भेड़, बकरियां, मृग और हिरण संक्रमित हो सकते हैं जब वे दूषित मिट्टी, पौधों या पानी में साँस लेते हैं या निगलते हैं।
- लोग संक्रमित जानवरों या दूषित पशु उत्पादों के संपर्क में आने पर एंथ्रेक्स से बीमार हो सकते हैं।

नोट:

- असम के पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, जहां पर दुनिया के एक सींग वाले गैंडों की अधिकतम संख्या है और प्राय: इसी तरह के परिदृश्य और

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

वनस्पति के कारण इसे मिनी काजीरंगा कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>ओरियोनिड्स उल्कापात बौछार क्या है और यह कब दिखाई देगा?</u>**

- ओरियॉनिड्स उल्कापात 22 अक्टूबर को अपने चरम पर पहुंचकर इस और अगले सप्ताहांत में अपनी वार्षिक उपस्थिति बनाएगा।
- ये उल्का पिंड अपनी चमक और गति के लिए जाने जाते हैं जो पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 66 कि.मी./ घंटा से यात्रा करते हैं।
- नासा के अनुसार, 30 से अधिक उल्कापात सालाना होती है और पृथ्वी से देखने योग्य होती है।
- उनका नाम उस नक्षत्र के नाम पर रखा गया है जिससे वे आते हैं।
- ऐसा माना जाता है कि ओरियनिड्स उल्कापात की उत्पत्ति नक्षत्र ओरियन द हंटर से हुई है।
- उत्पत्ति के इस बिंदु को दीप्तिमान कहा जाता है। फिर भी, इसका मतलब यह नहीं है कि उल्कापात एक विशेष नक्षत्र से उत्पन्न होते है लेकिन नाम केवल पहचान के उद्देश्यों के लिए दिया जाता है।
- उल्का, चट्टान और बर्फ के टुकड़े होते हैं जिन्हें धूमकेतु से बाहर निकाल दिया जाता है क्यों कि वे सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षाओं में चक्कर लगाते हैं। ओरिओनिड्स उल्का, धूमकेतु 1पी./ हैली से निकलती हैं।
- दूसरी ओर, उल्कापात तब होता है जब पृथ्वी धूमकेतु या क्षुद्रग्रह द्वारा छोड़े गए मलबे के निशान से गुजरती है।
- जब कोई उल्का, पृथ्वी पर पहुंचता है तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है और जब एक बार उल्का पिंडो की श्रृंखला गुजरती है तो उल्कापात कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>लद्दाख में चेवांगरिनचेनसेतु</u>**

- चेवांगरिनचेनसेतु का निर्माण लद्दाख क्षेत्र के आगे के क्षेत्र में 14,650 फीट की ऊंचाई पर किया गया है।
- यह पुल सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) द्वारा बनाया गया है।
- यह पुल पूर्वी लद्दाख में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क दुरबुक-श्योक दौलत बेग ओल्डी पर बनाया गया है।
- बी.आर.ओ. के अनुसार, लद्दाख के इस दूरस्थ क्षेत्र में तकनीकी चुनौतियों को दूर करने के लिए पुल की नींव के दौरान माइक्रोपाइल तकनीक का उपयोग किया गया था।
- इसका नाम कर्नल चेवांगरिंचेन के सम्मान में रखा गया है जो लद्दाख से भारतीय सेना में उच्च पदस्थ अधिकारियों में से एक थे और उन्हें दो बार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भारतीय भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

22.10.2019

1. **<u>सरकार ने भीम 0 लॉन्च किया है।</u>**

- सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भीम 0 सहित नई पहलों और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का अनावरण किया है, जो कि नई कार्यप्रणालियों से सुसज्जित है।

भीम एप्लीकेशन

- यह एक यू.पी.आई. आधारित भुगतान इंटरफ़ेस एप्लीकेशन है जो वास्तविक समय निधि हस्तांतरण की अनुमति प्रदान करता है। इसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एन.पी.सी.आई.) द्वारा विकसित

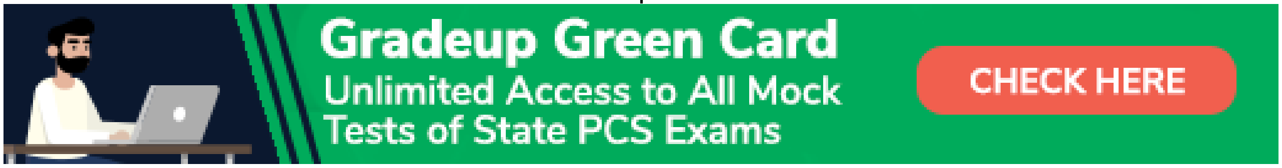

किया गया है और इसे दिसंबर, 2016 में लॉन्च किया गया था।

- यह सरकार के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण की तर्ज पर है।
- इसमें मोबाइल नंबर, डिवाइस आई.डी. और यू.पी.आई. पिन के माध्यम से तीन-बिंदु प्रमाणीकरण है।

भीम 2.0 की विशेषताएं

- भीम का नया संस्करण तीन अतिरिक्त भाषाओं- कोंकणी, हरियाणवी और भोजपुरी सहित मौजूदा 13 से अधिक भाषाओं को सपोर्ट करता है।
- डोनेशन' गेटवे ने अधिक मूल्य के हस्तांतरण हेतु सत्यापित व्यापारियों से हस्तातंरण की सीमा को मौजूदा 20,000 रूपए की पूंजी से बढ़ाकर 1,00,000 रूपए कर दिया है।
- कई बैंक खातों को जोड़ सकते हैं
- व्यापारियों के ऑफर देख सकते हैं
- आई.पी.ओ. में आवेदन करने के विकल्प हैं
- पैसा गिफ्ट कर सकते हैं

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- लाइवमिंट

2. **<u>भशन चार द्वीप</u>**

- हाल ही में, लगभग 6000-7000 रोहिंग्या शरणार्थी, भशन चार द्वीप पर नए बने शिविर में स्थानांतरित होने के लिए सहमत हुए हैं।

संबंधित जानकारी

द्वीप के संदर्भ में जानकारी

- यह दक्षिण पूर्व बांग्लादेश में हटिया द्वीप के 30 किलोमीटर पूर्व में एक निर्जन द्वीप है।
- इसका निर्माण लगभग दो दशक पहले मेघना नदी के मुहाने पर हुआ था।
- भशन चार बाढ़, अपरदन और चक्रवात के प्रति संवेदनशील होने के कारण पारिस्थितिक रूप से एक संवेदनशील क्षेत्र है।
- बाढ़, अपरदन और चक्रवात के प्रभाव से बचने के लिए सरकार ने चक्रवातों के दौरान ज्वारीय लहरों से सुरक्षित रहने के लिए इसकी परिधि पर तीन मीटर ऊंचा तटबंध बनाया है।

रोहिंग्या के संदर्भ में जानकारी

- यह एक जातीय समूह हैं, जिसमें मुख्य रूप से मुस्लिम शामिल हैं, जो मुख्य रूप से पश्चिमी म्यांमार प्रांत के राखीन में रहते हैं।
- वे बंगाली की एक बोली बोलते हैं, जो सामान्यत: बोली जाने वाली बर्मा भाषा के विपरीत है।
- 1982 के बर्मा नागरिकता कानून के अनुसार, एक रोहिंग्या (या कोई भी जातीय अल्पसंख्यक) नागरिकता के लिए केवल तभी योग्य होता है, जब वह 1823 से पहले देश में अपने पूर्वजों के रहने का प्रमाण देता है।
- इसके अतिरिक्त उन्हें "विदेशी निवासी" या "सहयोगी नागरिक" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है (भले ही माता-पिता में से कोई एक एक म्यांमार नागरिक हो)।
- हाल ही में, म्यांमार में धार्मिक और जातीय उत्पीड़न का सामना करने के बाद लाखों रोहिंग्या बांग्लादेश और भारत जैसे पड़ोसी देशों में भाग गए हैं, जिससे एक ऐतिहासिक प्रवास संकट और एक बड़ा मानवीय संकट पैदा हो गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात प्राकृतिक मोती, अबू धाबी द्वीप पर खोजा गया है।</u>**

- दुनिया के सबसे पुराने ज्ञात प्राकृतिक मोती की खोज अबू धाबी के पुरातत्वविदों ने मारवा द्वीप पर एक नवपाषाण स्थल पर काम करते हुए की है, जो अबू धाबी के तट से कुछ दूरी पर स्थित है।
- इसे अबू धाबी मोती के नाम से भी जाना जाता है।
- यह उन परतों में पाया गया था जो नवपाषाणकाल अवधि के दौरान 5,800-5,600 ईसा पूर्व के रेडियोकार्बन है।

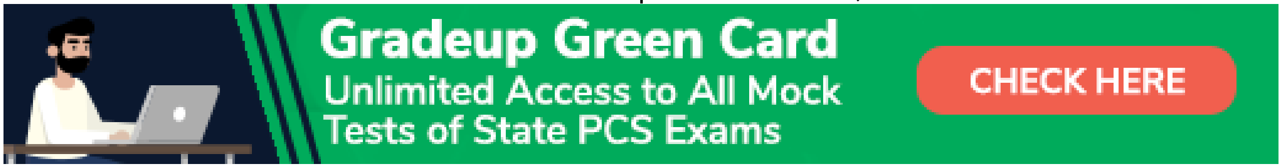

मारवाह द्वीप

- यह संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी के अमीरात के तट से कम दूरी पर स्थित द्वीप है।
- यह द्वीप, पुरातत्व का एक प्रमुख केंद्र है। पुरातत्वविदों ने नवपाषाण काल से इस्लामिक काल (12-13 ईस्वी) तक के विभिन्न स्थलों की पहचान की है।

मोती के संदर्भ में जानकारी

- यह एक जीवित शेल्ड मोलस्क या किसी अन्य जानवर जैसे कि कोनुलैरिड के नरम ऊतक (विशेष रूप से मेंटल) के भीतर उत्पन्न एक कठोर, चमकदार वस्तु है।
- यह कैल्शियम कार्बोनेट (मुख्य रूप से अर्गोनॉइट या आर्गनाईट और कैल्साइट के मिश्रण) से बना है, जो क्रिस्टलीय रूप में है, जो संकेंद्रित परतों में जमा है।

नोट:

- आर्गोनाइट एक कार्बोनेट खनिज है, कैल्शियम कार्बोनेट ($CaCO_3$) के तीन सबसे सामान्य रूप से पाए जाने वाले क्रिस्टल रूपों में से एक है (अन्य रूपों में खनिज कैल्साइट और वेटेराइट हैं)।
- यह जैविक और भौतिक प्रक्रियाओं द्वारा बनता है, जिसमें समुद्री और मीठे पानी के वातावरण से वर्षा शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- लाइवमिंट

4. **<u>वन के रूप में भूमि की परिभाषा</u>**

- पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति ने स्पष्ट किया है कि राज्यों को यह परिभाषित करने हेतु केंद्र की अनुमति की आवश्यकता नहीं है कि क्या अवर्गीकृत भूमि को वन के रूप में बनाता है।

पृष्ठभूमि

- वर्ष 1996 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में वनों के अर्थ को फिर से परिभाषित किया गया है, जिसमें प्राकृतिक वनों के साथ-साथ उनके स्वामित्व के निरपेक्ष उन सभी क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है, जो वन के शब्दकोष अर्थ के अंतर्गत आते हैं।
- गोदावरमन निर्णय के अंतर्गत, राज्यों को परिभाषित और फ़ाइल रिपोर्ट के अनुरूप वनों की पहचान करने के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन करने हेतु निर्देशित किया गया था।
- बाद वाला खंड राज्यों को अपने स्वयं के मानदंड विकसित करने और वन के रूप में भूमि के पथ को परिभाषित करने की अनुमति देता है और ये संरक्षण संरक्षण कानूनों द्वारा बाध्य होंगे।
- वनों की सभी तरह की परिभाषा भारत के लिए संभव नहीं थी क्यों कि देश में 16 प्रकार के वन हैं।
- एक राज्य में घास के मैदान का एक पथ वन के रूप में एक क्षेत्र में योग्य हो सकता है लेकिन दूसरे क्षेत्र में नहीं योग्य होता है।

वन सलाहकार समिति

- यह पर्यावरण मंत्रालय के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है।
- यह सलाहकार निकाय की भूमिका निभाता है, यह गैर-वन उपयोगों जैसे खनन, औद्योगिक परियोजनाओं, टाउनशिप के लिए वन भूमि के डायवर्जन पर प्रश्नों पर विचार करती है और सरकार को वन मंजूरी देने के मुद्दे पर सलाह देती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>अमेरिका-भारत रक्षा प्रौद्योनीकि एवं व्यापार पहल</u>**

- नौवीं भारत-अमेरिका रक्षा प्रौद्योगिकी एवं व्यापार पहल (डी.टी.टी.आई.) समूह की बैठक नई दिल्ली में होने वाली है।

संबंधित जानकारी

डी.टी.टी.आई.

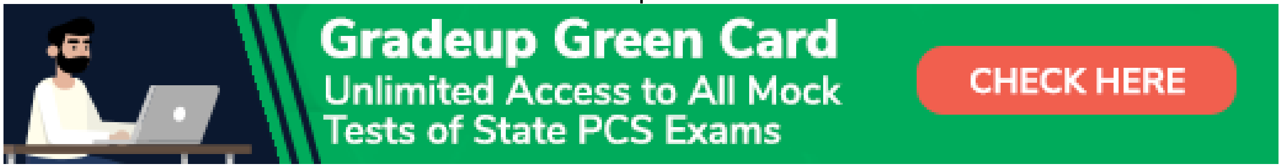

- यह एक पहल है जिसका नेतृत्व संयुक्त राज्य अमेरिका से अधिग्रहण और समर्थन हेतु रक्षा अवर सचिव और भारत से रक्षा संरक्षण सचिव द्वारा किया जा रहा है।
- ये सुनिश्चित करने के लिए यह एक लचीला तंत्र है कि दोनों देशों के वरिष्ठ नेता रक्षा के क्षेत्र में अवसरों को मजबूत करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।
- यह अमेरिकी कंपनियों को सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के अंतर्गत भारत को दोहरे उपयोग और उच्च-प्रौद्योगिकी वस्तुओं की श्रेणी का अधिक से अधिक निर्यात करने की अनुमति देकर भारत को अधिक आपूर्ति-श्रृंखला दक्षता प्रदान करता है।
- डी.टी.टी.आई. के उद्देश्यों में भारत के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करना, तकनीकी विकास के नए क्षेत्रों की खोज करना और अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों का विस्तार करना शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>भारत रिपोर्ट 2017 में अपराध</u>**

- हाल ही में, दो वर्षों की देरी के बाद राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) द्वारा भारत रिपोर्ट 2017 में वार्षिक अपराध प्रकाशित किया गया था।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- अपराधों के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर और उसके बाद महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंगाल हैं।
- "पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा की गई क्रूरता" के अंतर्गत महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अधिकांश मामले पंजीकृत किए गए हैं।
- अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।
- अनुसूचित जनजातियों से संबंधित अपराध की घटनाएं वर्ष 2016 में 844 से घटकर वर्ष 2017 में 720 हो गई हैं।
- एन.सी.आर.बी. ने पहली बार "गलत/ नकली समाचार और अफवाहों" के प्रसार पर डेटा एकत्र किया है।
- इस श्रेणी के अंतर्गत मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल से अधिकतम घटनाएं दर्ज की गईं हैं।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

- यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत एक नोडल एजेंसी है, जो देश के सभी राज्यों से दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और नीतिगत मामलों और अनुसंधान के लिए जेल सहित विभिन्न मापदंडों पर अपराध के आंकड़ों का प्रामाणिक स्रोत है।
- इसकी स्थापना 1986 में केंद्रीय पुलिस संगठन के रूप में की गई थी, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- यह सरकार की राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना के अंतर्गत एक मिशन मोड परियोजना, अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) की कार्यान्वयन और निगरानी संस्था है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>पेत्ता थुल्लाल</u>**

- हाल ही में, केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक अध्ययन में कंबल को छिड़कने में निकलने वाली एक हानिकारक धातु की उपस्थिति को इंगित किया है, जो पेत्ता थुल्लाल अनुष्ठान का एक अनिवार्य हिस्सा है।
- ये रसायन मिट्टी को प्रदूषित करते हैं और प्राय: जल निकायों में धुल जाते हैं जहाँ से इन

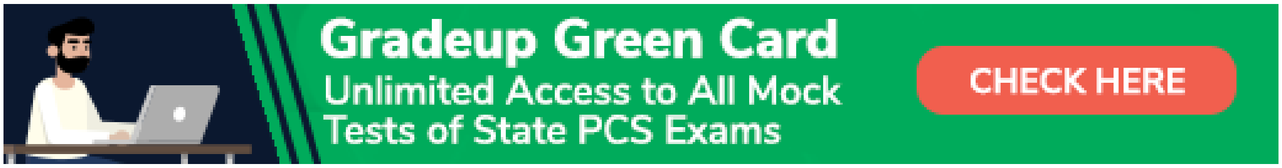

शक्तिशाली रसायनों के मानव शरीर में प्रवेश करने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है।

संबंधित जानकारी

पेत्ता थुल्लाल

- भगवान अयप्पा की कथा में बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने के लिए यह एक अनुष्ठानिक पवित्र नृत्य है, जिन्होंने राक्षसी राजकुमारी महिषी का वध किया था।
- यह वार्षिक सबरीमाला तीर्थयात्रा सीजन के अंतिम चरण की शुरुआत को दर्शाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>संयुक्त राष्ट्र डब्ल्यू.एफ.पी. ने फीड अवर फ्यूचर' सिनेमा विज्ञापन अभियान शुरू किया है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) ने भारत में भूख और कुपोषण के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और कदम उठाने के लिए एक सिनेमा विज्ञापन अभियान 'फीड अवर फ्यूचर' शुरू किया है।
- फेसबुक के साथ एक साझेदारी के माध्यम से हाल ही में यह कार्यक्रम, सोशल नेटवर्क के मुंबई कार्यालय से लाइव प्रसारण के माध्यम से आयोजित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक मुद्दे

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

9. **<u>विश्व का सबसे ऊंचा रणक्षेत्र, सियाचीन अब पर्यटकों के लिए खुला है।</u>**

- विश्व का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र, सियाचीन ग्लेशियर,अब पर्यटकों के लिए खुला है।
- सियाचिन बेस कैंप से कुमार पोस्ट तक पर्यटन की अनुमति दी जाएगी जो 15,000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर स्थित है।
- परतापुर में सियाचिन बेस कैंप, 12,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और सर्दियों के दौरान यहां पर तापमान -60 डिग्री तक कम हो जाता है।
- सियाचिन में सबसे ऊँची पोस्ट, बाना पोस्ट है, जो 23,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है।
- रणनीतिक कराकोरम और चांग चेंगमो पर्वतमाला के बीच 14,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित 430 मीटर लंबा पुल पूर्वी लद्दाख में दुर्बुक और दौलत बेग ओल्डी को जोड़ेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भारतीय भूगोल

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

23.10.2019

1. **<u>डिजिटल भारत डिजिटल संस्कृति</u>**

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री ने नई दिल्ली में सी.सी.आर.टी. का ई-पोर्टल डिजिटल भारत डिजिटल संस्कृति लॉन्च किया है।

पोर्टल के संदर्भ में जानकारी

- यह पोर्टल पूरे देश में कक्षाओं में डिजिटल संवाद के माध्यम से सांस्कृतिक शिक्षा के प्रसार को सक्षम करेगा।
- यह विशेष रूप से बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों के लिए एक मंच भी प्रदान करता है जिससे कि वे मुख्यधारा में शामिल हो सकें और अपने सपनों को पूरा कर सकें और अपना कैरियर बना सके, यह संगीत, चित्रकला, रंगमंच, मार्शल आर्ट या किसी अन्य कला के रूप में हो सकता है।

संबंधित जानकारी

सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र

- यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है।
- सांस्कृतिक शिक्षा का समर्थन करने के लिए इसे मई, 1979 में स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>टेकसागर</u>**

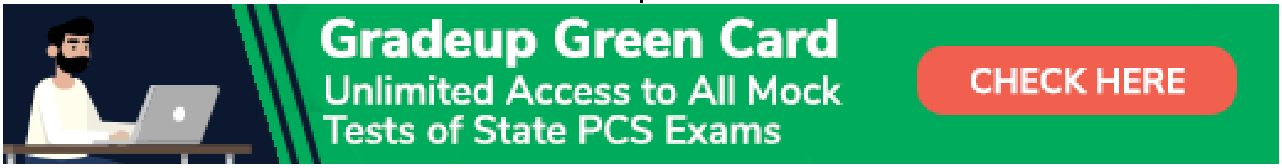

- भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक के कार्यालय ने टेकसागर लांच किया है।

टेकसागर के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता का एक ऑनलाइन पोर्टल है।
- यह आई.टी. उद्योग, स्टार्टअप, अकादमिक और व्यक्तिगत अनुसंधान से शुरू करते हुए प्रत्येक प्रौद्योगिकी आधारित व्यापार और अनुसंधान इकाईयों को सूचीबद्ध करेगा।
- यह 3,000 से अधिक आला क्षमताओं का उपयोग करके लक्षित खोज, बारीक नेविगेशन और ड्रिल-डाउन विधियों की अनुमति देगा।
- टेकसागर को इसकी प्रासंगिकता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए प्राय: नई संस्थाओं और सूचनाओं के साथ अद्यतन किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद

- यह भारत में डेटा संरक्षण पर एक गैर-लाभकारी, उद्योग निकाय है, जिसे नैसकॉम द्वारा स्थापित किया गया है।
- यह साइबर सुरक्षा और गोपनीयता में सर्वोत्तम प्रथाओं, मानकों और पहलों को स्थापित करके साइबरस्पेस को सुरक्षित, संरक्षित और विश्वसनीय बनाने हेतु प्रतिबद्ध है।
- यह नीति वकालत, विचार नेतृत्व, क्षमता निर्माण और आउटरीच गतिविधियों के लिए सरकारों और उनकी संस्थाओं, विनियामकों, उद्योग क्षेत्रों, उद्योग संघों और प्रबुद्ध मंडलों के साथ भी संलग्न है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>ग्रांड कॉर्ड मार्ग पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली</u>**

- भारतीय रेलवे ने ग्रांड कॉर्ड मार्ग पर सबसे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की है।
- इस उपाय से भारतीय रेलवे को ट्रेनों की गति बढ़ाने में मदद मिलेगी और दिल्ली से हावड़ा के बीच यात्रा के 17 से 19 घंटे के समय को घटाकर लगभग 12 घंटे करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

ग्रैंड कॉर्ड के संदर्भ में जानकारी

- यह हावड़ा-गया-दिल्ली लाइन और हावड़ा-इलाहाबाद-मुंबई लाइन का हिस्सा है।
- यह पश्चिम बंगाल के सीतारामपुर और उत्तर प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो उत्तर मध्य रेलवे क्षेत्र में आता है।
- नई इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली ने इस मार्ग में उत्तर प्रदेश के टुंडला जंक्शन में 65 वर्षीय पुरानी अप्रचलित यांत्रिक सिग्नलिंग प्रणाली को बदल दिया है।
- दक्षिण पूर्व रेलवे में खड़गपुर स्टेशन के बाद टुंडला में यह इंटरलॉकिंग प्रणाली देश में दूसरी सबसे बड़ी प्रणाली है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रवाह मूल्यांकन कार्यशाला</u>**

- दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रवाह मूल्यांकन एवं कार्यान्वयन कार्यशाला का उद्घाटन किया गया है।

संबंधित जानकारी

- आई.यू.सी.एन. के अनुसार, पर्यावरणीय प्रवाह पारिस्थितिकी तंत्र और उनके लाभों को बनाए रखने के लिए नदी, आर्द्रभूमि या तटीय क्षेत्र के भीतर प्रदान किया जाने वाला पानी है।
- यह एक नदी घाटी या जलविभाजन में प्रतिस्पर्धात्मक उपयोगों के बीच पानी आवंटित करने हेतु एक उपकरण है।

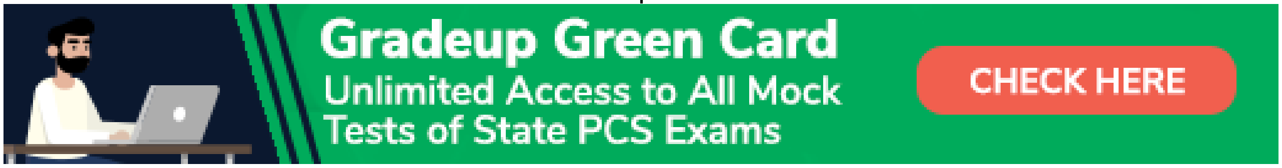

- पर्यावरणीय प्रवाह लोगों, उद्योग, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिक तंत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए नदी के प्रवाह के एकीकृत प्रबंधन हेतु साधन प्रदान करता है।
- यह भारत के राष्ट्रीय जलीय पशु गंगा डॉल्फ़िन, कछुए और घड़ियाल को एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>जेल सांख्यिकी भारत-2017</u>**

- हाल ही में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने 2017 के अपराध और जेल के आंकड़ों पर सार्वजनिक रूप से आंकड़े जारी किए हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- देश में 1,361 जेल हैं, जिनमें 666 उप जेल, 405 जिला जेल, 142 सेंट्रल जेल, 64 ओपन जेल, 41 स्पेशल जेल, 22 महिला जेल, 19 बोरस्टल (किशोर सुधार केंद्र) स्कूल और 2 अन्य जेल हैं।
- वर्ष 2017 में, 4 50,696 कैदियों में से 4,31,823 पुरुष कैदी थे और 18,873 महिला कैदी थीं।
- जेलों में अप्राकृतिक मौतों की संख्या वर्ष 2015 में 115 से 7 प्रतिशत बढ़कर 2017 में 133 हो गई है।
- गुजरात में सबसे अधिक अंडर-ट्रायल कैदी हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं और अन्य राज्यों की तुलना में जम्मू-कश्मीर में दूसरे अधिकतम संख्या मे हैं।
- राज्य के आंकड़े बताते हैं कि एस.सी./ एस.टी. (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत 80 अंडर ट्रायल कैदी थे, इस अवधि में डेटा इस कानून के अंतर्गत शून्य दोषियों को दर्शाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- आउटलुक

6. **<u>असम: दो से अधिक बच्चों वाले लोगों के लिए कोई सरकारी नौकरी नहीं है।</u>**

- असम मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि 1 जनवरी, 2021 के बाद दो से अधिक बच्चे वाले व्यक्तियों को कोई सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी।
- इस राज्य ने एक नई भूमि नीति भी अपनाई है, जो भूमिहीन स्वदेशी लोगों को तीन बीघा कृषि भूमि देगी और घर बनाने के लिए आधा बीघा जमीन देगी।

संबंधित जानकारी

- सितंबर, 2017 में, असम विधानसभा ने 'असम की जनसंख्या एवं महिला सशक्तिकरण नीति' पारित की थी।
- यह निर्दिष्ट किया गया है कि अधिकतम दो बच्चों वाले व्यक्ति सरकारी नौकरी के लिए योग्य हैं और मौजूदा सरकारी कर्मचारियों को दो बच्चों के परिवार के मानदंडों का सख्ती से पालन करना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>क्यू.एस. भारतीय विश्वविद्यालय रैंकिंग</u>**

- क्यू.एस. भारतीय विश्वविद्यालय रैंकिंग ने भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए स्टैंडअलोन रैंकिंग का दूसरा संस्करण जारी किया है।
- इस रैंकिंग में सार्वजनिक, निजी, उच्च शिक्षा या डीम्ड विश्वविद्यालय शामिल हैं।
- इस कार्यप्रणाली में निम्न आठ संकेतकों का उपयोग किया जाता है:

a. शैक्षणिक प्रतिष्ठा (30% का वजन)
b. नियोक्ता की प्रतिष्ठा (20%)
c. संकाय-छात्र अनुपात (20%)
d. पी.एच.डी. के साथ कर्मचारियों का अनुपात (10%)
e. स्कॉपस डेटाबेस से प्रति संकाय के पेपर (10%)
f. स्कोपस डेटाबेस से प्रति पेपर उद्धरण (5%)

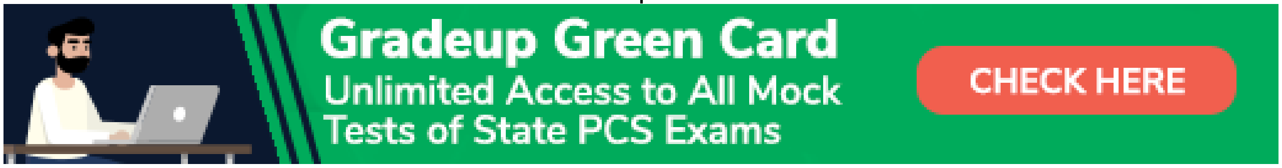

g. अंतरराष्ट्रीय छात्रों का अनुपात (5%)
h. अंतरराष्ट्रीय संकाय का अनुपात (5%)

रैंकिंग की मुख्य विशेषताएं

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) शीर्ष दस रैंकिंग में सात आई.आई.टी. के साथ सूची में सबसे ऊपर है।
- भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एससी) के बाद आई.आई.टी.-बॉम्बे का स्थान है जो पिछले वर्ष के समान है।
- इस रैंकिंग में आई.आई.टी.-दिल्ली तीसरे स्थान पर है जब कि दिल्ली विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान संस्थान शीर्ष दस में मात्र अन्य गैर-आई.आई.टी. संस्थान हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>राष्ट्रीय दूध नमूना सुरक्षा गुणवत्ता सर्वेक्षण</u>**

- एफ.एस.एस.ए.आई. ने एक राष्ट्रीय दूध नमूना सुरक्षा गुणवत्ता सर्वेक्षण जारी किया है।

सर्वेक्षण की मुख्य विशेषताएं

- तेलंगाना के बाद मध्य प्रदेश और केरल के दूध के नमूनों में मिलावट के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं।
- अध्ययन में कहा गया है कि प्रमुख ब्रांडों सहित प्रसंस्कृत दूध, परीक्षण किए गए कुल नमूनों के 7% में निर्धारित गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहा है।
- एफ.एस.एस.ए.आई. के मानकों का पालन करने में अधिकांश नमूने विफल रहे क्यों कि इनमें एफ्लाटॉक्सिन-एम 1, एंटीबायोटिक्स और कीटनाशकों जैसे दूषित तत्व पाए गए हैं।
- कच्चे दूध की तुलना में प्रसंस्कृत दूध में एफ्लाटॉक्सिन-एम.1 अधिक प्रभावी होता है, जो अधिक मात्रा में जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है, जो सामान्यत: लीवर को नुकसान पहुंचाता है।
- दूध में एफ्लाटॉक्सिन-एम.1, भोजन और चारे के माध्यम से आता है जो वर्तमान में देश में विनियमित नहीं हैं।
- तमिलनाडु, दिल्ली और केरल शीर्ष तीन राज्य थे जहां एफ़्लाटॉक्सिन अवशेष सबसे अधिक मात्रा में पाए गए थे।

सम्बंधित जानकारी

- भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है।
- वर्ष 2017-18 के दौरान देश में कुल अनुमानित दूध उत्पादन 35 मिलियन टन था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **<u>पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण ने हाल ही में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को वायु प्रदूषण को नियंत्रित नहीं करने पर फटकार लगाई है।
- इसमें नगरपालिका ठोस अपशिष्ट को जलाना, औद्योगिक प्रदूषण और धूल भरी सड़कें भी शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण

- यह एक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शासनादेशित निकाय है जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कई उपाय करता है।
- इसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 1998 में अधिसूचित किया गया था।
- इसका शासनादेश पर्यावरण की गुणवत्ता की सुरक्षा और सुधार करना है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण को रोकना और नियंत्रित करना है।

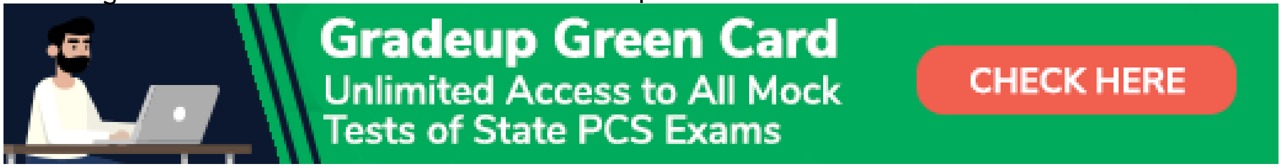

- इसे प्रदूषण के स्तर के अनुसार एन.सी.आर. में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जी.आर.ए.पी.) को लागू करने का भी शासनादेश प्राप्त है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

25.10.2019

1. **<u>विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत ने 14 स्थान की छलांग लगाई है।</u>**

- विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत ने 14 स्थान की छलांग लगाकर 63वां स्थान प्राप्त किया है।
- पिछली रैंकिंग में 190 देशों में भारत, 77वें स्थान पर था।
- भारत ने 10 में से 7 संकेतकों में अपनी रैंक में सुधार किया है और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के करीब पहुंच गया है।
- दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता संहिता लागू करने के परिणामस्वरूप भारत ने "इनसॉल्वेंसी रिज़ॉल्यूशन" श्रेणी में रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है, पिछले वर्ष 108वें स्थान की तुलना में इस वर्ष 52वां स्थान प्राप्त किया है।
- लगातार क्रमागत चौथे वर्ष में भी कंपनियों के लिए आयात और निर्यात करना आसान रहा है।
- अब सीमा पार संकेतकों में व्यापार करने के मामले में विश्व स्तर पर भारत 68वें स्थान पर है और वह बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।
- करदाताओं के सूचकांक में राहत प्रदान करने पर भारत ने विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में छह स्थानों की छलांग लगाई है।
- पिछले पांच वर्षों 2014-19 में भारत ने अपनी रैंकिंग में 79 स्थानों का सुधार किया है और न केवल दक्षिण एशिया में बल्कि ब्रिक्स राष्ट्रों में भी शीर्ष सुधारकों में से एक के रूप में उभरकर सामने आया है।
- अध्ययन के अनुसार व्यापार करने के लिए विश्व के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ स्थान: न्यूजीलैंड (100 में से 86.8 के स्कोर के साथ), सिंगापुर (86.2), हांगकांग एस.ए.आर., चीन (85.3), डेनमार्क (85.3), कोरिया गणराज्य (84), संयुक्त राज्य अमेरिका (84), जॉर्जिया (83.7), यूनाइटेड किंगडम (83.5), नॉर्वे (82.6) और स्वीडन (82) हैं।

संबंधित जानकारी

- रिपोर्ट में 10 मापक क्षेत्र- एक व्यवसाय शुरू करना, निर्माण परमिट से निपटना, बिजली प्राप्त करना, संपत्ति का पंजीकरण कराना, ऋण प्राप्त करना, अल्पसंख्यक निवेशकों की रक्षा करना, करों का भुगतान करना, सीमा पार व्यापार करना, अनुबंध लागू करना और दिवालिया होने का समाधान करना हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- आर्थिक विकास

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>जंगली पोलियोवायरस टाइप 3</u>**

- विश्व पोलियो दिवस (24 अक्टूबर) पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषणा की है कि पूरे विश्व से जंगली पोलियोवायरस टाइप 3 (डब्ल्यू.पी.वी.3) का उन्मूलन किया गया है।
- यह चेचक और जंगली पोलियो वायरस 2 के उन्मूलन का अनुसरण करता है।
- तीन व्यक्तिगत और प्रतिरक्षात्मक रूप से अलग-अलग जंगली पोलियोवायरस उपभेद हैं:

1. जंगली पोलियोवायरस 1 (डब्ल्यू.पी.वी.1)
2. जंगली पोलियोवायरस टाइप 2 (डब्ल्यू.पी.वी.2)
3. जंगली पोलियोवायरस टाइप 3 (डब्ल्यू.पी.वी.3)

- लक्षणात्मक रूप से, सभी तीनों उपभेद एकसमान हैं लेकिन इनमें आनुवांशिक और विषाणुजनित अंतर हैं, जो इन तीन उपभेदों को तीन अलग-अलग विषाणु बनाता है जिनमें से प्रत्येक का अलग-अलग उन्मूलन किया जाना चाहिए।
- यह वायरस केवल दो देशों: अफगानिस्तान और पाकिस्तान में प्रसार में है।

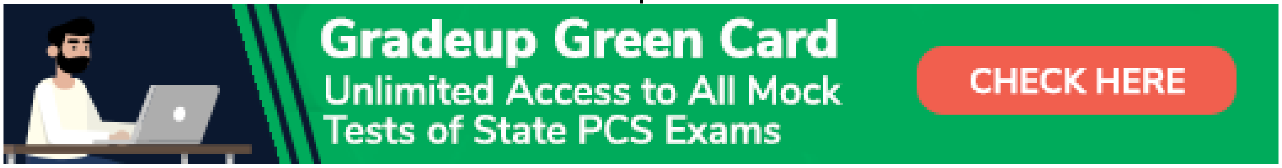

संबंधित जानकारी

पोलियो

- पोलियोमाइलिटिस (पोलियो) एक अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है।
- यह विषाणु व्यक्ति-से-व्यक्ति तक मुख्य रूप से मल-मौखिक मार्ग, दूषित पानी या भोजन के माध्यम से फैलता है।
- यह आंत में बढ़ता है जहां से यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है और लकवे का कारण बन सकता है।
- पोलियो का कोई इलाज नहीं है, इसे केवल टीकाकरण द्वारा रोका जा सकता है।

एक्यूट फ्लासिड माइलिटिस

- यह पोलियो जैसी बीमारी है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है, विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी का क्षेत्र जिसे ग्रे पदार्थ कहा जाता है, उसे प्रभावित करती है, जिससे शरीर में मांसपेशियां और अनैच्छिक क्रियाएं कमजोर हो जाती है।
- यह एंटरोवायरस के कारण होता है।

नोट:

- वर्ष 2014 में भारत ने आधिकारिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के बाकी हिस्सों के साथ पोलियो मुक्त की घोषणा की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दे

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>जलवायु लचीली कृषि हेतु ओडिशा समाकलित सिंचाई परियोजना</u>**

- भारत सरकार, ओडिशा सरकार और विश्व बैंक ने छोटे किसानों का समर्थन करने के लिए एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उनकी उत्पादन प्रणालियों के लचीलेपन को मजबूत करेगा।

संबंधित जानकारी

- इसे ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाएगा जो सूखे के प्रति संवेदनशील है और काफी हद तक वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं।
- यह ओडिशा के 15 जिलों के लगभग 125,000 छोटे किसान परिवारों को लाभान्वित करेगा, जो 128,000 हेक्टेयर कृषि भूमि का प्रबंधन करते हैं।
- यह परियोजना निम्न में सुधार करके प्रतिकूल जलवायु से छोटे किसानों के लचीलेपन मजबूत करेगी:

1. लचीले बीज किस्मों तक पहुंच
2. उत्पादन तकनीकें
3. अधिक जलवायु-लचीली फसलों के विविधिकरण की ओर ध्यान देना
4. बेहतर जल प्रबंधन और सिंचाई सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना

- यह परियोजना राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के अंतर्गत लागू की जा रही है।
- ओडिशा में यह परियोजना, वर्ष 2030 तक एस.डी.जी. के सतत कृषि-संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने की हमारी प्रतिबद्धता में सरकार द्वारा समर्थित कई ऐसी पहलों में से एक है।
- ओडिशा में ग्रीनहाउस गैस (जी.एच.जी.) उत्सर्जन का एक प्रमुख स्रोत कृषि भी है, जो राज्य में जी.एच.जी. उत्सर्जन के लगभग 25 प्रतिशत हेतु जिम्मेदार है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना

- राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना वर्ष 2008 में जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री की परिषद द्वारा शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य जनता के प्रतिनिधियों, सरकार की विभिन्न संस्थाओं, वैज्ञानिकों, उद्योग और जलवायु परिवर्तन के जोखिमों के प्रति संवेदनशील समुदायों के बीच जागरूकता फैलाना और इससे निपटने के लिए कदम उठाना हैं।

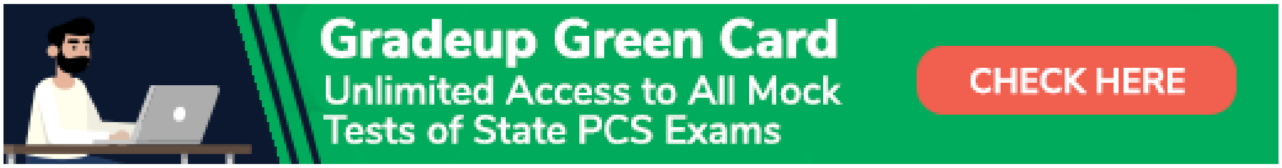

एन.ए.पी.सी.सी. के आठ मिशन:

1. राष्ट्रीय सौर मिशन
2. राष्ट्रीय वर्धित ऊर्जा दक्षता मिशन
3. राष्ट्रीय स्थायी आवास मिशन
4. राष्ट्रीय जल मिशन
5. राष्ट्रीय हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र विनियमन मिशन
6. राष्ट्रीय हरित भारत मिशन
7. राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन
8. जलवायु परिवर्तन पर रणनीतिक ज्ञान पर राष्ट्रीय मिशन

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

4. **<u>अंटार्कटिक समुद्री सजीव संसाधन संरक्षण आयोग (CCAMLR)</u>**

- पूर्वी अंटार्कटिका में एक विशाल महासागर अभयारण्य बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस संदेह में हैं क्यों कि इस योजना पर चर्चा करने हेतु होबार्ट में दोनो देशों की बैठक का चीन और रूस ने विरोध किया है।
- प्रस्तावित पूर्वी अंटार्कटिक समुद्री पार्क, समुद्र के दस लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का संरक्षण करेगा लेकिन अंटार्कटिक समुद्री सजीव संसाधन संरक्षण आयोग की बैठकों में इसे कई बार खारिज किया गया है।

संबंधित जानकारी

आयोग के संदर्भ में जानकारी

- इसे अंटार्कटिक समुद्री सजीव संसाधन संरक्षण आयोग के रूप में भी जाना जाता है और CCAMLR, अंटार्कटिक संधि प्रणाली का एक हिस्सा है।
- ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में स्थित मुख्यालय में अंटार्कटिक समुद्री सजीव संसाधन संरक्षण आयोग द्वारा वर्ष 1982 में सम्मेलन को लागू किया गया था।
- इसका लक्ष्य अंटार्कटिका और इसके आस-पास के समुद्री जीवन और पर्यावरण अखंडता को संरक्षित करना है।
- यह इस बात के लिए बड़े पैमाने पर स्थापित किया गया था कि दक्षिणी महासागर में क्रिल के पकड़ने में वृद्धि से अन्य समुद्री जीवन की आबादी पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है जो भोजन के लिए क्रिल पर निर्भर करती हैं।
- वर्ष 1989 में, CCAMLR ने क्षेत्र में प्रजातियों के मछली पकड़ने और कटाई के प्रभावों की निगरानी के लिए पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी कार्यक्रम (सी.ई.एम.पी.) की स्थापना की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- लाइवमिंट

5. **<u>नैनो दवाओं के मूल्यांकन हेतु नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।</u>**

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने नैनो-फार्मास्यूटिकल्स के मूल्यांकन हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं।
- इस दस्तावेज़ में नैनोफार्मास्युटिकल की परिभाषा और वर्गीकरण से लेकर चिकित्सीय विज्ञान के नए सेट के फार्मा कोविजिलेंस के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।
- मई, 2019 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गठित अंतर-मंत्रालयी विशेषज्ञ समिति द्वारा दिशानिर्देश तैयार किए गए थे।

संबंधित जानकारी

नैनोकैरियर

- यह लक्षित दवा वितरण पर आधारित है जो बाजार में नैनो-फार्मास्यूटिकल्स की शुरुआत के साथ एक उभरता हुआ क्षेत्र है।
- इन नैनोफ़ॉर्मुलेशन में अधिक प्रभावकारिता, कम विषाक्तता होती है और ये पारंपरिक दवाओं की तुलना में अधिक सुरक्षित होती है।

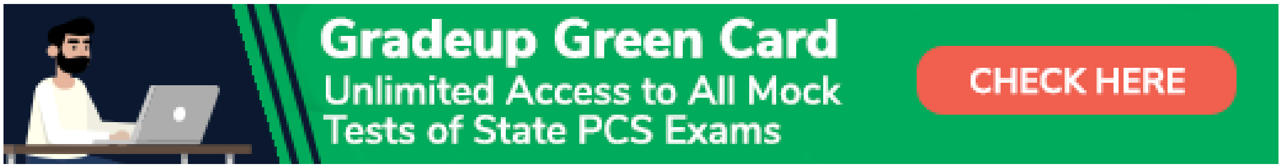

- विशेष रूप से कैंसर के इलाज में इनके महान रूप से उपयोगी होने की उम्मीद की जा रही है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **गहन मिशन इन्द्रधनुष 2.0**

- भारत सरकार, गहन मिशन इन्द्रधनुष 2.0 का दूसरा चरण शुरू करने जा रही है।

मिशन के संदर्भ में जानकारी:

- गहन मिशन इन्द्रधनुष 2.0 का उद्देश्य कम प्रतिरक्षण पॉकेट को शामिल करना होगा।
- यह उत्तर प्रदेश और बिहार में स्थित विभिन्न जिलों और ब्लॉकों में बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम का संचालन करेगा।
- मिशन इन्द्रधनुष ने वर्ष 2014 में भारत के टीकाकरण कवरेज को 67% से बढ़ाकर 87% कर दिया है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -4 (2015-16) के क्षरा दिए गए आंकड़ों के अनुसार भारत के टीकाकरण कवरेज पर आधिकारिक डेटा अभी भी 62% है।

मिशन इन्द्रधनुष

- इसे वर्ष 2014 में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
- वर्ष 2020 तक पूर्ण कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इन्द्रधनुष मिशन को अपनाया गया है।

उद्देश्य

- मिशन इन्द्रधनुष का उद्देश्य वर्ष 2020 तक उन सभी बच्चों को शामिल करना है जिनका या तो अभी तक टीकाकरण नहीं हुआ है या टीका-रोकथाम योग्य बीमारियों के खिलाफ आंशिक रूप से टीकाकरण कराए हुए हैं।
- भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यू.आई.पी.) 26 मिलियन बच्चों को प्रतिवर्ष 12 जानलेवा बीमारियों के लिए मुक्त टीके प्रदान करता है।
- सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम क्षय रोग, डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, पोलियो, हेपेटाइटिस बी, निमोनिया और हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी. (हिब) के कारण होने वाला दिमागी बुखार, खसरा, रूबेला, जापानी इनसिफेलाटिस (जे.ई.) और रोटावाइरस से बचाने के लिए देश भर के सभी बच्चों को मुफ्त में जीवन रक्षक टीके प्रदान करता है।
- (रूबेला, जे.ई. और रोटावायरस वैक्सीन चुनिंदा राज्यों और जिलों में उपलब्ध है)।

गहन मिशन इन्द्रधनुष

- गहन मिशन इन्द्रधनुष को अक्टूबर, 2017 में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य दो वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे और उन सभी गर्भवती महिलाओं तक पहुंचना है जिन्हें नियमित प्रतिरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत कवर नहीं किया गया है।
- राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत पहचानी जाने वाली शहरी बस्तियों और शहरों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- द हिंदू

7. **पूर्वी आंचलिक परिषद**

- पूर्वी आंचलिक परिषद की स्थायी समिति की 11वीं बैठक पटना में आयोजित की गई थी।

संबंधित जानकारी

आंचलिक परिषदों के संदर्भ में जानकारी

- पांच आंचलिक परिषद (उत्तरी, पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और मध्य क्षेत्रीय परिषद) की स्थापना राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत की गई थी।
- आंचलिक परिषद की वर्तमान संरचना निम्न है:

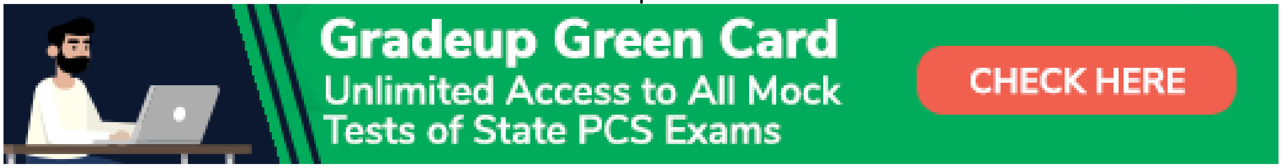

- उत्तरी क्षेत्रीय परिषद- हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और चंडीगढ़
- पूर्वी आंचलिक परिषद- बिहार, झारखंड, उड़ीसा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- पश्चिमी आंचलिक परिषद- गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र और दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली का केंद्र शासित प्रदेश
- केंद्रीय आंचलिक परिषद- छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
- दक्षिणी आंचलिक परिषद- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी का केंद्र शासित प्रदेश
- उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम 1972 के अंतर्गत स्थापित उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा सात उत्तर पूर्वी राज्यों और सिक्किम की देखभाल की जाती है।
- केंद्रीय गृह मंत्री, इन परिषदों के अध्यक्ष हैं।
- प्रत्येक क्षेत्र में शामिल राज्यों के मुख्यमंत्री चक्रीय प्रक्रिया द्वारा आंचलिक परिषदों के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, प्रत्येक व्यक्ति एक समय पर एक वर्ष के लिए पद पर रह सकता है।
- प्रत्येक राज्य के राज्यपाल द्वारा नामित मुख्यमंत्री और दो अन्य मंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों से दो सदस्यों को क्षेत्र में शामिल किया जाता है।
- यह राज्यों के बीच अंतर-राज्य सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देता है।

कार्य

- इन परिषदों को आर्थिक और सामाजिक नियोजन, सीमा विवाद, भाषाई अल्पसंख्यक या अंतर-राज्यीय परिवहन आदि के क्षेत्र में सामान्य हित के किसी भी मामले पर चर्चा करने और सिफारिश करना अनिवार्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>कन्या सुमंगला योजना</u>**

- उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ में अपनी प्रमुख योजना कन्या सुमंगला योजना शुरू की है।
- यह योजना चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक उस परिवार को 15 हजार रुपये की राशि प्रदान करेगी जिसमें एक बच्ची जन्म लेती है।
- इस योजना को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि माता-पिता को लाभ प्राप्त करने के लिए बालिका के स्वास्थ्य और शिक्षा का ध्यान रखना होगा।
- जब एक बालिका विभिन्न उपलब्धियों जैसे टीकाकरण, कक्षा 1, 5 और 9 में प्रवेश, स्नातक पूर्ण करने जैसी उपलब्धियों को पूरा करती है जब धनराशि को किश्तों में जारी किया जाएगा।
- जन्म के समय 2000 रूपए खाते में स्थानांतरित किए जाएंगे और यदि बच्ची ने 1 अप्रैल, 2019 को अपने पहले वर्ष के सभी टीकाकरण पूरे कर लिए हैं तो वह 15,000 रुपये के 1 हजार रुपये की हकदार होगी।
- समान प्रकार से यदि उसने कक्षा 1 में प्रवेश लिया है तो उसे जन्म के समय और प्रथम वर्ष के टीकाकरण के पूरा होने पर जारी की गई धनराशि के बाद 15000 रूपए में से शेष धनराशि मिलेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत- ए.आई.आर.

26th - 29th Oct 2019

1. **<u>इंडीजेन पहल</u>**

- हाल ही में, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने इंडीजेन जिनोम परियोजना के विवरण की घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

परियोजना के संदर्भ में जानकारी

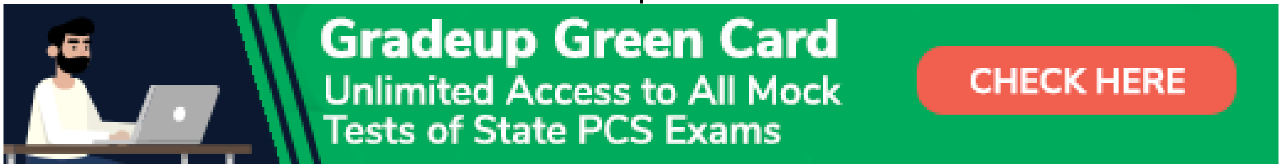

- यह सी.एस.आई.आर.-आनंवांशिकी एवं समाकलित जीव विज्ञान संस्थान (आई.जी.आई.बी.) और सी.एस.आई.आर.-कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) द्वारा प्रबंधित एक कार्यक्रम है।
- वैज्ञानिक एवं उद्योग अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) ने इंडीजेन जिनोम परियोजना के अंतर्गत देश भर में विभिन्न आबादी से 1,008 भारतीयों का संपूर्ण जिनोम अनुक्रमण कराया गया है।
- यह अनुक्रमण, दुर्लभ आनुवंशिक परीक्षणों का तेजी से और कुशल निदान करने में सक्षम होगा, गर्भधारण हेतु संभावित दंपतियों के लिए वाहक स्क्रीनिंग अनुप्रयोगों, अन्य के मध्य आनुवांशिक कैंसर के निदान को सक्षम करेगा।
- इसने परिभाषित समयसीमा में जनसंख्या पैमाने पर जीनोम अनुक्रमण और कम्प्यूटेशनल विश्लेषण की मापनीयता को बेंचमार्किंग सक्षम किया है।
- इंडीजेन के परिणामों में कई क्षेत्रों में अनुप्रयोग हैं, जिनमें दुर्लभ आनुवांशिक बीमारियों का तेज और कुशल निदान के साथ भविष्यवक्ता और निवारक दवाएं शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>भारत, नेपाल, भूटान सीमा पार संरक्षण क्षेत्र की योजना बना रहे हैं।</u>**

- भारत, नेपाल और भूटान ने सीमा पार वन्यजीव संरक्षण 'शांति पार्क' बनाने हेतु एक समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार किया है।

संबंधित जानकारी

शांति पार्क के संदर्भ में जानकारी

- प्रस्तावित पार्क में तीन देशों के आसपास के क्षेत्रों में जैव विविधता से भरपूर परिदृश्य शामिल होंगे।
- सीमापार पार्क एक मौलिक स्थानांतरण पेश करते हैं जिसमें वन्यजीव संरक्षण किया जाता है।
- भारत और भूटान में पहले से ही एक सीमा-पार संरक्षित क्षेत्र है, जिसमें असम का मानस परिदृश्य शामिल है।
- यह पहल भारत ने हाथी जैसे प्रवासी वन्यजीव प्रजातियों को ध्यान में रखते हुए की थी।

मानस राष्ट्रीय उद्यान

- यह एक यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल और एक बायोस्फीयर रिजर्व है।
- यह प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व के अंतर्गत भी है।
- पार्क भूटान के रॉयल मानस राष्ट्रीय उद्यान के साथ एक सामान्य सीमा साझा करता है।
- यह पार्क कई लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे कि असम छत कछुआ, सुनहरा लंगूर, हिपिड हर और पैगी हॉग और इसके अतिरिक्त यह जंगली पानी भैंसों के लिए भी प्रसिद्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>ओपेन जनरल निर्यात लाइसेंस (ओ.जी.ई.एल.)</u>**

- हाल ही में, रक्षा मंत्री ने कुछ निश्चित पार्ट्स और घटकों के निर्यात के लिए दो ओपेन जनरल निर्यात लाइसेंस जारी करने और चुनिंदा देशों को प्रौद्योगिकी के अंतर-कंपनी हस्तांतरण की मंजूरी प्रदान की है।
- यह रक्षा निर्यात को बढ़ावा देगा।

ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस के संदर्भ में जानकारी

- यह एक विशिष्ट अवधि के लिए किसी कंपनी को दिया जाने वाला एकमुश्त निर्यात लाइसेंस है जो प्रारंभ में दो वर्ष की अवधि के लिए जारी किया जाता है।
- ओ.जी.ई.एल. के अनुदान के लिए आवेदन पर रक्षा उत्पादन विभाग (डी.पी.पी.) द्वारा मामले-दर-मामले आधार पर विचार किया जाएगा।

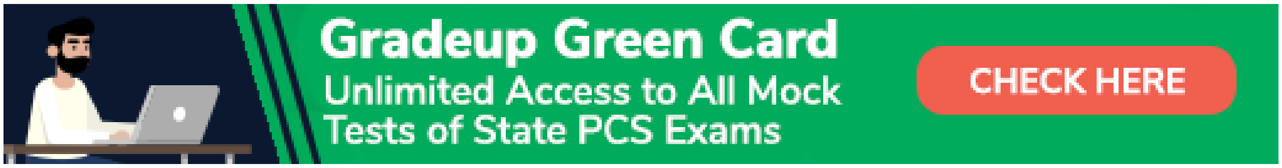

- लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास आयात-निर्यात प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है।
- ओ.ई.जी.एल. के अंतर्गत अनुमति दी गई वस्तुओं में गोलाबारी और विस्फोटक सामग्री के बिना गोला बारूद और फ्यूज सेटिंग डिवाइस, फायरिंग कंट्रोल के घटक शामिल हैं।
- पूर्ण विमान या पूर्ण मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और यू.ए.वी. के लिए विशेष रूप से डिजाइन या संशोधित किए गए किसी भी घटक को इस लाइसेंस के अंतर्गत नहीं रखा गया है।
- ओ.जी.ई.एल. के अंतर्गत अनुमति वाले देश बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, जापान, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, इटली, पोलैंड और मैक्सिको हैं।
- इसके अतिरिक्त एक विशेष आर्थिक क्षेत्र में वस्तुओं के निर्यात की अनुमति नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>अरुणाचल प्रदेश: तवांग महोत्सव का सांतवां संस्करण शुरू हो गया है।</u>**

- तवांग महोत्सव (29 से 31 अक्टूबर) को वर्ष 2004 से बुद्ध महोत्सव के बाद वर्ष 2012 में पर्यटन महोत्सव के रूप में पेश किया गया था।
- राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के अतिरिक्त यह महोत्सव साहसिक पर्यटन को भी बढ़ावा देता है, कुल मिलाकर यह महोत्सव इस क्षेत्र की विशाल पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करता है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले के तवांग शहर में स्थित तवांग मठ, भारत का सबसे बड़ा मठ है और तिब्बत के ल्हासा में पोटाला पैलेस के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा मठ है।
- यह अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग में समान नाम के छोटे कस्बे के निकट तवांग नदी की घाटी में स्थित है, जो कि तिब्बती और भूटानी सीमा के निकट स्थित है।
- तवांग मठ को तिब्बती में गादेन नामग्याल ल्हासे के रूप में जाना जाता है, जिसका अनुवाद "स्पष्ट रात में स्वर्गीय स्वर्ग" है।
- इसकी स्थापना 1680-1681 में मेराक लामा लोद्रे ग्यात्सो ने की थी।
- यह महायान बौद्ध धर्म के गेलुग स्कूल से संबंधित है और यह ल्हासा के ड्रेपुंग मठ के साथ एक धार्मिक संबंध था, जो ब्रिटिश शासन की अवधि के दौरान जारी रहा था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –ए एंड सी

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>भारत-फ्रांस संयुक्त युद्धाभ्यास शक्ति-2019</u>**

- यह युद्धाभ्यास, एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है और भारत और फ्रांस में एकांतर रूप से इसका आयोजन किया जाता है।

संबंधित जानकारी

व्यायाम के संदर्भ में जानकारी

- वर्ष 2011 में भारत और फ्रांस के मध्य यह युद्धाभ्यास शुरू किया गया था।
- यह संयुक्त युद्धाभ्यास संयुक्त राष्ट्र शासननादेश के अंतर्गत अर्ध-रेगिस्तान इलाके की पृष्ठभूमि में आतंकवाद-रोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य दो सेनाओं के मध्य समझ, सहयोग और अंतरकार्यकारिता को बढ़ाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

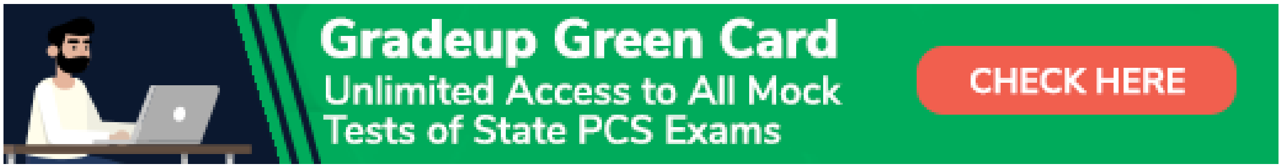

6. **संयुक्त राष्ट्र का सार्वभौमिक डाक संघ**

- हाल ही में, एकतरफा फैसले में पाकिस्तान ने 27 अगस्त से भारत के साथ डाक मेल के विनिमय को रोक दिया है।
- पाकिस्तान द्वारा यह निर्णय "बिना किसी पूर्व सूचना के" और "अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के सीधे उल्लंघन" में लिया गया है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र के सार्वभौमिक डाक संघ के संदर्भ में जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र के सार्वभौमिक डाक संघ, अंतर्राष्ट्रीय मेल विनिमय हेतु नियम बनाती है और अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाओं के लिए दरें तय करती है।
- यू.पी.यू. के 192 सदस्य देश हैं और इसका मुख्यालय बर्न में स्थित है।
- इसकी चार इकाइयाँ हैं:

a. कांग्रेस
b. प्रशासन परिषद
c. अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो
d. डाक संचालन परिषद

- यू.पी.यू. नियमों के अंतर्गत, जब कोई देश किसी देश के साथ विनिमय को निलंबित करने का निर्णय लेता है तो उसे दूसरे देश के संचालक (भारत के मामले में, भारतीय डाक) को सूचित करना चाहिए।
- यू.पी.यू. के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो को भी अधिसूचित किया जाना चाहिए।
- वर्ष 2018 में अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो द्वारा जारी किए गए सम्मेलन मैनुअल के अनुसार, जिसमें अनुच्छेद 17-143 विवरण अस्थायी निलंबन और सेवाओं को फिर से शुरू करने की स्थिति में उठाए जाने वाले कदम' हैं।

नोट:

- यू.पी.यू. के अतिरिक्त तीन समझौते भारत और पाकिस्तान के मध्य डाक विनिमय को कवर करते हैं-

a. भुगतान हेतु मूल्य का विनिमय अनुच्छेद 1948
b. डाक विनिमय अनुच्छेद, 1974
c. अंतर्राष्ट्रीय स्पीड पोस्ट समझौता, 1987

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीस संगठन

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **नई तकनीक किसी भी सांद्रता स्तर पर हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को निकालती है: अध्ययन**

- संयुक्त राज्य में एम.आई.टी. के शोधकर्ताओं ने किसी भी सांद्रता स्तर पर हवा की एक धारा से कार्बन डाइऑक्साइड निकालने के लिए एक नई तकनीक विकसित की है।
- यह वायुमंडलीय ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को कम करने के लिए नई रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।
- यह वायुमंडल में वर्तमान में लगभग 400 पार्ट्स प्रति मिलयिन में पाई जाने वाली ग्रीनहाउस गैस को निकालने में मदद करता है।

शोधक्षेत्र

- शोधकर्ताओं ने डिवाइस को एक बड़ी विशेष बैटरी के रूप में वर्णित किया है जो इलेक्ट्रोड के मिलकर बना है जो इसके ऊपर से गुजरने वाली हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है, क्यों कि इसे चार्ज किया जा सकता है और डिस्चार्ज होने पर इससे गैस निकल जाती है।
- बैटरी के चार्ज होने पर इलेक्ट्रोड के प्रत्येक ढेर पर एक रासायनिक अभिक्रिया होती है। इलेक्ट्रोड को कार्बन नैनोट्यूब के साथ मिश्रित पॉलिएंथ्राक्विनोन नामक एक यौगिक से लेपित किया जाता है।
- इलेक्ट्रोड में कार्बन डाइऑक्साइड के प्रति एक प्राकृतिक बंधुता होती है और यह वाष्प या फ़ीड गैस में इसके अणुओं के साथ आसानी से अभिक्रिया करता है।
- यह डिवाइस कमरे के तापमान और सामान्य वायु दाब पर काम करती है।

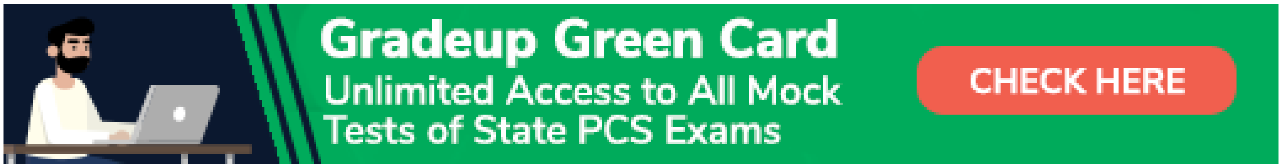

- अन्य कार्बन कैप्चर या कार्बन अवशोषित प्रौद्योगिकियों पर इस तकनीक का लाभ कार्बन डाइऑक्साइड के प्रति अवशोषक की बंधुता की बाइनरी प्रकृति है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **सखारोव पुरस्कार**

- हाल ही में, यूरोपीय संघ की संसद ने उइघुर बौद्धिक इल्हाम तोहती को मानवाधिकार हेतु सखारोव पुरस्कार से सम्मानित किया है।

संबंधित जानकारी

सखारोव पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- सखारोव प्राइज फॉर फ्रीडम ऑफ थॉट को सामान्यत: सखारोव पुरस्कार के नाम से जाना जाता है, यह यूरोपीय संसद द्वारा दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है।
- यह उन व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है जिन्होंने अपने जीवन को मानवाधिकारों और विचारों की स्वतंत्रता की रक्षा करने हेतु समर्पित कर दिया है।
- यह वर्ष 1988 में स्थापित किया गया था और सोवियत वैज्ञानिक (भौतिक विज्ञानी) और असहमत आंद्रेई सखारोव के नाम पर इसका नाम रखा गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **नेल्लोपटोड्स ग्रेटे**

- लंदन में प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन की वैश्विक जागरूकता बढ़ाने में उत्कृष्ट योगदान हेतु स्वीडिश कार्यकर्ता "ग्रेटा थुनबर्ग" को सम्मानित करने के लिए आधिकारिक तौर पर कीट नेलटॉप्स ग्रेटे नाम दिया है।

नेल्लोपटोड्स ग्रेटे के संदर्भ में जानकारी

- यह भौंरे की एक प्रजाति है जो पहली बार 1965 में केन्या के नैरोबी में ब्रिटिश प्रकृतिवादी डॉ. विलियम सी. ब्लॉक द्वारा खोजी गई थी।
- यह संधिपाद है, जिसकी कोई आंखें या पंख नहीं हैं, यह 1 मि.मी. से छोटा है।
- यह टिलिडे परिवार से संबंधित है, जो दुनिया के कुछ सबसे छोटे भौंरों से मिलकर बना है।

संबंधित जानकारी

ग्रेटा थुनबर्ग के संदर्भ में जानकारी

- वह एक स्वीडिश किशोर जलवायु कार्यकर्ता और एक उग्र प्रचारक है, जिसने अगस्त, 2018 में स्वीडिश संसद के बाहर विरोध करना शुरू किया था।
- उसे 2019 में राइट लाइवलीहुड अवार्ड मिला था, जिसे व्यापक रूप से 'वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार' के रूप में जाना जाता है।

राइट लाइवलीहुड अवार्ड के संदर्भ में जानकारी

- यह पुरस्कार 1980 में स्थापित किया गया था और यह स्वीडिश राइट लाइवलीहुड फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत किया गया है।
- यह पुरस्कार वैश्विक समस्याओं को हल करने वाले साहसी लोगों का सम्मान और समर्थन करता है।

ग्रेटा थुनबर्ग ने एमनेस्टी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. **उलुरू**

- हाल ही में, स्थानीय अनंगू लोगों द्वारा पवित्र मानी जाने वाली ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध रेगिस्तानी चट्टान पर चढ़ने वाली उलुरू पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

संबंधित जानकारी

उलुरु के संदर्भ में जानकारी

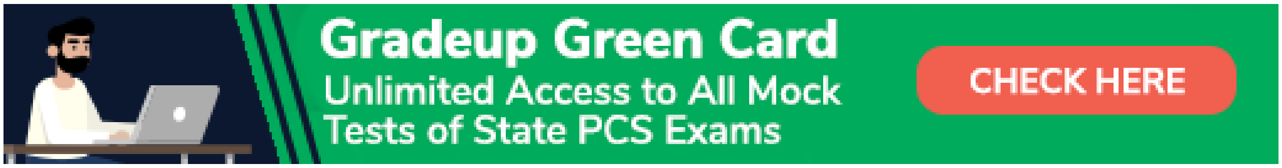

- इसे आयर्स चट्टान के रूप में जाना जाता है और अनंगू लोगों के लिए एक पवित्र स्थान के रूप में भी जाना जाता है, जो मध्य ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्र के आदिवासी लोग हैं।
- यह मध्य ऑस्ट्रेलिया में एक प्राचीन बलुआ पत्थर का पत्थर है, जो अपनी भव्य आभा के लिए प्रसिद्ध है।
- यह मुख्य रूप से दानेदार अरकोस (एक प्रकार का बलुआ पत्थर, जिसमें फेल्डस्पार बहुतायत में होता है) और कुछ समूह से मिलकर बना होता है।
- इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- लाइवमिंट

30.10.2019

1. **<u>श्री न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबड़े, भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे।</u>**

- राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्री न्यायामूर्ति शरद अरविंद बोबड़े को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है और वे 18 नवंबर, 2019 से भारत के 47वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

संबंधित जानकारी

न्यायाधीशों की नियुक्ति

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- सी.जे.आई. को राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के साथ परामर्श के बाद नियुक्त किया जाता है क्यों कि वे आवश्यक माने जाते हैं।
- अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सी.जे.आई. और सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के अन्य मुख्य न्यायाधीशों के साथ परामर्श के बाद की जाती है क्यों कि वह आवश्यक माने जाते हैं।
- मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में मुख्य न्यायधीश के साथ परामर्श करना अनिवार्य है।

वर्ष 1950 से 1973 तक मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति

- भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को नियुक्त करने की प्रथा रही है।
- इस स्थापित प्रथा का 1973 में उल्लंघन किया गया था, जब तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों को अपदस्थ करके ए.एन. राय को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।
- पुन: वर्ष 1977 में, तत्कालीन वरिष्ठतम न्यायाधीश को अपदस्थ करके एम.यू. बेग को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।
- सरकार के इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे न्यायाधीशों के मामले (1993) में रद्द कर दिया था, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए।

कॉलेजियम प्रणाली के परामर्श और विकास पर विवाद

- सर्वोच्च न्यायालय ने उपर्युक्त प्रावधानों में परामर्श शब्द की विभिन्न व्याख्याएँ दी हैं।
- पहले न्यायाधीशों के मामले (1982) में, न्यायालय ने कहा कि परामर्श का मतलब सहमति नहीं है और यह केवल विचारों का आदान-प्रदान करता है।
- दूसरे न्यायाधीशों के मामले (1993) में, न्यायालय ने अपने पहले के निर्णय को बदल दिया था और परामर्श शब्द का अर्थ बदलकर सहमति कर दिया था।

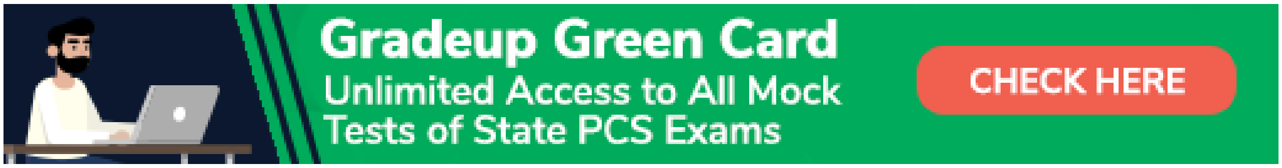

- तीसरे न्यायाधीशों के मामले (1998) में, न्यायालय का मत था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा अपनाई जाने वाली परामर्श प्रक्रिया को 'अधिक न्यायाधीशों के परामर्श' की आवश्यकता है।
- सी.जे.आई. की एकमात्र राय परामर्श प्रक्रिया का गठन नहीं करती है।
- उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के एक कॉलेजियम से परामर्श करना चाहिए और यहां तक कि यदि दो न्यायाधीश प्रतिकूल राय देते हैं तो उन्हें सरकार को सिफारिश नहीं भेजनी चाहिए।
- अदालत ने कहा है कि परामर्श प्रक्रिया के मानदंडों और आवश्यकताओं का अनुपालन किए बिना भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई सिफारिश सरकार पर बाध्यकारी नहीं है

कॉलेजियम प्रणाली

- कॉलेजियम प्रणाली का जन्म "तीन न्यायाधीशों के मामले" से हुआ था और यह वर्ष 1998 से चलन में है।
- इसका उपयोग उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्तियों और स्थानांतरण के लिए किया जाता है।
- न तो भारत के मूल संविधान में न ही क्रमागत संशोधनों में कॉलेजियम का कोई उल्लेख है।

राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग

- वर्ष 2014 के 99वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम और वर्ष 2014 के राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग नामक एक नए निकाय के साथ सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को प्रतिस्थापित किया है।
- हालांकि, वर्ष 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने 99वें संवैधानिक संशोधन के साथ-साथ एन.जे.ए.सी. अधिनियम दोनों को असंवैधानिक और व्यर्थ घोषित किया है।
- इसके परिणामस्वरूप, पहले की कॉलेजियम प्रणाली पुन: संचालित हो गई है।
- यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चौथे न्यायाधीश मामले (2015) में दिया गया था।
- न्यायालय ने कहा था कि नई प्रणाली (अर्थात एन.जे.ए.सी.) न्यायपालिका की स्वतंत्रता को प्रभावित करेगी।

न्यायाधीशों की योग्यता

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यता होनी चाहिए:

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. वह पाँच वर्षों से उच्च न्यायालय (या उत्तराधिकार में उच्च न्यायालय) का न्यायाधीश होना चाहिए या
3. वह दस वर्षों से उच्च न्यायालय (या उत्तराधिकार में उच्च न्यायालय) का अधिवक्ता होना चाहिए था या
4. वह राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित न्यायविद होना चाहिए।
5. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति हेतु संविधान ने न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. <u>**वैश्विक गतिशीलता रिपोर्ट**</u>

- सभी हेतु सतत गतिशीलता (सम4ऑल) पहल की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक भी विकसित या विकासशील देश परिवहन क्षेत्र में स्थिरता प्राप्त करने और संयुक्त राष्ट्र द्वारा बनाए गए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही मार्ग पर नहीं है।

संबंधित जानकारी

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

सम4ऑल पहल

- इसे वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था, यह एक छत्रीय मंच है जो 55 सार्वजनिक और निजी संगठनों और कंपनियों को एस.डी.जी. को लागू करने और परिवहन क्षेत्र का रूपांतरण करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने हेतु एक साथ लाता है।
- इस रिपोर्ट में वैश्विक कार्यवाही रोडमैप (जी.आर.ए.) का उल्लेख किया गया है, जो चार नीतिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दुनिया भर में उपयोग किए जाने वाले और परीक्षण किए गए नीतिगत उपायों की एक सूची प्रदान करता है-

1. सार्वभौमिक पहुँच
2. दक्षता
3. हरित गतिशीलता
4. सुरक्षा

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यह इन प्रमुख संकेतकों पर 183 देशों की गतिशीलता प्रदर्शन का विश्लेषण करती है।
- विकसित देशों ने प्रति व्यक्ति परिवहन-संबंधी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को छोड़कर सभी गतिशीलता नीति लक्ष्यों पर विकासशील देशों को पछाड़ दिया है।
- सुरक्षा और वायु प्रदूषण पर अंतर अधिक प्रभावित करने वाला है, जो विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों पर अधिक बोझ डालता है।
- अन्य संकेतकों ने भी विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापक असमानताएं दर्शाई हैं।
- रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि विकासशील देशों में, समान संकेतक शून्य और 48 के बीच थे लेकिन औसत केवल चार था।
- इसके अतिरिक्त रिपोर्ट ने सभी देशों को प्रमुख संकेतकों में A से D के आधार पर (D को सबसे कम प्रदर्शनकर्ता के रूप में) चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया है।

जी.आर.ए., गतिशीलता पर नीति के एजेंडे पर तीन तरीकों से काम करेगा:

- 183 विकसित और विकासशील देशों की गतिशीलता प्रदर्शन का निर्माण करना
- चार नीतिगत लक्ष्यों में से किसी एक को प्राप्त करने के लिए दुनिया भर में उपयुक्त नीतिगत उपायों का एक कैटलॉग उपलब्ध कराना और उनका परीक्षण करना
- नीतियों के इस कैटलॉग से निकालने के लिए एक कार्यप्रणाली बनाना, वे उपाय जो किसी देश के संदर्भ के लिए सबसे अधिक प्रभावशाली और प्रासंगिक हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>चक्रवात क्यार</u>**

- भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान क्यार पश्चिमी तट से दूर जा रहा है और गोवा में देर शाम तक बारिश की गतिविधि कम होने की संभावना है।
- महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक में कई स्थानों पर पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है, जिसका मुख्य कारण अरब सागर में चक्रवाती तूफान क्यार है।

संबंधित जानकारी

चक्रवात क्यार के संदर्भ में जानकारी

- यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है, जिसने उत्तरी हिंद महासागर के अरब सागर में भारत के पश्चिम को तीव्र कर दिया है।
- चक्रवात गोनू के 2007 में ओमान तट को तबाह करने के बाद पिछले 12 वर्षों में अरब सागर में पहला सुपर साइक्लोनिक तूफान चक्रवात बनने हेतु 'क्यार' तीव्र हुआ है।

भारत मौसम विभाग

- यह भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक संस्था है जिसे 1875 में स्थापित किया गया था।

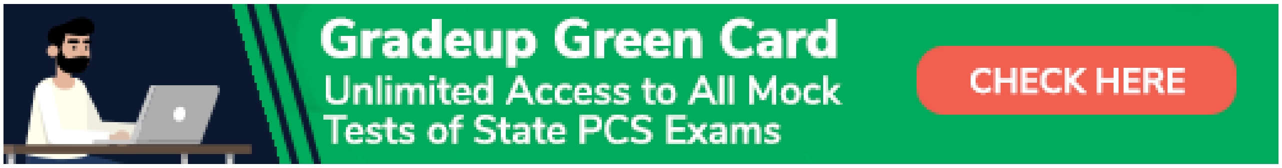

- यह मौसम संबंधी टिप्पणियों, मौसम पूर्वानुमान और भूकंपीय विज्ञान के लिए जिम्मेदार प्रमुख संस्था है।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पाँच-बिंदु पैमाने पर चक्रवातों की रैंकिंग की है-

1. चक्रवाती तूफान
2. भयंकर चक्रवाती तूफान
3. बहुत भयंकर चक्रवाती तूफान
4. अत्यधिक भयंकर चक्रवाती तूफान
5. सुपर चक्रवाती तूफान

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- लाइवमिंट

4. **<u>गलफड़े-ऑक्सिजन सीमित सिद्धांत</u>**

- एक नए शोध पत्र में, वैज्ञानिक सिद्धांत ने जैविक कारणों की व्याख्या की है जो मछलियों को ध्रुवों की ओर स्थानांतरित करने के लिए बाध्य करता है क्यों कि जलवायु परिवर्तन, महासागर को गर्म कर रहा है।

संबंधित जानकारी

- गलफड़े-ऑक्सीजन सीमित सिद्धांत को जी.ओ.एल.टी. के रूप में जाना जाता है जो उन जैविक कारणों की व्याख्या करता है जो मछलियों को विशेष रूप से बड़ी या पुरानी मछलियों को ध्रुव की ओर स्थानांतरित होने के लिए बाध्य करती हैं, जब जलवायु परिवर्तन के कारण उनके आवासों में पानी गर्म हो जाता है।
- ऐसा इसलिए है क्यों कि जैसे-जैसे मछली बढ़ती है उसकी ऑक्सीजन की मांग बढ़ती जाती है। हालांकि, गलफड़ों का सतह क्षेत्र (दो-आयामी) शरीर के बाकी हिस्सों (तीन-आयामी) के समान गति से नहीं बढ़ता है।
- मछली जितनी बड़ी होती ह उसके शरीर के आयतन के सापेक्ष इसका पृष्ठ क्षेत्रफल उतना छोटा होता है।
- अत: मछली उस पानी में चली जाती है, जिसका तापमान उनके मूल निवास से मिलता-जुलता है और जो उनकी ऑक्सीजन की आवश्यक्ताओं को पूरा करता है।
- पिछले 100 वर्षों में वैश्विक समुद्री सतह के तापमान में लगभग 0.13 ° C प्रति दशक की वृद्धि हुई है, "उपयुक्त" पानी अधिक से अधिक ध्रुवों की ओर और अधिक गहराई पर पाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- सी अराउंड अस

5. **<u>मेलबर्न मर्सर वैश्विक पेंशन सूचकांक</u>**

- मेलबर्न मर्सर वैश्विक पेंशन सूचकांक के अनुसार, भारत ने पिछले वर्ष की तुलना में नागरिकों को पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने के मामले में अपनी रैंकिंग में सुधार करके 32वां स्थान प्राप्त किया है।
- मेलबर्न मर्सर वैश्विक पेंशन सूचकांक (एम.एम.जी.पी.आई.) 2019 में देश का स्कोर पिछले वर्ष के 44.6 से बढ़कर 45.8 हो गया है।

संबंधित जानकारी

सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- यह 37 देशों को शामिल करेगा, यह इस तथ्य पर आधारित है कि वे विभिन्न आय समूहों में नागरिकों को पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने पर कैसे किराया लेते हैं।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- समग्र सूची में, नीदरलैंड का उच्चतम सूचकांक मान (81.0) था, जब कि थाईलैंड का न्यूनतम मान (39.4) था।

भारत और सूचकांक

- 37 देशों में से भारत, वर्ष 2019 में 32वें स्थान पर रहा है, जब कि सूची में भारत वर्ष 2018 में 34 देशों में 33वें स्थान पर था।
- पर्याप्तता, स्थिरता और अखंडता के सभी तीन उप-सूचकांकों में सुधार के कारण भारत के सूचकांक मान में काफी हद तक वृद्धि हुई है।
- सूचकांक के अनुसार, विभिन्न आयामों में स्कोर में मामूली वृद्धि के कारण सुधार हुआ है जिनमें

Gradeup Green Card
Unlimited Access to All Mock Tests of State PCS Exams
CHECK HERE

परिणामी घरेलू बचत, सेवानिवृत्ति प्रबंधन में अधिक लचीलापन और अंशकालिक कार्य, शासन में निरंतर प्रगति और निजी पेंशन योजनाओं में प्रगति शामिल थी।

- रिपोर्ट में कहा गया है कि मसौदा मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा सुधार जो भारत में शुरू किए गए हैं, एक समावेशी और स्थायी पेंशन प्रणाली बनाने में नीति निर्माताओं के इरादे को इंगित करते हैं।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरक पेंशन योजनाओं में संगठित क्षेत्र की अधिक भागीदारी के साथ उपर्युक्त सुधारों के पूरक द्वारा सूचकांक मूल्य को और बढ़ाया जा सकता है।
- इसने अटल पेंशन योजना (ए.पी.वाई.) का हवाला दिया है, जो 40 वर्ष से कम आयु के सभी नागरिकों के लिए उपलब्ध है लेकिन इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र है और सेवानिवृत्ति से पहले स्वेच्छा से बचत करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कना है।
- रिपोर्ट में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई नई योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है

1. खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए प्रधानमंत्री कर्म योगी मान-धन योजना
2. लघु और सीमांत किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान पेंशन योजना (पी.एम.-के.एम.वाई.)
3. प्रधानमंत्री श्रम-योगी मान-धन (पी.एम.-एस.वाई.एम.) योजना, जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सरकार द्वारा एक समान योगदान देती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

6. **<u>प्रहरी-3 विश्व अग्नि एटलस</u>**

- यूरोपीय अंतरिक्ष संस्था (ई.एस.ए.) ने अपने प्रहरी-3 विश्व अग्नि एटलस के आंकड़ों का हवाला देते हुए घोषणा की है कि अगस्त, 2018 की तुलना में अगस्त, 2019 में पूरे विश्व में लगभग पांच गुना अधिक जंगल की आग लगी हुई थी।

संबंधित जानकारी

प्रहरी-3

- यह एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह तारामंडल है जो कोपरनिकस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में यूरोपीय अंतरिक्ष संस्था द्वारा विकसित किया गया है।
- इसे ई.एस.ए. सदस्य राज्यों के दक्षिणी देशों में ई.एस.ए. द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका उद्देश्य ई.एस.ए. ए.टी.एस.आर. विश्व अग्नि एटलस (जून, 1995 से मार्च 2012 तक संचालित) को प्रहरी 3 एस.एल.एस.टी.आर. उपकरण के सभी सुधारों को जारी करके सुधारना है।

इनका मानचित्रण कैसे किया जाता है?

- प्रहरी-3 श्वि अग्नि एटलस, एक ऐसी विधि का उपयोग करता है जो इसे रात में सभी सक्रिय आग की पहचान करने में सक्षम बनाता है।
- उपग्रहों पर सेंसर पृथ्वी की भूमि की सतह का तापमान लेने के लिए थर्मल अवरक्त विकिरण को मापते हैं।
- इस जानकारी का उपयोग आग से निकलने वाली गर्मी का पता लगाने और निगरानी करने के लिए किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>आंध्र प्रदेश ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्मार्टपोर्ट (SMARTPORT) लॉन्च किया है।</u>**

- आंध्र प्रदेश, जो देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में पहले स्थान पर है, वह बंदरगाह संबंधी सेवाओं को भी एक नई पहल स्मार्टपोर्ट के माध्यम से

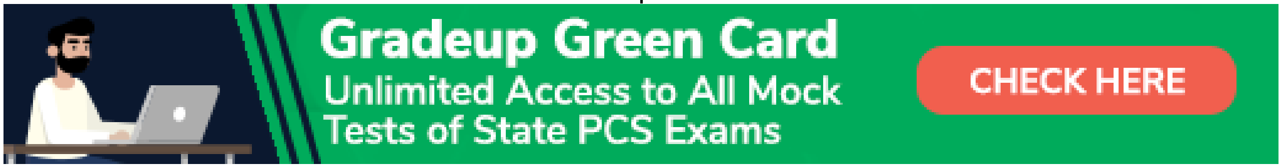

ई.डी.बी. के दायरे में लाकर अग्रणी बनने की तैयारी में है।

- स्मार्टपोर्ट को सार्वजनिक सेवा वितरण गारंटी अधिनियम के अंतर्गत शामिल किया जाएगा और पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए और बंदरगाह संबंधित सेवाओं, राज्य उद्योग और बुनियादी ढांचे में भ्रष्टाचार-मुक्त वातावरण स्थापित करने हेतु एकल-डेस्क पोर्टल के माध्यम से निगरानी की जाएगी।
- स्मार्टपोर्ट, भारतीय जल में जहाजों के प्रवेश के लिए अनुरोध, कार्गो घोषणा को प्रस्तुत करने, जहाजों के प्रवेश प्रमाण पत्र के लिए अनुरोध, आयात/ निर्यात मापदंडों को प्रस्तुत करने और एक अंतिम मंजूरी प्रमाण पत्र के लिए अनुरोध करने जैसी ऑनलाइन सेवाओं को सक्षम करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- डेक्कन हेराल्ड

8. **<u>सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में तनाव को कम करने हेतु कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के नेतृत्व में सचिवों के पैनल का गठन किया है।</u>**

- सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में वित्तीय तनाव को कम करने के लिए उपायों हेतु कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के नेतृत्व में सचिवों (सी.ओ.एस.) की समिति का गठन किया है, जो सांविधिक बकाया को समाप्त करने के लिए 1.33 ट्रिलियन के भुगतान की देखरेख कर रहा है।
- उच्चतम न्यायालय (एस.सी.) ने 24 अक्टूबर को दूरसंचार विभाग (डीओ.टी.) की समायोजित सकल राजस्व (ए.जी.आर.) परिभाषा के साथ सहमति व्यक्त की थी, जिससे टेलीकॉम को तीन महीने के भीतर बकाया और ब्याज का भुगतान करने के लिए कहा गया था।
- टेलकॉस ने बाद में सरकार से राशि को कम करने और समय सीमा बढ़ाने या स्थगन प्रदान करने की अपील की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

31.10.2019

1. **<u>जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, केंद्र शासित प्रदेश बन गए हैं।</u>**

- जम्मू और कश्मीर का दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन 31 अक्टूबर से प्रभावी हुआ है।
- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में क्रमश: गिरीश चंद्र मुर्मू और राधा कृष्ण माथुर शपथ लेंगे।

संबंधित जानकारी

केंद्र शासित प्रदेशों का प्रशासन

- संविधान के भाग VIII में अनुच्छेद 239 से 241 तक केंद्रशासित प्रदेशों के संदर्भ जानकारी दी गई है।
- राष्ट्रपति, किसी प्रशासक के पदनाम को निर्दिष्ट कर सकता है, यह उपराज्यपाल या मुख्य आयुक्त या प्रशासक हो सकता है।
- वर्तमान में यह दिल्ली, पुदुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में उपराज्यपाल और चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और लक्षद्वीप के मामले में प्रशासक हैं।
- राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल को आसन्न केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के रूप में भी नियुक्त कर सकता है।
- पुदुचेरी के केंद्र शासित प्रदेश (1963 में) और दिल्ली (1992 में) और जम्मू-कश्मीर में अब एक विधानसभा और मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्री परिषद का प्रावधान किया गया है।
- शेष पांच केंद्र शासित प्रदेशों में ऐसे लोकप्रिय राजनीतिक संस्थान नहीं हैं।
- लेकिन, केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे संस्थानों की स्थापना उन पर राष्ट्रपति और संसद के सर्वोच्च नियंत्रण को कम नहीं करती है।

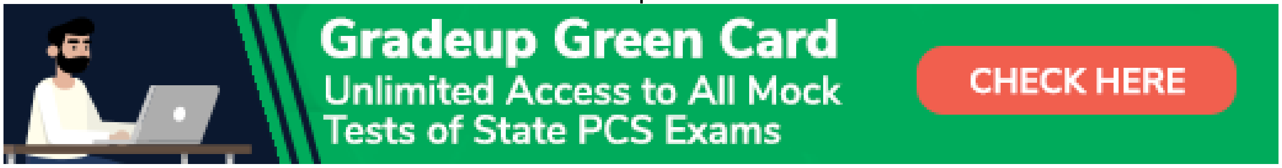

- संसद, केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तीन सूचियों (राज्य सूची सहित) के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है।
- संसद की इस शक्ति का पुदुचेरी और दिल्ली तक विस्तार किया गया है, जिनकी अपनी स्थानीय विधानसभाएं हैं।
- राष्ट्रपति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की शांति, प्रगति और अच्छी सरकार के लिए नियम बना सकते हैं।
- पुदुचेरी के मामले में भी राष्ट्रपति नियम बनाकर कानून बना सकते हैं लेकिन केवल तभी जब विधानसभा निलंबित या भंग हो।
- राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए विनियमन में संसद के अधिनियम के समान बल और प्रभाव होता है और इन केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में संसद के किसी भी अधिनियम को निरस्त या संशोधित भी कर सकता है।
- संसद, केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है या उसे आसन्न राज्य के उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में डाल सकती है।
- दिल्ली, एकमात्र केंद्र शासित प्रदेश है जिसका अपना उच्च न्यायालय (1966 से) है।
- बॉम्बे उच्च न्यायालय को दो केंद्र शासित प्रदेशों- दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पर अधिकार क्षेत्र प्राप्त है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, लक्षद्वीप और पुदुचेरी को क्रमशः कलकत्ता, पंजाब और हरियाणा, केरल और मद्रास उच्च न्यायालयों के अधीन रखा गया है।
- संविधान में अधिग्रहित क्षेत्रों के प्रशासन हेतु कोई अलग प्रावधान नहीं है।
- लेकिन, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए संवैधानिक प्रावधान अधिग्रहीत प्रदेशों पर भी लागू होते हैं।

नोट:

- वर्ष 1991 का 69वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम, दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश को एक विशेष दर्जा प्रदान करता है और इसे दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का नया स्वरूप दिया है और दिल्ली के प्रशासक को लेफ्टिनेंट (लेफ्टिनेंट) गवर्नर (उपराज्यपाल) के रूप में नामित किया गया है।
- इसने दिल्ली के लिए एक विधानसभा और मंत्रिपरिषद का गठन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>किसान पाठशाला: किसानों की आय दोगुनी करने हेतु है</u>**

- किसान पाठशाला को लोकप्रिय रूप से मिलियन किसान विद्यालय (एम.एफ.एस.) कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है जो उत्तर प्रदेश सरकार की एक योजना है।

संबंधित जानकारी

मिलियन किसान विद्यालय (एम.एफ.एस.) कार्यक्रम

- यह लोकप्रिय रूप से किसान पाठशाला के रूप में जाना जाता है, एक विस्तार कार्यक्रम है जिसे उत्तर प्रदेश की सरकार ने वर्ष 2017 में शुरू किया था।
- यह कृषि ज्ञान के विभिन्न पहलुओं को एक पैकेज्ड प्रारूप में एकीकृत करता है और इसे राज्य के सभी जिलों में ग्राम-स्तरीय प्रशिक्षण के माध्यम से वितरित करता है।
- एम.एफ.एस. का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि ज्ञान और तकनीक प्रदान करना है, जो बदले में कृषि उत्पादन को बढ़ा सकता है, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है और एकीकृत और विविध कृषि प्रणालियों को बढ़ावा दे सकता है।
- यह कार्यक्रम कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ए.टी.एम.ए.), कृषि विज्ञान केंद्र (के.वी.के.) और

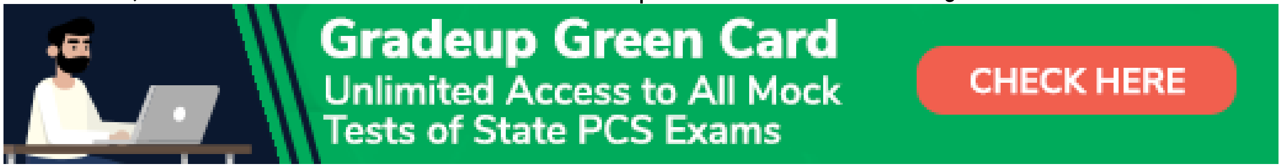

अन्य एजेंसियों द्वारा लागू मौजूदा कार्यक्रमों का पूरक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **डिराक धातु: स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के लिए क्वांटम सामग्रियों का एक नया वर्ग है।**

- आई.आई.टी. बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने "अर्ध-डिराक धातु" नामक सामग्री के एक वर्ग में विशेष गुणों की खोज की है।

संबंधित जानकारी

डिराक धातुओं के संदर्भ में जानकारी

- सोने और चाँदी जैसी सामान्य धातुएँ विद्युत की सुचालक होती हैं।
- डिराक धातुएं, सामान्य धातुओं से भिन्न होती हैं जिसमें ऊर्जा रैखिक रूप से उस गति पर निर्भर करती है जो उनके अद्वितीय गुणों के लिए जिम्मेदार है।
- अर्ध-डिराक धातुएं, एक दिशा में डिराक धातुओं की तरह और लंबवत दिशाओं में सामान्य धातुओं की तरह व्यवहार करती हैं (चूंकि उनकी सूक्ष्म संरचना दोनों दिशाओं के साथ भिन्न होती है)।

डिराक धातुओं के लाभ

- इसका उपयोग कुशल कारों में किया जाता है, जहां इसका उपयोग लाइट को चालू रखने और सीटों को गर्म करने के लिए किया जाता है।
- वायेजर जैसे अंतरिक्ष यान जो सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए सूरज से बहुत दूर हैं, थर्मोइलेक्ट्रिसिटी का उपयोग कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

4. **शोधकर्ताओं ने केरल के पानी में मछली की नई प्रजाति "ग्लोसानोडोन मैक्रोसेफालस" पाई है।**

- शोधकर्ताओं की एक टीम ने केरल के पानी में मछली की एक नई प्रजाति की खोज की है।
- ग्लोसैनोडोन मैक्रोसेफालस (सामान्य नाम केरल आर्गेनटाइन), यह एक सफेद और चांदी के रंग के शरीर और सफेद मांस वाले खाद्य है।
- यह प्रजाति जीनस ग्लोसानोडोन के परिवार अर्जेंटीनिडा की हैं।
- नई प्रजातियां लगभग 300 से 600 मीटर की गहराई में कीचड़ वाली बोतलों पर पाए जाने वाले बेंटोफैलेजिकल निवासी हैं।
- यह पहली बार है जब परिवार को भारतीय जल से पाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

स्रोत- द हिंदू

5. **तमिलनाडु, अनुबंध खेती पर कानून लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है।**

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के साथ कृषि उपज और पशुधन संविदा खेती एवं सेवा (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम को स्वीकृति देने के साथ तमिलनाडु, अनुबंध खेती पर कानून लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है।
- बंपर फसल होने पर या बाजार की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव के दौरान यह कानून किसानों के हितों की रक्षा करेगा।
- ऐसे परिदृश्य में, किसानों को खरीदारों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर करते समय एक पूर्व निर्धारित मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –कृषि

स्रोत- बिजनेस लाइन

6. **भारत और दुनिया में बढ़ते समुद्र**

- नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित शोध के अनुसार, समुद्र के बढ़ते स्तर के कारण भारत में जोखिम के अंतर्गत लोगों की संख्या पहले के अनुमान से कम से कम सात गुना अधिक है।
- जलवायु वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र संगठन क्लाइमेट सेंट्रल के शोधकर्ताओं ने एक नया उपकरण विकसित किया है जो पहले के मॉडल

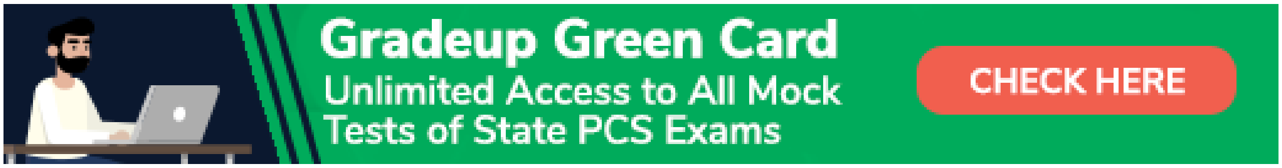

की तुलना में बहुत अधिक सटीकता के साथ समुद्र के स्तर से भूमि की ऊंचाई को मापता है।

- उनका नया टूल, जिसे कोस्टलडी.ई.एम. (या कोस्टल डिजिटल एलीवेशन मॉडल) कहा जाता है, जो 51 मिलियन डेटा नमूनों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है, इस त्रुटि को औसतन 2.5 इंच से भी कम पर लाया है।

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

- अध्ययन में पाया गया कि 300 मिलियन लोग न कि 80 मिलियन जैसा कि पहले अनुमान लगाया गया था, दुनिया भर में वर्तमान में उन क्षेत्रों में रह रहे थे जो वार्षिक तटीय बाढ़ रेखा से नीचे थे।
- इस सदी के अंत तक, भूमि जो अब इन 200 मिलियन लोगों के लिए घर है, स्थायी रूप से उच्च ज्वार रेखा से नीचे होगी।
- इन 300 मिलियन लोगों में से लगभग 80 प्रतिशत लोग चीन, बांग्लादेश, भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और थाईलैंड में रहते हैं।
- अकेले चीन ने 43 मिलियन लागो हेतु जिम्मेदार है।

भारत में संवेदनशील क्षेत्र

- नए उपकरण में पाया गया है कि विशेष रूप से भुज, जामनगर, पोरबंदर, सूरत, भरूच और मुंबई के पास पश्चिमी समुद्र तट पहले के आकलन की तुलना में बढ़ते समुद्र स्तर के प्रति अतिसंवेदनशील हैं।
- पूर्वी ओर, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लगभग पूरे तट पर खतरे के निशान पाए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली</u>**

- पेंशन फंड विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पी.एफ.आर.डी.ए.) ने अब प्रवासी भारतीय नागरिकों को अनिवासी भारतीयों (एन.आर.आई.) के साथ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में नामांकन करने की अनुमति प्रदान की है।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2019 पर आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, ओ.सी.आई., उन एन.पी.एस. की सदस्यता ले सकते हैं जो पी.एफ.आर.डी.ए. द्वारा शासित और प्रशासित किए जा रहे हैं।

एक कर कटौती हेतु पात्रता

- एन.पी.एस. में किया गया निवेश धारा 80CCD (1B) के अंतर्गत 50,000 तक की अतिरिक्त कर कटौती के लिए पात्र हैं जो कि धारा 80CCD (1) के अंतर्गत उपलब्ध कटौती की 1,50,000 सीमा के अतिरिक्त है।

संबंधित जानकारी

योजना के संदर्भ में जानकारी

पात्रता

भारत का नागरिक चाहे वह भारत का निवासी हो या अनिवासी हो, वह निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- आवेदक को अपनी उपस्थिति जमा करने की तिथि के अनुसार-सेवा प्रदाता (पी.ओ.पी./ पी.ओ.पी.-एस.पी.) 18-65 वर्ष की आयु के बीच होना चाहिए।
- आवेदक को आपके ग्राहक (के.वाई.सी.) मानदंडों का अनुपालन करना चाहिए जैसा कि सब्सक्राइबर पंजीकरण फॉर्म में विस्तृत है।

पेंशन फंड विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह एक पेंशन विनियामक प्राधिकरण है जिसे 2003 में स्थापित किया गया था।
- यह संसद द्वारा अधिनियमित पी.एफ.आर.डी.ए. अधिनियम, 2003 के अंतर्गत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- यह वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा अधिकृत है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

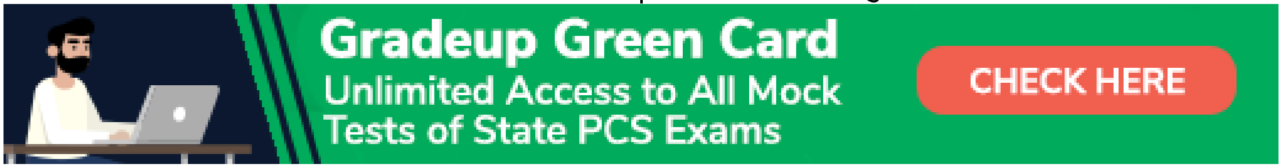

- यह पेंशन फंडों की स्थापना, विकास और विनियमन करके बुढ़ापे की आय सुरक्षा को बढ़ावा देता है और पेंशन फंडों और संबंधित मामलों की योजनाओं के लिए ग्राहकों के हितों की रक्षा करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>सीड (बीज) पुरस्कार 2019</u>**

- हाल ही में, 14 स्टार्ट-अप को इस वर्ष के सीड पुरस्कारों के लिए चुना गया है।
- सीड निम्न कार्बन श्रेणी के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित आईक्या ऑर्गेनिक्स नामक एक संगठन ने भारत के लिए पुरस्कार जीता है।
- यह पुरस्कार सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को आगे बढ़ाने के लिए हरित और सामाजिक उद्यमों के योगदान पर प्रकाश डालता है। प्रत्येक वर्ष, विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत पुरस्कार तय किए जाते हैं।
- इस वर्ष की श्रेणियों में सीड निम्न कार्बन, सीड अफ्रीका पुरस्कार, सीड दक्षिण अफ्रीका जलवायु अनुकूलन पुरस्कार और सीड लिंग समानता पुरस्कार शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

सीड पुरस्कार

- इसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) द्वारा जोहान्सबर्ग में सतत विकास पर 2002 विश्व शिखर सम्मेलन में स्थापित किया गया था।
- यह सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था पर कार्रवाई हेतु एक वैश्विक साझेदारी है।
- यह पहल घाना, भारत, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड और युगांडा सहित एशियाई और अफ्रीकी देशों में काम करती है और व्यापार और क्षमता निर्माण के साथ छोटे और बढ़ते उद्यमों का समर्थन करती है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत- फाइनैंशियल अवेयरनेस

***

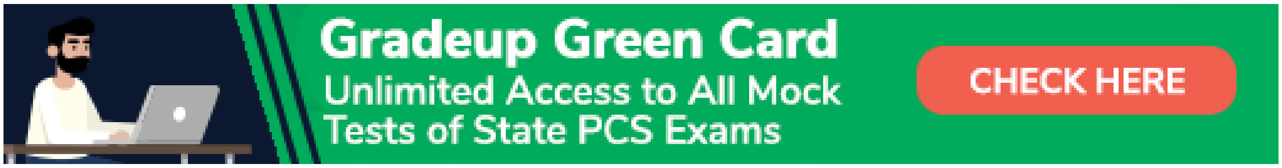

gradeup

UPPSC 2019
Test Series

1. Based on the Latest Exam Pattern
2. All India Rank & Performance Analysis
3. Detailed Explanation of Solutions
4. Available on Mobile & Desktop

GET IT ON Google Play

www.gradeup.co